{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 18 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 233
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

दो तरह की चांदी के आयात पर रोक

नई दिल्ली। भारत सरकार ने घरेलू उद्योग और व्यापार संतुलन को ध्यान में रखते हुए दो प्रकार की चांदी के आयात पर रोक लगा दी है। यह फैसला बढ़ते आयात और उससे होने वाले आर्थिक प्रभाव को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लिया गया है। सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय बाजार को मजबूती मिलेगी और अवैध व्यापार पर भी अंकुश लगेगा। नई व्यवस्था के तहत संबंधित आयातकों को नियमों का पालन करना होगा। विशेषज्ञों के अनुसार इस निर्णय से चांदी के कारोबार, आभूषण उद्योग और कीमतों पर असर पड़ सकता है। सरकार आगे स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाएगी।

अमरावती और वर्धा देश के सबसे गर्म शहर, पारा 46 डिग्री रहा

नई दिल्ली। पश्चिम में राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र-विदर्भ से लेकर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत आठ राज्य भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इन इलाकों में पारा लगातार 40 से ऊपर है। दिन के साथ रातें भी गर्म हैं। शनिवार को महाराष्ट्र के अमरावती और वर्धा देश के सबसे गर्म शहर रहे। दोनों शहरों का तापमान 46 डिग्री रहा। यूपी के बांदा, मध्य प्रदेश का नौगांव और खंडवा में भी पारा 44 डिग्री से ज्यादा रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास बनी जंगल सफारी में जानवरों और पक्षियों के लिए एसी, कूलर और स्प्रिंकलर लगाए गए हैं। वडोदरा के सायाजीबाग जूलॉजिकल पार्क ने जानवरों और पक्षियों को गर्मी से बचाने के लिए ठंडक के कई इंतजाम किए हैं। इनमें पानी का छिड़काव, बर्फ के टुकड़े, फॉगर शामिल हैं। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश के साथ बिजली गिरने का अलर्ट है। राजस्थान में गंभीर हीटवेव का अलर्ट है। रातें भी गर्म रहेंगी। असम, मेघालय, केरलम, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश का अनुमान है।

अब दो नहीं, तीसरा और चौथा बच्चा होने पर सरकार देगी हजारों का इनाम

नई दिल्ली। अगर आपका तीसरा बच्चा हुआ तो आपको किसी भी सरकारी स्कीम का फायदा नहीं मिलेगा ऐसा था, लेकिन अब आप भारत में दो से ज्यादा बच्चे होने पर आपको इनाम दिया जाएगा। हां यह सच है, तीसरे बच्चे पर आपको 30 हजार रुपए सरकार देगी। वहीं, चौथे बच्चे पर यह इनाम बढ़कर 40 हजार हो जाएगा। दरअसल, यह योजना आंध्र प्रदेश की तरफ से लॉन्च की गई है। इस योजना की घोषणा सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने की है।

कुछ ना कहना

पीएम मोदी को मिला स्वीडन का सर्वोच्च सम्मान

'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार' से नवाजे गए

गुटेनबर्ग। स्वीडन ने पीएम मोदी को अपने अत्यंत प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक सम्मान 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार' से सम्मानित किया। स्वीडन की राजकुमारी विक्टोरिया ने पीएम मोदी को यह सम्मान सौंपा। इस सम्मान के साथ-साथ पीएम को एक बेहद खास और ऐतिहासिक उपहार एक बॉक्स भी दिया गया, जिसमें भारत के महान कवि और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के दो हस्तलिखित कार्ड्स की हूबहू प्रतियां थीं, जो भारत-स्वीडन के पुराने सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाती हैं। पीएम मोदी को यह सम्मान भारत और स्वीडन के बीच द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार, तकनीकी, रक्षा और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को एक नई ऊंचाई पर ले जाने और दोनों देशों की साझेदारी मजबूत करने के लिए दिया गया है।

यह प्रधानमंत्री मोदी का 31वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। यह पुरस्कार को किसी भी सरकार प्रमुख को दिया जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान माना जाता है। %रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार% की स्थापना वर्ष 1748 में की गई थी। स्वीडन की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, यह सम्मान स्वीडन या स्वीडिश हितों के लिए किए गए विशेष कार्यों, सार्वजनिक गतिविधियों में योगदान और सरकारी जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभाने के लिए दिया जाता है।

विदेश मंत्रालय ने क्या कहा?

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, स्वीडन की राजकुमारी विक्टोरिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार, डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रॉस' सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान भारत और स्वीडन के संबंधों में उनके विशेष योगदान और उनके नेतृत्व की सराहना के लिए दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान को भारत और स्वीडन के ऐतिहासिक संबंधों को समर्पित किया और कहा कि यह दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी प्रेम और गर्मजोशी का प्रतीक है।

एक अन्य पोस्ट में विदेश मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने स्वीडन की राजकुमारी विक्टोरिया की मौजूदगी में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को याद करते हुए विशेष उपहारों का आदान-प्रदान किया, जो भारत और स्वीडन के बीच लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक और बौद्धिक संबंधों को दर्शाते हैं।

रवींद्रनाथ टैगोर पहले गैर-यूरोपीय थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। लेकिन 1913 में वह स्वीडन जाकर यह पुरस्कार नहीं ले सके थे। बाद में 1921 में स्वीडन के राजा गुस्ताव पंचम ने उनकी मेजबानी की थी। इस वर्ष गुरुदेव टैगोर की 1926 की स्वीडन यात्रा के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर को भी विशेष रूप से याद किया गया।

पीएम मोदी ने स्वीडन के प्रधानमंत्री को शांति निकेतन मैसेंजर बैग, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर रचित 'गीतांजलि', मणिपुर की लोकटक चाय और लद्दाख में बना मफलर भेंट किया। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वीडन की राजकुमारी विक्टोरिया को गोंड पेंटिंग और एक पुस्तक भी भेंट की, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।

पीएम मोदी ने स्वीडिश समकक्ष के साथ की बैठक

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने स्वीडिश समकक्ष उल्फ क्रिस्टर्सन के साथ रक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी समेत अन्य प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ाने पर व्यापक वार्ता की। पीएम मोदी ने इससे पहले 2018 में पहले भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के लिए स्वीडन की यात्रा की थी। पीएम मोदी का गुटेनबर्ग हवाई अड्डे पर स्वीडिश पीएम क्रिस्टर्सन ने विशेष स्वागत किया। हवाईअड्डे पर उतरते समय प्रधानमंत्री के विमान को स्वीडिश वायुसना के जेट विमानों ने सुरक्षा प्रदान की। पीएम का स्वागत करते हुए क्रिस्टर्सन ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मेरे मित्र, स्वीडन में एक बार फिर आपका हार्दिक स्वागत है। दो लोकतंत्र, एक मजबूत संबंध। गुटेनबर्ग पहुंचने के कुछ देर बाद ही पीएम मोदी और क्रिस्टर्सन के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। इस दौरान, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के लिए सहयोग के नए रास्ते तलाशे, जो 2025 में 7.75 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था। वार्ता में दोनों पक्षों ने हरित ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), उभरती प्रौद्योगिकियों, स्टार्टअप्स, लचीली आपूर्ति श्रृंखला, रक्षा, अंतरिक्ष, जलवायु कार्रवाई और जन-जन संबंधों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया। यात्रा के दौरान पीएम मोदी की यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय उद्यमियों के साथ भी मुलाकात होगी।

पीएसपीसीएल के सीएमडी बसंत गर्ग को ईडी का समन

संजीव अरोड़ा से जुड़े कथित बैंक गारंटी रिफंड मामले में जांच तेज

चंडीगढ़। ईडी ने आम आदमी पार्टी के नेता और पंजाब सरकार के पूर्व मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़े कथित बैंक गारंटी रिफंड मामले में जांच का दायरा बढ़ा दिया है। एजेंसी ने अब पंजाब स्टेट पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेट (पीएसपीसीएल) के चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) को नोटिस जारी कर संबंधित रिकॉर्ड और फाइलों सहित पेश होने के निर्देश दिए हैं।

मामला करीब 1.96 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी रिफंड से जुड़ा है, जिसे कथित तौर पर नियमों के विपरीत रितेश प्रॉपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड को वापस किया गया था। आरोप है कि यह कार्रवाई उस समय हुई जब संजीव अरोड़ा पंजाब सरकार में बिजली मंत्री थे। हालांकि मामले की जांच अभी जारी है और किसी भी आरोप की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पीएसपीसीएल के सीएमडी बसंत गर्ग ने नोटिस मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि विभाग जांच एजेंसी को सभी आवश्यक दस्तावेज और रिकॉर्ड उपलब्ध कराएगा। ईडी यह पता लगाने में जुटी है कि क्या विभागीय प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता या प्रभाव का इस्तेमाल किया गया था। जानकारी के अनुसार लुधियाना स्थित हैम्पटन कोर्ट बिजनेस पार्क परियोजना के लिए कंपनी ने वर्ष 2023 में बिजली लोड बढ़ाने हेतु 66 केवी वोल्टेज पर संशोधित एनओसी मांगी थी। इसके तहत कंपनी को सप्लाई सिस्टम लागत के 35 प्रतिशत के रूप में करीब 1.97 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा करनी पड़ी थी। बाद में वर्ष 2025 में कंपनी ने सप्लाई वोल्टेज 66 केवी से घटाकर 11 केवी करने के लिए आवेदन दिया। पीएसपीसीएल के नियमों के अनुसार नई व्यवस्था के तहत 1.87 करोड़ रुपये की नई बैंक गारंटी जमा कराना अनिवार्य था। साथ ही यह भी तय था कि नई गारंटी जमा होने के बाद ही पुरानी राशि लौटाई जाएगी। लेकिन जांच में सामने आया कि कंपनी द्वारा 2 फरवरी को पुरानी बैंक गारंटी वापस लेने का अनुरोध किए जाने के अगले ही दिन राशि रिलीज कर दी गई, जबकि नई बैंक गारंटी उस समय तक जमा नहीं कराई गई थी।

सूत्रों के अनुसार विभागीय इंजीनियरों द्वारा आपत्ति उठाए जाने के बाद अप्रैल में नई बैंक गारंटी जमा करवाई गई। अब ईडी यह जांच कर रही है कि क्या इस प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी कर विशेष लाभ पहुंचाया गया था। मामले ने पंजाब के राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी है।

केरल में शपथ ग्रहण समारोह आज

मुख्यमंत्री सहित 21 की शपथ
गठबंधन के सभी सहयोगी दल शामिल

तिरुवनंतपुरम। केरल में नई यूडीएफ सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री पद के लिए चुने गए वी. डी. सतीसन ने मंत्रिमंडल की सूची राज्यपाल को सौंप दी है। जानकारी के अनुसार नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 18 मई को सुबह 10 बजे तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित होगा। यूडीएफ नेताओं के अनुसार मुख्यमंत्री सहित कुल 21 सदस्य शपथ लेंगे। इनमें 20 मंत्री और मुख्यमंत्री शामिल हैं। पहली बार पूरा मंत्रिमंडल एक साथ शपथ ग्रहण करेगा। मंत्रिमंडल में कांग्रेस और सहयोगी दलों के नेताओं को प्रतिनिधित्व दिया गया है। नई सरकार के गठन को लेकर राज्य में उत्साह देखा जा रहा है। कांग्रेस नेतृत्व ने दावा किया है कि नई सरकार विकास, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता देगी। शपथ ग्रहण समारोह में कई वरिष्ठ राष्ट्रीय नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

मुस्लिम लीग पर बार-बार हमले तनाव पैदा करने के उद्देश्य से किए जा रहे

-केरल में नई सरकार का शपथ ग्रहण आज

तिरुवनंतपुरम। केरल में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार को होगा, लेकिन सरकार गठन से पहले कांग्रेस नेतृत्व ने रविवार को कैबिनेट संबंधी निर्णयों और विभागों के बंटवारे को लेकर यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के सहयोगियों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। इसको लेकर एआईसीसी के महासचिव और सांसद के सी वेणुगोपाल ने कहा कि रविवार शाम मंत्रियों की सूची राज्यपाल को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि मंत्रियों के नामों की घोषणा सीधे तौर पर नहीं की जाती, यह हमेशा से ही परंपरा रही है। यूडीएफ की एक सक्षम टीम मंत्रियों के रूप में शपथ लेगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वेणुगोपाल ने कहा कि यूडीएफ एक ऐसी बेहतरीन टीम उतारेगी जो केरलम की जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप आगे बढ़ेगी। सरकार घोषित की गई गारंटियों पर गंभीरता से विचार करेगी। इस संबंध में किसी भी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है। सरकार तो अभी बस शपथ लेने ही जा रही है। उससे पहले, वेल्लापल्ली नटेसन को इस तरह के भड़काऊ बयान देने से बचना चाहिए था। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम ही इस बात का प्रमाण है कि केरल के लोग सांप्रदायिकता भड़काने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि मुस्लिम लीग पर बार-बार हो रहे हमले सामाजिक तनाव पैदा करने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यूडीएफ के घटक दल एक-दूसरे पर प्रभुत्व जमाने वाले लोग नहीं हैं। सभी आपसी सम्मान के साथ व्यवहार करेंगे। कांग्रेस के अपने तौर-तरीके और दृष्टिकोण हैं। मुस्लिम लीग के भी अपने होंगे, लेकिन यूडीएफ व्यवस्था के अंदर, यह केवल उसी तरह आगे बढ़ सकता है जो सभी का सम्मान करे और सभी को स्वीकार्य हो। पार्टी की इच्छा थी कि रमेश चेन्निथला मंत्रिमंडल में हों, और तदनुसार, वे आए हैं। अलाप्पुझा के मजबूत प्रतिनिधित्व वाला मंत्रिमंडल बनने जा रहा है। मेरी भूमिका सरकार के साथ खड़े होकर अलाप्पुझा ने जो कुछ खोया है उसे वापस दिलाने की होगी।

सुप्रीम कोर्ट को मिलेंगे 4 नए जज, अब जजों की संख्या हुई 37

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 कर दिया है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश, 2026 को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस नए अध्यादेश के लागू होने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में आवश्यक संशोधन कर दिया गया है। इस फैसले की खास बात यह है कि जजों की इस बढ़ी हुई संख्या में भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल नहीं हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि मुख्य न्यायाधीश को मिलाकर अब सर्वोच्च न्यायालय में कुल न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी।

जमानत आदेश के बाद 10 मिनट में जेल से रिहाई

ट्रायल कोर्ट में तेजी से होगी मामले की सुनवाई

नई दिल्ली। देश में न्याय व्यवस्था को तेज और पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यूनिफाइड डिजिटल जस्टिस मॉडल लागू किया है। नई व्यवस्था के तहत जमानत आदेश जारी होने के मात्र 10 मिनट के भीतर बंदी की जेल से रिहाई संभव होगी।

एफआईआर दर्ज होते ही उसका रियल टाइम लिंक पुलिस, कोर्ट, जेल, फॉरेंसिक और मेडिकल सिस्टम से स्वत: जुड़ जाएगा। एआई आधारित डिजिटल कार्यप्रणाली से दस्तावेजों के आदान-प्रदान, सत्यापन और आदेशों की प्रक्रिया तेज होगी। इससे मामलों के निपटारे में लगने वाला समय घटेगा, मानवीय त्रुटियों में कमी आएगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह पहल न्याय प्रणाली को अधिक आधुनिक, प्रभावी और नागरिक हितैषी बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और 9 सुप्रीम कोर्ट के जजों की उपस्थिति में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में एक समारोह के दौरान यह ए-आई आधारित व्यवस्था लागू कर दी गई है।

शिक्षा मंत्रालय आपदाओं का विभाग, राहुल गांधी का धर्मेंद्र प्रधान पर नीट-सीबीएससी मुद्दों को लेकर हमला

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को लेकर बड़ा हमला किया है। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक और सीबीएससी के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम से छात्रों को होने वाली परेशानी को लेकर राहुल गांधी ने हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि शिक्षा मंत्रालय अब आपदा विभाग बन गया है।

राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, पहले नीट पेपर लीक, जिससे 22 लाख छात्र प्रभावित हुए। फिर सीबीएससी के 12वीं के छात्रों को एक खराब ओएसएम सिस्टम के कारण उम्मीद से कम नंबर मिले, जिससे कई छात्रों को कॉलेज में दाखिला नहीं मिलेगा। अब सीबीएससी 9वीं के लाखों छात्रों से अचानक 1 जुलाई से एक नई भाषा सीखने को कह रहा है, जबकि न तो कोई शिक्षक हैं और न ही किताबें। उन्होंने आरोप लगाया कि 14 साल के बच्चों को अस्थायी समाधान के तौर पर 6वीं क्लास की किताबें थमा दी गईं. राहुल ने कहा, तीन एग्जाम. तीन आयु वर्ग. एक मंत्री. धर्मेंद्र प्रधान जी सिर्फ एक बार फेल नहीं हुए हैं। वे भारत के छात्रों के हर आयु वर्ग को एक साथ फेल कर चुके हैं. हर घोषणा छात्रों को अनिश्चितता के गहरे भंवर में धकेल देती है. राहुल ने कहा कि हर बार कोई सजा नहीं मिलती. उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय अब आपदाओं का विभाग बन गया है। इससे पहले शनिवार को भी राहुल गांधी ने x पर एक पोस्ट कर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हुए कहा था कि धर्मेंद्र प्रधान जी को इस्तीफा देने को कहें और जो दोषी हैं, उन्हें पकड़कर जेल में डाला जाए।

चन्द्रबली सिंह / 17/05/2026

जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए?

चेन्नई.। दिग्गज एक्टर रजनीकांत ने रविवार को अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने राज्य के पूर्व सीएम एमके स्टालिन के साथ अपनी हालिया मुलाकात को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच अपनी राजनीतिक स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि विजय के सीएम बनने की खबर सुनकर वो हैरान थे। उन्होंने कहा कि वे अब राजनीति में सक्रिय नहीं हैं और कई सालों से इससे दूर हैं। रजनीकांत ने कहा कि उनके और विजय के बीच उम्र में 28 साल का अंतर है और विजय ने दो प्रमुख राजनीतिक दलों (डीएमके-एआईएडीएमके) के खिलाफ खड़े होकर स्वतंत्र रूप से

अपनी पहचान बनाई है। जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रजनीकांत ने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उनके राजनीतिक रुख और स्टालिन के साथ उनकी मुलाकात के बारे में बार-बार की जा रही आलोचनाओं का अगर जवाब नहीं दिया गया तो उन्हें सच मान लिया जाएगा। रजनीकांत ने चुनाव परिणामों के बाद स्टालिन के साथ अपनी मुलाकात का बचाव करते हुए कहा कि उनका रिश्ता राजनीति से परे है। उन्होंने कहा कि मुझे दुख हुआ कि एमके स्टालिन कुलथुर से हार गए। रजनीकांत कोई घटिया या निम्न स्तर के व्यक्ति नहीं हैं जो बेवजह किसी और बात पर टिप्पणी करें।

रजनीकांत ने विजय के सीएम बनने पर अपनी प्रतिक्रिया को लेकर हो रही आलोचनाओं का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मेरे बारे में यह भी कहा गया कि मैंने एयरपोर्ट पर विजय को बधाई नहीं दी। उन्होंने कहा कि मैंने उनकी जीत के तुरंत बाद एक्स पर बधाई संदेश पोस्ट किया था। जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए? जिसके भाग्य में जो लिखा है, वो होकर रहेगा और जिसका नहीं लिखा है, वो नहीं होगा। बता दें रजनीकांत की यह टिप्पणियां चुनाव परिणामों के बाद तमिलनाडु में चल रही गहन राजनीतिक चर्चाओं और राज्य में फिल्म जगत की हस्तियों और मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों के बीच राजनीतिक समीकरणों को लेकर अटकलों के बीच आई है।

राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट हाई अलर्ट पर

-सुरक्षा एजेंसियां हुई सतर्क, एयरपोर्ट पर सघन जांच, कोई विस्फोटक नहीं मिला

हैदराबाद। राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार को उस समय हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया जब नीदरलैंड से आने वाली एक अंतर्राष्ट्रीय उड़ान को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए प्राप्त हुई। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं और एयरपोर्ट परिसर में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया।

जानकारी के अनुसार, ईमेल में फ्लाइट को निशाना बनाने की बात कही गई थी, जिसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन ने पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। यात्रियों और उनके सामान की सघन जांच की जा रही है, जबकि पूरे टर्मिनल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री की पुष्टि नहीं हुई है। स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और जांच पूरी होने तक सुरक्षा प्रोटोकॉल सख्ती से लागू रहेगा।

एक दिन पहले भी मिली थी धमकी

यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब एक दिन पहले ही कुआलालंपुर से हैदराबाद आ रही एयरएशिया की एक उड़ान को भी इसी तरह की बम धमकी मिली थी। हालांकि उस मामले में सुरक्षा जांच के बाद धमकी को झूठा पाया गया था। जांच में पता चला था कि ईमेल के जरिए फ्लाइट में आत्मघाती हमलावर होने का दावा किया गया था, जो बाद में निराधार साबित हुआ। एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सुरक्षा जांच में सहयोग करें। सुरक्षा एजेंसियां धमकी देने वाले ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

एनएसयूआई का कालेज घेराव आंदोलन 20 को

प्रमुख 7 सूत्रीय मांगों लेकर छात्र देंगे धरना,करेंगे प्रदर्शन प्रेसवार्ता में दी जानकारी, मांग पूरी ना होने पर यूनिवर्सिटी घेराव की भी दी चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी ना होने से पीजी महाविद्यालय में अध्ययन कर रहे विद्यार्थी काफी परेशान है, जहा बार बार आवेदन निवेदन और ज्ञापन सौपने के बाद भी मांग पूरी ना होने पर उन्होंने एनएसयूआई के बैनर तले कालेज का घेराव कर, आंदोलन करने की रणनीति बनाई है। लंबित छात्रवृत्ति भुगतान, सीट वृद्धि और कालेज में मूलभूत सुविधाए देने सहित 07 सूत्रीय प्रमुख मांगों को लेकर उन्होंने आगामी 20 मई को कॉलेज का घेराव कर धरना प्रदर्शन व आंदोलन करने की बात कही है।वही उन्होंने इसपर भी मांग पूरी ना होने पर छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी का घेराव किए जाने की चेतावनी दी है।उक्त तमाम जानकारी रविवार की दोपहर नगर के सर्किट हाउस में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में उपस्थित एनएसयूआई नेताओ व अन्य छात्रों ने दी है।आयोजित इस पत्रकारवार्ता में छात्र नेता ऋषभ सहारे, शुभम बंसोड़, शुमेद बंसोड़, शुधांशु लिल्हारे, रोहित मोहरे, हर्ष डडरवाल, और प्रफुल मोहारे, सहित एनएसयूआई के अन्य पदाधिकारी, सदस्य व विद्यार्थी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इन मांगो को लेकर होगा कालेज का घेराव

छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी और स्थानीय कालेज प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि लंबे समय से लंबित छात्र हितों से जुड़ी मांगों का निराकरण शीघ्र नहीं किया गया, तो 20 मई बुधवार को शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय बालाघाट का घेराव कर जोरदार आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने एस.टी., एस.सी., ओबीसी. की लंबित छात्रवृत्ति प्रदान करने, सभी संकायो मे सीट वृद्धि करने, वर्तमान मे तापमान को देखते हुए सभी कक्षाओ के पंखो की रिपेरिंग व परीक्षा मे कूलर की व्यवस्था किए जाने,एल. एल. बी. प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित करने, एल.एल.बी. प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओ के छात्रवृति के फार्म जल्द जारी करने,महाविद्यालय मे कर्मचारियो की कमी की पूर्ति करने,और महाविद्यालय मे आटोनोमस सेंटर का निर्माण करने सहित अन्य मांगों को लेकर 20 मई को कॉलेज का घेराव कर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

विद्यार्थियों की समस्याओं पर ध्यान नही दे रहा कालेज प्रबंधन

प्रेस वार्ता में एनएसयूआई पदाधिकारियों ने बताया कि महाविद्यालय में अध्ययनरत हजारों छात्र-छात्राओ को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन कालेज प्रबंधन व यूनिवर्सिटी द्वारा उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। छात्रवृत्ति से लेकर परीक्षा परिणाम, प्रवेश व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं तक कई महत्वपूर्ण मुद्दे लंबे समय से लंबित पड़े हैं,जिससे विद्यार्थियों में भारी नाराजगी है।आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति समय पर नहीं मिलने से उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है वहीं कॉलेज में सीटों की कमी के कारण हर साल कई विद्यार्थियों को प्रवेश से वंचित होना पड़ रहा है। संगठन ने सबको प्रवेश, सबको शिक्षा के नारे के साथ सभी संकायों में सीट वृद्धि की मांग को प्रमुखता से उठाया है।

प्राचार्य सहित व्याख्याताओं के कमरे में एसी कुलर, बच्चो को पंखे तक नसीब नही

एनएसयूआई पदाधिकारियो ने वर्तमान भीषण गर्मी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। उन्होने बताया कि लगातार बढ़ते तापमान के बावजूद कई कक्षाओं में पंखे खराब पड़े हैं, जिससे छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परीक्षा कक्षों में भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से परीक्षार्थियों को कठिन परिस्थितियों में परीक्षा देनी पड़ रही है।उन्होंने बताया कि प्राचार्य सहित व्याख्याताओं के कमरे में एसी कुलर लगे है लेकिन बच्चो को पंखे की हवा तक नसीब नही हो रही है।जिन्होंने सभी कक्षाओं के पंखों को तत्काल मरम्मत कराकर उन्हें शुरू कराने और परीक्षा कक्षों में कूलर की व्यवस्था किए जाने की भी मांग की है।

यूनिवर्सिटी सिर्फ परीक्षा ले रही है, जारी नही हो रहे परीक्षा परिणाम

संगठन ने एलएलबी प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में हो रही देरी पर भी सवाल उठाए। पदाधिकारियों ने बताया कि परीक्षा हुए काफी समय बीत चुका है, लेकिन अब तक परिणाम घोषित नहीं किया गया है,जबकि विद्यार्थियों की द्वितीय सत्र की परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिससे विद्यार्थियों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। इसके अलावा एलएलबी प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति फॉर्म भी अब तक नहीं भराए गए हैं, जिसे लेकर छात्रों में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

कर्मचारियों की कमी से झूझ रहा महाविद्यालय

एनएसयूआई पदाधिकारियो ने महाविद्यालय में कर्मचारियों की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि स्टाफ की कमी के कारण प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। संगठन ने रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने की मांग की। साथ ही महाविद्यालय में आटोनोमस सेंटर की स्थापना की मांग भी प्रमुखता से रखी गई, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं और अवसर मिल सकें।

नही बनी बात तो करेंगे यूनिवर्सिटी का घेराव

आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए छात्र नेता ऋषभ सहारे और शुभम बंसोड़ ने स्पष्ट कहा कि यदि 20 मई तक मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं महाविद्यालय पहुंचकर घेराव कर धरना प्रदर्शन करेंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उन्होंने छात्र हितों की लड़ाई को आगे भी जारी रखने की बात कहते हुए, 20 मई के आंदोलन के बाद भी मांग पूरी ना होने पर छिंदवाड़ा यूनिवर्सिटी का घेराव किए जाने की भी चेतावनी दी है।

राजीव सागर परियोजना से बावनथड़ी नदी में छोड़ा गया पानी, पेयजल संकट से मिलेगी राहत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी क्षेत्र में भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते पेयजल संकट के बीच रविवार 17 मई 2026 को आमजन को बड़ी राहत मिली। विधायक गौरव सिंह पारधी की उपस्थिति में राजीव सागर वृहद परियोजना कुडवा के एसएसी श्री अविनाश रीड, बांध के पूर्व प्रभारी एवं वर्तमान में सेवानिवृत्त कार्यपालन यंत्री श्री भीमटे सहित कमांड एरिया के पूर्व संस्था अध्यक्ष, सदस्य एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में लगातार बढ़ती गर्मी और जलस्रोतों के सूखने से पेयजल संकट गहराता जा रहा था। ऐसे में राजीव सागर परियोजना से नियंत्रित रूप से पानी छोड़े जाने से आसपास के क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता बेहतर होगी तथा आम नागरिकों को राहत मिलेगी। विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि जनता को पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है और जल संकट की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग लगातार समन्वय बनाकर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता अनुसार आगे भी प्रभावी कदम उठाए जाएंगे, ताकि लोगों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े। जल छोड़े जाने के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे। लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सेंट्रल स्पिलवे के गेट क्रमांक 3 एवं 4 को दोपहर 1:55 बजे 30 सेंटीमीटर तक खोलकर 55.39 क्यूमेक जल बावनथड़ी नदी में प्रवाहित किया गया। इस दौरान अधीक्षण यंत्री जल संसाधन विभाग श्री यू.एस. परते, एसडीएम श्री के.सी. ठाकुर, बांध प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन उपसंभाग क्रमांक-4 कुड़वा, जल संसाधन नहर उपसंभाग कटंगी की प्रभारी उपयंत्री सुश्री कंचन टेकाम, सुश्री प्रीति बघेले, ई एंड एम उपयंत्री श्री संजय भलावी, जल संसाधन सर्वेक्षण संभाग बालाघाट निर्धारित कार्यक्रम के तहत जल संसाधन विभाग द्वारा राजीव सागर बांध के मुख्य द्वार रेडियल गेट खोलकर बावनथड़ी नदी में लगभग छह एमसीएम पानी छोड़ा गया। इससे नदी तटवर्ती क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ेगी और ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि आज सभी ने मिलकर जनहित को ध्यान में रखते हुए सीतेकसा कुड़वा डैम के गेट खोले हैं। उन्होंने कहा कि यह लगभग पहली बार है कि मध्यप्रदेश के हिस्से का पानी नदी में प्रवाहित किया गया है। इस पहल से नदी से जुड़े क्षेत्रों के ग्रामीणों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा तथा पेयजल संबंधी समस्याओं में राहत मिलेगी। प्रशासन के द्वारा नदी किनारे बसे ग्रामीणों एवं किसानों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई है। लोगों को नदी के तट एवं तल के पास अनावश्यक रूप से ना जाने, मवेशियों को नदी में ना ले जाने तथा मोटर पंप और अन्य सामग्री नदी किनारे ना रखने की सलाह दी गई है। प्रशासन को उम्मीद है कि इस कदम से बावनथड़ी नदी से जुड़े कई गांवों में जल उपलब्धता बेहतर होगी। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष योगेश सोनवाने, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष प्रकाश सोनावाने, संजय गोपाले, जनपद सदस्य दीपेश पुष्पतोड़े, एसडीएम के सी ठाकुर सहित राजीव सागर परियोजना के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को क्षेत्रहित में महत्वपूर्ण बताते हुए नदी किनारे बसे ग्रामीणों को मिलने वाले लाभ पर विश्वास व्यक्त किया।

बिरसा में मवेशी व्यापारी से लूट का आरोप

पत्रकार हिमांशु जैन समेत चार पर मारपीट चाकू अड़ाकर 70 हजार रुपये लूटने का मामला

हिमांशु जैन और विजय चौधरी गिरफ्तार-भूरा और निखिल आरोपी फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र में मवेशी व्यापारियों के साथ लूटपाट, मारपीट और धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्राम भटलई निवासी मवेशी व्यापारी संतोष गौतम ने पत्रकार हिमांशु जैन, विजय चौधरी सहित चार लोगों पर रास्ता रोककर चाकू की नोक पर 70 हजार रुपये लूटने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना 17 मई की सुबह करीब 5:30 बजे ग्राम कनिया मेन रोड पर हुई।मामले में बिरसा पुलिस ने हिमांशु जैन निवासी आजाद चौक बालाघाट, विजय चौधरी निवासी भटेरा चौकी, तथा भूरा और निखिल निवासी कोसमी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने हिमांशु जैन और विजय चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि दो आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ से मवेशी खरीदकर लौट रहे थे व्यापारी

प्राप्त जानकारी के अनुसार संतोष गौतम अपने पार्टनर बलिराम साहू निवासी अजगरा के साथ वर्षों से भैंस और बोदा (गैस पाड़ा) खरीदने-बेचने का कारोबार करते हैं। दोनों व्यापारी बिरसा, मलाजखंड सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न हाट बाजारों से मवेशी खरीदकर मध्यप्रदेश के बाजारों में बेचते हैं।बताया गया कि 15 और 16 मई को उन्होंने छत्तीसगढ़ के गोलरडीह (छुई खदान) और सहसपुर (लोहारा) क्षेत्र से आठ नग बोदा खरीदे थे। इनकी खरीदी की रसीदें बलिराम साहू के नाम पर थीं। शनिवार 17 मई की रात करीब 2 बजे संतोष गौतम अपने मजदूर दसरू और रूपलाल के साथ मवेशियों को लेकर दमोह हाट बाजार के लिए रवाना हुआ था। आरोप है कि सुबह करीब 5:30 बजे ग्राम कनिया रोड पर पहले से मौजूद हिमांशु जैन, विजय चौधरी, भूरा और निखिल ने उनका रास्ता रोक लिया।

धंधा करना है तो पैसे देने पड़ेंगे

पीड़ित संतोष गौतम के अनुसार, आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए कहा कि यदि छत्तीसगढ़ से मवेशी लाकर मध्यप्रदेश में बेचने का काम करना है तो पैसे देने पड़ेंगे। विरोध करने पर विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने व्यापारी के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इसी दौरान संतोष गौतम की जेब में रखे 70 हजार रुपये जबरन निकाल लिए गए। साथ ही चाकू दिखाकर धमकी दी गई कि यदि पुलिस में शिकायत की तो जान से मार दिया जाएगा।संतोष गौतम ने आरोप लगाया कि 70 हजार रुपये हिमांशु जैन ने अपने पास रख लिए, जबकि विजय चौधरी ने अतिरिक्त 20 हजार रुपये की मांग भी की। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों के पास एक सफेद स्कॉर्पियो और एक सफेद हुंडई कार थी, जिसका नंबर MP 04 CV 7542 बताया गया है।

मवेशियों की रसीदें भी छीनीं

पीड़ित व्यापारी का आरोप है कि आरोपियों ने उसकी जेब से ग्राम पंचायत गोलरडीह और सहसपुर के सरपंच द्वारा जारी मवेशियों की खरीदी संबंधी रसीदें भी छीन लीं। घटना के बाद संतोष गौतम ने तत्काल जनपद सदस्य बीपत राठौर को फोन कर जानकारी दी। बताया गया कि जब बीपत राठौर मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उन्हें भी बीच में नहीं पड़ने की धमकी दी।घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण और व्यापारी मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और धक्का-मुक्की व मारपीट की स्थिति बन गई। इसके बाद ग्रामीणों और व्यापारियों ने हिमांशु जैन और विजय चौधरी को पकड़कर दमोह ले गए तथा पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलने पर बिरसा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर थाना ले गई।

मारपीट में व्यापारी और मजदूर घायल- अपराध दर्ज

मारपीट में संतोष गौतम के दाहिने पैर के घुटने सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। वहीं उसके मजदूर दसरू को भी पीठ और कमर में चोट पहुंचने की जानकारी सामने आई है।बिरसा पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(B), 115(2), 351(3), 225, 3(5) और 309(6) के तहत मामला दर्ज किया है।फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपी हिमांशु जैन और विजय चौधरी से पूछताछ कर रही है। जबकि फरार आरोपियों भूरा और निखिल की तलाश जारी है।

विधायक पारधी की मौजूदगी में सीतेकसा कुड़वा डैम के गेट खुले

नदी किनारे गांवों को पानी की समस्या से मिलेगी राहत

पद्मेश न्यूज। बारासिवनी। रविवार को विधायक गौरव सिंह पारधी की उपस्थिति में बावनथड़ी नदी पर निर्मित सीतेकसा कुड़वा डैम के गेट खोले गए। इसके तहत राजीव सागर बांध के डाउन स्ट्रीम क्षेत्र से बावनथड़ी नदी में पानी प्रवाहित किया गया। इस निर्णय से मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के नदी किनारे स्थित ग्रामों में पेयजल संकट सहित अन्य जल संबंधी समस्याओं में राहत मिलने की उम्मीद है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व

एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन कैडेट्स को दिया गया फायरिंग एवं आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एन.सी.सी. के दस दिवसीय 97वें संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-97) के तीसरे दिन की शुरुआत प्रातःकालीन पीटी एवं योग अभ्यास के साथ हुई। शिविर में कैडेट्स को शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं अनुशासित बनाए रखने के उद्देश्य से नियमित व्यायाम एवं योग कराया गया। शिविर के दौरान जिन कैडेट्स को पूर्व में फायरिंग का प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया गया था, उन्हें भरवेली फायरिंग रेंज में ले जाकर फायरिंग अभ्यास कराया गया। वहीं अगले दिन फायरिंग में शामिल होने वाले कैडेट्स को शिविर परिसर में शस्त्र संचालन एवं फायरिंग संबंधी प्रारंभिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके बाद कैडेट्स को ड्रिल प्रैक्टिस एवं नियमित एनसीसी कक्षाओं का संचालन किया गया, जिसमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया।

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम गोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर ट्रेडिंग के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित करने का आरोप- पति समेत चार के खिलाफ मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र की एक 30 वर्षीय विवाहिता ने अपने पति, सास-ससुर और देवर पर दहेज की मांग को लेकर शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना देने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर किरनापुर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शादी के दो माह बाद शुरू हुई प्रताड़ना

प्राप्त जानकारी के अनुसार अश्विनी राऊत ने बी.ए. एवं डी.एल.एड. तक की पढ़ाई की है। उसकी शादी 6 मई 2021 को सामाजिक रीति-रिवाज के अनुसार सिवनी जिले के बरघाट थाना अंतर्गत ग्राम चिरचिरा निवासी अमित राऊत के साथ हुई थी। शादी में मायके पक्ष द्वारा अपनी सामर्थ्य अनुसार घरेलू उपयोग का सामान दिया गया था। आरोप है कि शादी के करीब दो माह बाद से ही पति अमित राऊत, सास ओमेश्वरी राऊत, ससुर रामकिशोर राऊत तथा देवर सुमित राऊत दहेज में कम सामान लाने की बात कहकर अश्विनी को ताने देने लगे और शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे।

बेटी के जन्म के बाद भी नहीं बदला व्यवहार

अश्विनी ने पारिवारिक संबंधों को बचाने के उद्देश्य से काफी समय तक प्रताड़ना सहन की और मायके तथा ससुराल के बीच सामंजस्य बनाने का प्रयास करती रही। मार्च 2022 में उसने एक बेटी को जन्म दिया। लेकिन इसके बाद भी कथित प्रताड़ना जारी रही। महिला ने अपने माता-पिता को पूरी बात बताई, जिसके बाद वे ससुराल पहुंचे और समझाइश देने का प्रयास किया। आरोप है कि इस दौरान ससुराल पक्ष ने उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया।

परिवार परामर्श केंद्र में भी नहीं बनी बात

करीब दो वर्ष पूर्व पूरा मामला परिवार परामर्श केंद्र बालाघाट पहुंचा था। वहां पति अमित राऊत ने पत्नी और बच्ची के साथ अलग रहकर जीवन यापन करने का आश्वासन दिया था। लेकिन बाद में वह अपने माता-पिता के साथ ही रहने लगा। अश्विनी अपनी बच्ची के साथ अलग कमरे में रहने लगी थी। महिला का आरोप है कि पति अमित दहेज में मोटरसाइकिल के लिए एक लाख रुपये की मांग कर रहा था और पैसे लाने पर ही साथ रखने की बात कहता था।

बच्ची को लेने मायके पहुंचा पति ने दी धमकी

बताया गया कि 2 मई को अश्विनी अपनी बेटी के साथ मामा के गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल होने मायके आई थी। 15 मई की सुबह करीब 10 बजे अमित वहां पहुंचा। उस समय बच्ची घर के पास मंदिर के समीप खेल रही थी। आरोप है कि अमित बच्ची को उठाकर ले जाने लगा और अश्विनी से धमकाते हुए कहा कि जब तक एक लाख रुपये लेकर नहीं आओगी तब तक मेरे घर मत आना। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। महिला ने आरोप लगाया कि इस दौरान पति ने उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया।

अश्विनी राऊत की शिकायत पर किरनापुर पुलिस ने पति अमित राऊत, सास ओमेश्वरी राऊत, ससुर रामकिशोर राऊत एवं देवर सुमित राऊत निवासी ग्राम चिरचिरा, थाना बरघाट जिला सिवनी के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर महिलाओं ने निकाली शराब दुकान की अंतिम यात्रा

35 दिनों से जारी प्रदर्शन के बीच महिलाओं ने अर्थी उठाकर पूरे वार्ड में किया भ्रमण, जनप्रतिनिधियों पर लगाए केवल आश्वासन देने के आरोप

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बूढ़ी वार्ड क्रमांक 12 में स्थित शराब दुकान को वार्ड से हटाने और उसका स्थान परिवर्तन किए जाने की मांग को लेकर पिछले 35 दिनों से प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने एक बार फिर अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने इस बार शराब दुकान की प्रतीकात्मक अंतिम यात्रा निकालकर अपना आक्रोश जताया। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने एक अर्थी को कंधे पर उठाकर बच्चों और वार्डवासियों के साथ पूरे क्षेत्र में भ्रमण किया। जिस प्रकार किसी व्यक्ति की अंतिम यात्रा निकाली जाती है, उसी तरह महिलाओं ने नारों और विरोध प्रदर्शन के साथ शराब दुकान की अंतिम यात्रा निकाली। पूरे वार्ड में भ्रमण करने के बाद यह यात्रा शराब दुकान के सामने पहुंचकर समाप्त हुई। इसके बाद महिलाओं ने प्रतीकात्मक रूप से शराब दुकान की अर्थी को आग के हवाले कर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं और उन्होंने शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। महिलाओं ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि पिछले 35 दिनों से लगातार आंदोलन और प्रदर्शन किए जा रहे हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई जनप्रतिनिधि मौके पर आए, समर्थन देने की बात कही और दुकान हटाने का भरोसा दिलाकर चले गए, लेकिन आज तक किसी ने भी ठोस कार्रवाई नहीं की। महिलाओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जनप्रतिनिधियों ने उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया तो आने वाले नगरीय निकाय चुनाव सहित अन्य चुनावों में इसका असर देखने को मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो जनप्रतिनिधि शराब दुकान हटाने में उनकी मदद करेगा, वोट भी उसी को दिया जाएगा।

शहर के वार्ड क्रमांक 12 स्थित बूढ़ी शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर महिलाओं का आंदोलन अब लगातार उग्र और प्रतीकात्मक रूप लेता जा रहा है। बीते लगभग 35 दिनों से महिलाएं शराब दुकान के सामने धरना और प्रदर्शन कर रही हैं। आंदोलन की शुरुआत शांतिपूर्ण विरोध से हुई थी, लेकिन समय बीतने के साथ महिलाओं ने अलग-अलग रचनात्मक और प्रतीकात्मक तरीकों से अपना विरोध दर्ज कराना शुरू कर दिया है। इसके बावजूद अब तक शराब दुकान का स्थान परिवर्तन नहीं होने से महिलाओं में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। महिलाओं का कहना है कि उन्होंने पिछले 35 दिनों में हर संभव तरीके से अपनी बात प्रशासन और जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाने का प्रयास किया। कभी महिलाओं ने गांधीगिरी का रास्ता अपनाते हुए शराब खरीदने आने वाले लोगों को फूल देकर स्वागत किया और उनसे शराब का बहिष्कार करने की अपील की। कभी महिलाओं ने शराब दुकान के सामने झाड़ू लगाकर और सफाई अभियान चलाकर विरोध दर्ज कराया। कई बार महिलाओं ने आंदोलन स्थल पर कुर्सी दौड़ जैसी गतिविधियां आयोजित कीं, तो कभी बच्चों के साथ कैंडल मार्च निकालकर शराब दुकान हटाने की मांग की। इन सभी प्रदर्शनों के दौरान महिलाओं को अलग-अलग राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों का समर्थन भी मिला। कांग्रेस और भाजपा दोनों दलों के कई नेताओं ने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर महिलाओं से चर्चा की और उन्हें समर्थन देने की बात कही। लेकिन महिलाओं का आरोप है कि अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं, जमीन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसी नाराजगी के बीच 17 मई को महिलाओं ने एक अनोखा और भावनात्मक प्रदर्शन किया, जिसने पूरे वार्ड का ध्यान अपनी ओर कि सभी ने केवल आश्वासन दिए और अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। महिलाओं ने विशेष रूप से आयोग सदस्य मौसम बिसेन का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने दो से तीन दिनों के भीतर शराब दुकान हटाने की बात कही थी, लेकिन उनका वादा भी केवल हवाई आश्वासन बनकर रह गया। महिलाओं का कहना है कि 35 दिन बीत जाने के बाद भी परिणाम शून्य है और जिला प्रशासन उनके आंदोलन की गंभीरता से नहीं ले रहा है। सीमा उपलवार ने कहा कि अब आंदोलनकारी महिलाओं ने यह तय कर लिया है कि आने वाले नगरीय निकाय चुनाव और अन्य चुनावों में वे उसी जनप्रतिनिधि को वोट देंगी जो वास्तव में शराब दुकान हटाने के लिए उनकी मदद करेगा। महिलाओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि शराब दुकान नहीं हटाई गई तो उनका आंदोलन इसी प्रकार लगातार जारी रहेगा और वे किसी भी स्थिति में पीछे नहीं हटेंगी।

जनप्रतिनिधियों के वादे निकले हवाई आश्वासन - सीमा

सीमा उपलवार ने कहा कि आंदोलन के दौरान जिले की कई महिला जनप्रतिनिधियों ने उन्हें समर्थन देने का आश्वासन दिया था। उन्होंने बताया कि बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे, सांसद भारती पारधी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा बिसेन और नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर सहित कई जनप्रतिनिधियों ने आंदोलन में पहुंचकर उनका समर्थन किया था। लेकिन महिलाओं का आरोप है

बालाघाट की धरती पर पधारे महायोगी दादा गुरु, जगह-जगह हुआ स्वागत

205 फीट की हनुमान प्रतिमा निर्माण को गति प्रदान करने महासंकल्प यात्रा में हुए शामिल
दर्शन पाने, भक्तों का उमड़ा जनसैलाब, विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मां वैनगंगा की गोद में बसा, प्राकृतिक व खनिज संपदा से परिपूर्ण बालाघाट जिला अब अपनी धार्मिक पहचान के लिए भी जाना जा रहा है, यहां न सिर्फ दक्षिण की तर्ज पर विष्णुधाम मंदिर का पुनः निर्माण किया जा रहा है, बल्कि देश की पहली 205 फीट की भगवान हनुमान की दिव्य प्रतिमा का भी निर्माण किया जा रहा है, इस धार्मिक अनुष्ठान को संत-साधुओं का भी लगातार आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है इसी कड़ी में भव्य प्रतिमा के निर्माण कार्य को तेजी देने, बालाघाट की धरती पर पहली बार मां नर्मदा नदी के अनन्य उपासक,सनातन संस्कृति के दिव्य साधक,नर्मदा परिक्रमावासी पूज्य दादा गुरु आगमन हुआ, रविवार शाम उनके आगमन से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण, आध्यात्मिक ऊर्जा एवं सनातन चेतना से आलोकित हो उठा है।

प्रवेश सीमा से हुई स्वागत, सत्कार की शुरुआत

शनिवार को महायोगी दादा गुरु का बालाघाट आगमन सिवनी की ओर से हुआ। यहां बालाघाट की प्रवेश सीमा कंजई में उनके स्वागत-सत्कार के लिए भक्तों की भीड़ मौजूद रही जिहा उन्होंने दादा गुरु का स्वागत कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और फिर वे अन्य मार्ग से होते हुए काली पुतली चौक स्थित प्राचीन संकट मोचन हनुमान मंदिर पहुंचे। यहां पर उन्होंने पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।ठहर महायोगी दादा गुरु की एक झलक पाने और उनके आशीर्वाद के लिए भक्तों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा।जहा भक्तों ने महायोगी दादागुरु जी का जगह-जगह स्वागत कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

आंवलाझरी से शुरु हुई महासंकल्प पद यात्रा

दादा गुरू के प्रथम नगर आगमन को लेकर हीरापुर भरवेली को दुल्हन की तरह सजाया गया है। उनके आगमन के बाद महासंकल्प पद यात्रा विश्वकर्मा मंदिर आंवलाझरी से प्रारंभ हुई और विभिन्न रास्तों से होते हुए हीरापुर विष्णुधाम मंदिर पहुंची, यहां पर महाधर्म सभा का आयोजन किया गया। जिसमें महायोगी दादागुरु ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए अच्छे आचरण के साथ अपने कर्म व धर्म का पालन करने व धर्म की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का लोगों से आव्हान किया। विष्णुधाम मंदिर हीरापुर में संत प्रवचन व सनातन जागरण के बाद महाप्रसाद व भंडारा का आयोजन किया गया है। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित किया है।

न भोजन,न फल- 2000 दिनों से सिर्फ नर्मदा जल

बताया गया कि श्री दादागुरु जी द्वारा 5 नवंबर 2025 (कार्तिक पूर्णिमा) से पावन नर्मदा नदी की सेवा परिक्रमा प्रारंभ की गई है ।वहीं 11 मार्च 2026 को ओंकारेश्वर में हजारों परिक्रमावासियों के साथ उनकी अखंड निराहार मां नर्मदा सेवा परिक्रमा का चतुर्थ चरण पूर्ण हुआ। वे करीब 2000 दिनों से निराहार तप में स्थित हैं,जो वर्तमान युग में अद्वितीय तप,त्याग एवं संकल्प का दिव्य उदाहरण है। दादागुरु महज मां नर्मदा के पावन जल का ही सेवन करते हैं। इस आयोजन के दौरान आयोजन समिति के पदाधिकारी किरण भाई त्रिवेदी, नरेन्द्र महाराज,विजेश बावने,अनिल बिसेन, अभिजीत तुरकर, डब्बूलाल नागेश, अमित जोशी, अमरसिंग धानेश्वर, शैलेन्द्र कुमार सेन,पवन मरकाम, राजेन्द्र शिववंशी, अंकित शिववंशी, संतोष अर्जुनवार, रवि बरमैया, नंदकिशोर शिववंशी, दानीश शिववंशी, शक्ति नामदेव, शिवपाल टेंभरे, लिखेश्वर मसकरे, सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

आध्यात्मिक उत्साह एवं श्रद्धाभाव का दिखा वातावरण

आयोजन समिति के पदाधिकारी किरणभाई त्रिवेदी व डा. अंकित असाटी ने औपचारिक चर्चा में बताया कि श्री विष्णुधाम हीरापुर में विश्व की 205 फीट ऊंची दिव्य श्री हनुमान प्रतिमा एवं भव्य मंदिर निर्माण किया जा रहा है। इस संकल्प को पूर्ण करने व एक नई आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करने के लिए अवधूत सिद्ध महायोगी दादा गुरू ने विष्णुधाम मंदिर हीरापुर पहुंचकर आशीर्वाद दिया है,श्री दादागुरू के प्रथम आगमन से नई ऊर्जा का संचार हुआ है। जिससे सनातन धर्म के प्रति जन जागरण,राम भक्ति व हनुमान शक्ति का प्रसार एवं प्रस्तावित 205 फीट हनुमान प्रतिमा निर्माण के लिए महासंकल्प सुदृढ़ हुआ है, और पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक उत्साह एवं श्रद्धाभाव का वातावरण निर्मित हुआ है।

खेल मैदान के लिए तरस रहे खिलाड़ी, सुविधाओं के अभाव में कर रहे अभ्यास

जूनियर लेदर बाल क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए बच्चो का किया गया चयन
आरसीसी द्वारा ग्राम आवलाझरी में 21 से 28 तक आयोजित की जाएगी प्रतियोगिता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। केवल पढ़ाई लिखाई, या रंगमंच ही नहीं ,बल्कि अन्य विधाओं के साथ-साथ खेलों में भी बालाघाट जिला, संपूर्ण मप्र में अग्रणी रहा है। जहां विभिन्न खेल विधाओं के खिलाड़ियों ने ना केवल बालाघाट जिला बल्कि राज्य, राष्ट्र व अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी अपने खेल का प्रदर्शन कर जिले का नाम रौशन किया है इसके अलावा जिले के खिलाड़ी विभिन्न खेलों में आए दिनों चयनित होकर पुरस्कार मेडल प्राप्त कर रहे हैं। लेकिन इसे दुर्भाग्य कहा जाए या फिर जिम्मेदारों की उदासीनता की जिले के खिलाड़ियों के लिए ना तो पर्याप्त खेल मैदान की व्यवस्था है और ना ही पर्याप्त संसाधन ।बावजूद इसके भी खिलाड़ी आए दिनों अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ा रहे हैं ।इधर कई वर्षों से खेल के क्षेत्र में देखी जा रही अव्यवस्था अब भी कायम है।जिसको लेकर खिलाड़ी व खेल से जुड़े पदाधिकारी काफी परेशान है।जिसका एक नजारा रविवार को नगर के उत्कृष्ट विधालय मैदान में आयोजित खिलाड़ी चयन प्रक्रिया में देखने को मिला। जहा सर्व सुविधा युक्त खेल मैदान ना होने के चलते आयोजकों द्वारा 21 से 28 में तक आयोजित होने वाली जूनियर लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन नगर मुख्यालय की जगह ग्राम पंचायत आवलाझरी में किए जाने का फैसला लिया।

प्रतियोगिता के लिए चयनित किए गए खिलाड़ी

आरसीसी बालाघाट के तत्वाधान में आयोजित होने वाले जूनियर लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए रविवार को नगर के उत्कृष्ट विधालय मैदान में चयन प्रक्रिया का आयोजन किया गया।इस चयन प्रक्रिया में जिले भर से आए करीब 150 खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन कराया, जहां खिलाड़ियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन कर टीमों का गठन किया गया।चयन प्रक्रिया का संचालन सीनियर चयनकर्ता ललित प्रधान, तपेश्वर हरिनखेड़े, जुनैद खान, मोहित आचार्य और पंकज गोस्वामी द्वारा किया गया। इस दौरान जिला क्रिकेट संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शशि वर्मा एवं सचिव निशांत मिश्रा की भी गौरवमय उपस्थिति रही। आरसीसी बालाघाट के संरक्षक इंद्रजीत भोज (टिंगा) भैया द्वारा उपस्थित सभी खिलाड़ियों चयनकर्ताओं पदाधिकारी एवं पालकगण का आभार प्रदर्शित किया गया।

आवलाझरी में होगा प्रतियोगिता का आयोजन- निशांत

चयन प्रक्रिया को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला क्रिकेट सचिव निशांत मिश्रा ने बताया कि आगामी 21 से 28 मई तक जूनियर लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। इस टूर्नामेंट के लिए आज जिला स्तरीय चयन प्रक्रिया अपनाई गई है इसमें जिले के करीब 150 खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन कराया है। हमारी कोशिश है कि प्रत्येक खिलाड़ी को इस प्रतियोगिता में खेलने का मौका मिले, इसके लिए 14 से 19 वर्ष तक के खिलाड़ियों का पंजीयन कराकर उनके उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर टीमों का गठन किया गया है। करीब 15 टीमें बनी है।यह प्रतियोगिता ग्राम पंचायत आवलाझरी के मैदान में होगी। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को खेल मैदान की कमी खल रही है बालाघाट में खेल मैदान के अभाव के चलते खिलाड़ी खेल का अभ्यास नहीं कर पा रहे हैं जिसके चलते यह प्रतियोगिता ग्राम आवलाझरी सरपंच प्रशांत मोहारे के विशेष सहयोग से उन्ही के गांव में आयोजित की जा रही है जिसकी तमाम व्यवस्थाएं बना ली गई हैं। प्रतियोगिता का संचालन आरसीसी बालाघाट द्वारा किया जा रहा है जबकि डीसीए बालाघाट,एनसीसी बालाघाट सहित अन्य का इसमें सहयोग रहा है, इसके अलावा अजय शुक्ला संदीप भीमटे सहित अन्य सहयोगी के रूप में कार्य कर रहे हैं।

अवैध खनिज पत्थर परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खनिज विभाग द्वारा अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 17 मई 2026 को खनिज अमले द्वारा तहसील वारासिवनी अंतर्गत ग्राम एकोही में छापमार कार्रवाई की गई। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर क्रमांक MP50-6480, सलंग्न ट्रॉली में खनिज पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए पाया गया। वाहन चालक देव लाल लीलहरे निवासी रजेगांव से खनिज पत्थर परिवहन संबंधी वैध अनुमति एवं रॉयल्टी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर खनिज विभाग द्वारा उक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं खनिज पत्थर को विधिसम्मत जप्त कर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा प्रांगण में खड़ा कराया गया है। प्रकरण में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत आगे की वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

टेकाड़ी ला. जलाशय का विश्राम गृह देखरेख के अभाव में खा रहा धूल

सोनेवानी एवं सर्राटी जलाशय आने वाले पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य के बीच झेलनी पड़ रही गंदगी की मार

विभाग की उदासीनता पड़ रही भारी, चौकीदार की नियुक्ति एवं नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. की दूरी पर स्थित टेकाड़ी ला. जलाशय के समीप बना विश्राम गृह (रेस्ट हाउस) इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। जल संसाधन विभाग की उदासीनता के कारण लाखों रूपये की शासकीय लागत से तैयार किया गया यह सर्वसुविधायुक्त भवन अब देखरेख के अभाव में धूल खा रही है। नियमित साफ-सफाई न होने से पूरा परिसर गंदगी से सराबोर है, जिससे इस आलीशान भवन का औचित्य ही समाप्त होता नजर आ रहा है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस लाखों रूपयों की लागत से बना विश्राम गृह की देख-रेख की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। न ही कोई चौकीदार रखा गया है, ऐसी स्थिति में सोनेवानी अध्यारण केन्द्र एवं टेकाड़ी ला. जलाशय घुमने आने वाले पर्यटकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

धूल की परतें और टूटी खिड़कियां बयां कर रहीं दास्तान

टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय के समीप स्थित विश्राम गृह भवन की देखरेख की पूरी जिम्मेदारी जल संसाधन विभाग की है। लेकिन विभाग के आला अधिकारियों के द्वारा इस ओर विशेष ध्यान नही दिया जा रहा है। आलम यह है कि रेस्ट हाउस के कमरों और वहां रखे कीमती फर्नीचर पर धूल की मोटी परतें जम चुकी हैं। रख-रखाव न होने से खिड़कियां, दरवाजे और फर्श पर लगीं टाइल्स जगह-जगह से टूट चुकी हैं। यदि कोई बाहरी पर्यटक या अधिकारी वहां पहुंचता है, तो अंदर पसरी गंदगी और बदहाली को देखकर रूकने से कतराता है। साथ ही देख-रेख के लिए कोई चौकीदार भी नियुक्त नही किया गया है। साथ ही उक्त स्थान पर पीने का पानी भी उपलब्ध नही है ऐसी स्थिति में पर्यटकों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इस समस्या से कई बार जिम्मेदारों को अवगत करवा दिया गया है लेकिन उनके द्वारा भी इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे पर्यटकों एवं क्षेत्रीयजनों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं पर्यटकों एवं ग्रामीणों का कहना है कि टेकाड़ी ला. विश्राम गृह की इस दुर्दशा के संबंध में कई बार जल संसाधन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत कराया गया है, लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। साथ ही असामाजिक तत्वों के द्वारा भवन के दीवारों पर गलत शब्द भी लिखे गये है जो गलत है। वहीं जल संसाधन विभाग के ईई उदयसिंह परस्ते से दूरभाष पर टेकाड़ी ला. जलाशय स्थित विश्राम गृह की नियमित रूप से साफ-सफाई, पर्यटकों के लिए पीने की पानी की व्यवस्था एवं चौकीदार की नियुक्ति करने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

सोनेवानी आने वाले पर्यटकों का टूट रहा दिल

गौरतलब है कि टेकाड़ी ला. जलाशय के मार्ग से होकर लालबर्रा क्षेत्र का प्रसिध्द सोनेवानी वन्य अनुभव क्षेत्र का रास्ता गुजरता है। इस घने जंगल और प्राकृतिक क्षेत्र में बड़ी संख्या में सैलानी वन्य प्राणियों का दीदार करने और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने पहुंचते हैं। घने जंगलों के बीच टेकाड़ी ला. जलाशय का यह इलाका फोटो शूट और मानसिक शांति के लिए एक बेहतरीन स्पॉट माना जाता है। यहां का मनमोहक दृश्य हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन इस अनुपम सौंदर्य के ठीक बीचों-बीच स्थित जल संसाधन विभाग का यह गंदा रेस्ट हाउस (विश्राम गृह) पूरे परिदृश्य की खूबसूरती में खलल पैदा कर रहा है। यहां फैली गंदगी को देखकर सैलानियों में भी विभाग के प्रति भारी आक्रोश देखा जा रहा है यानि की पर्यटकों की दिल टूटता नजर आता है। ग्रामीण एवं क्षेत्रीय पर्यटक व प्रकृति प्रेमियों ने जिला प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग के उंच अधिकारियों से मांग की है कि इस विश्राम गृह (रेस्ट हाउस) की सुध लेकर नियमित साफ-सफाई एवं क्षतिग्रस्त स्थान का मरम्मत कार्य और देख-रेख के लिए चौकीदार की नियुक्ति करवाने की मांग की है।

देखरेख के लिए चौकीदार रखा जाये - अमीनुद्दीन

नगर कांग्रेस अध्यक्ष अमीनुद्दीन हन्फी ने बताया कि टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय एक पर्यटन केंद्र होने के कारण पर्यटकों का बड़ी संख्या में आना-जाना होता है और शासन के द्वारा लाखों रूपयों के लागत से वहां रूकने के लिए विश्राम गृह भी बनाया गया परंतु विश्राम गृह में चौकीदार की नियुक्ति नहीं होने से नियमित रूप से साफ-सफाई नहीं होने एवं देखरेख के अभाव में विश्राम के आसपास गंदगी का माहौल बना हुआ है। लेकिन जल संसाधन विभाग का कोई ध्यान नही है जिससे सभी को परेशानी हो रही है। श्री हन्फी ने बताया कि जब लालबर्रा मुख्यालय के निवासरत लोगों के घर में दुर से कोई मेहमान आते है तो वे उन्हे घुमाने के लिए सोनेवानी एवं सर्राटी जलाशय का प्राकृतिक सौंदर्य को दिखाने के लिए लेकर जाते है। विश्राम गृह में रूकने, पीने का पानी सहित अन्य व्यवस्था नही होने से सभी को परेशानी होती है। प्रशासन से मांग है कि पर्यटन स्थल का विकास कर विश्राम गृह की देख-रेख के लिए चौकीदार की नियुक्ति करें।

विश्राम गृह देख-रेख के अभाव में हो रहा खराब - भाऊराम

जिला कांग्रेस कमेटी सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि सोनेवानी एवं टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय वाला क्षेत्र एक प्राकृतिक सौंदर्य एवं वन्य प्राणियों का केंद्र बिंदु है। जहां लोग भ्रमण के लिए पहुंचते हैं और हम लोग भी जाते है तभी देखा कि रेस्ट हाउस (विश्राम गृह) की सफाई नही होने से धूल खा रहा है। आसपास गंदगी फैली हुई है और इस विश्राम गृह की देखरेख के लिए चौकीदार को भी कोई व्यवस्था नहीं की गई है। नियमित रूप से साफ सफाई एवं देखरेख नहीं होने के कारण वह खराब हो रहा है। श्री गाड़ेश्वर ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व विदेशी पर्यटक भी साइकिल से विचरण के लिए पहुंचे थे। इस तरह से यह एक प्रसिध्द पर्यटन स्थल हो चुका है परंतु संबंधित विभाग विश्राम गृह की समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे है। जिससे सभी को परेशानी हो रही है, जल संसाधन विभाग से मांग है कि विश्राम गृह की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें।

अस्पताल कालोनी की नालियों की सफाई नही होने से गंदगी का अंबार

रोड़ के ऊपर खरपतवार (झाड़िया) आने एवं गंदगी होने से लोगों को हो रही परेशानी, सफाई करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के अस्पताल कालोनी स्थित नालियों की साफ-सफाई नही होने के कारण नालियों के आजू-बाजू में खरपतवार (झाड़िया) उग चुकी है। जिसका झुकाव रोड़ की ओर आ चुका है। साथ ही नाली की सफाई व के कारण में छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर निवासरत लोगों को सता रहा है। वहीं नाली के आजू-बाजू में उगी लंबी झाड़ियां (खरपतवार) की कटाई व सफाई नही होने के कारण झाड़ियों का झुकाव रोड़ की ओर अधिक आ चुका है। ऐसी स्थिति में नाली है या नही समझ में नही आ रहा है। जिससे आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और खरपतवार (झाड़ियों) के कारण नाली नही दिखाई देने पर आवागमन करते समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जबकि इस मार्ग पर 50 बिस्तरीय नवीन अस्पताल का निर्माण किया जाना है। साथ ही अस्पताल कालोनी में जनपद पंचायत कार्यालय, आजीविका मिशन का कार्यालय, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी का कार्यालय स्थित है और इसी मार्ग से तहसील कार्यालय भी विभागीय अधिकारी एवं क्षेत्रीयजन आना-जाना करते है। लेकिन इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे है जिससे निवासरत लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। अस्पताल कालोनी मानपुर के वार्डवासियों एवं आने-जाने वालों ने झाड़ियों की कटाई कर नाली की नियमित रूप से साफ-सफाई करवाये जाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

झाड़ियों की कटाई नही होने के कारण गंदे पानी की निकासी भी नही हो पा रही है और पानी जमा रहने से गंदगी की दुर्गंध से आने-जाने वाले लोगों एवं निवासरत लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और गंदगी

सूखा पेड़ रोड़ पर गिरने से हो सकता है बड़ा हादसा

राहगीर एवं ग्रामीणों ने सूखे पेड़ को कटवाने की प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी मानपुर से कटंगी मार्ग के ग्राम मंदिर टोला मानपुर सहित अन्य स्थानों पर रोड़ किनारे कुछ पेड़ पूरी तरह से सूख चुके है। इसी तरह बालाघाट रोड़ किनारे के भी कुछ पेड़ सूख चुके है। जो किसी भी समय टूटकर रोड़ के ऊपर गिर सकते है। जिससे बड़ा हादसा होने का भय बन हुआ है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस सूखे हुए पेड़ को कटवाने की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे राहगीरों एवं ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दें कि मानपुर से कटंगी मार्ग के दोनों ओर विभिन्न प्रजाति के पेड़ है जिसमें मंदिर टोला व मार्ग किनारे अन्य ग्रामों के समीप मार्ग के दोनों ओर स्थित कुछ पेड़ सुख चुके है। जिसे काटकर व्यवस्थित किये जाने प्रशासन को कई बार अवगत भी करवा दिया गया है परन्तु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि इस मार्ग से रोजाना बड़े-छोटे वाहनों से लोग आना-जाना करते है और तेज आंधी-तूफान के दौरान अगर सूखे पेड़ की शाखाएं आने-जाने वाले लोगों के ऊपर टूटकर नीचे गिरती है तो बड़ा हादसा घटित हो सकता है। ग्रामीणजनों व राहगीरों ने शासन-प्रशासन से सूखे पेड़ की जो शाखाएं रोड़ के ऊपर आ गई है उसे काटकर अलग किये जाने की मांग की है ताकि भविष्य में किसी प्रकार का हादसा घटित न हो सके। चर्चा में राहगीरों ने बताया कि मानपुर-कटंगी मार्ग पर मंदिरटोला, मानपुर, बालाघाट रोड़ सहित मार्ग में अन्य स्थानों पर विशालकाय पेड़ सुख चुके है। जिसके गिर जाने से कभी भी बड़ा हादसा घटित हो सकता है, गत दिवस बकोडा ओरीएंटल कालेज के आगे मोड़ाई के पास एक विशालकाय पेड़ तेज आंधी-तूफान में टूटकर गिर गया था परन्तु उस समय उस स्थान पर कोई नही थे, बारिश व तेज तूफान चलने के कारण। अगर उस समय कोई गुजरते रहता तो वह पेड़ की चपेट में आ सकते थे, जिससे बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता था। साथ ही इस मार्ग से रोजाना विभिन्न स्थानों से लोग बड़ी संख्या में आवागमन करते है उन्हे उक्त पेड़ के गिरने का डर भी सताते रहता है और कुछ दिनों बाद अब बरसात का सीजन प्रारंभ होने वाला है। इन दिनों तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश भी होती है। जिससे किसी भी समय सुखे पेड़ धराशायी होकर रोड़ के ऊपर गिर सकते है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि मार्ग किनारे सुख चुके पेड़ जिनकी शाखाएं रोड़ के ऊपर आ गये है उन्हे जल्द कटवाये।

2 हजार से अधिक दिनों से निराहार तपस्वी दादागुरू भगवान का कंजई और लालबर्रा में हुआ भव्य स्वागत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र में रविवार का दिन आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा। पिछले दो हजार से अधिक दिनों से निरंतर निराहार रहकर कठिन तपस्या कर रहे परम तपस्वी, अवधूत सिध्द महायोगी दादागुरू भगवान का सनातन धर्म जागरण यात्रा के तहत लालबर्रा में भव्य आगमन हुआ। दादागुरू भगवान के आगमन को लेकर स्थानीय श्रध्दालुओं और धर्मप्रेमी जनता में भारी उत्साह और विशेष आध्यात्मिक माहौल देखा गया। उनके दर्शन लाभ के लिए सड़कों पर श्रध्दालुओं का तांता लगा रहा। वहीं जैसे ही कंजई एवं लालबर्रा मुख्यालय में परम तपस्वी, अवधूत सिध्द महायोगी दादागुरू भगवान का आगमन हुआ। श्रध्दालुजनों ने आतिशबाजी कर उनका भव्य स्वागत किया एवं चरण पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किये।

कंजई बंजारी माता मंदिर में हुई आत्मीय आगवानी

दादागुरू भगवान सिवनी मार्ग से होते हुए दोपहर 2 बजे बालाघाट जिले की प्रवेश नगरी स्थित बंजारी माता मंदिर कंजई पहुंचे। जहां दादागुरू के आगमन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में उपस्थित धर्मप्रेमी जनता ने जय उद्घोष और पुष्पवर्षा के साथ उनकी आत्मीय आगवानी की गई और उपस्थितजनों ने दादागुरू भगवान के दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित किये। वहीं कंजई के बाद उनका काफिला नगर मुख्यालय लालबर्रा पहुंचा और सांदीपनी स्कूल के समीप स्थित सामुदायिक भवन के पीछे स्थानीय व्यावसायिक प्रतिष्ठान में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं तपस्वी दादागुरू भगवान के परिसर में कदम रखते ही पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। वहीं श्रध्दालुओं के द्वारा दादागुरू का आदर-सत्कार कर पूर्ण विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ चरणपूजा का कार्यक्रम संपन्न किया गया। इस दौरान उपस्थित सैकड़ों भक्तों ने कतारबध्द होकर दादागुरू के चरण स्पर्श किये और सुख-समृध्दि का आशीर्वाद लिया। वहीं लालबर्रा में अल्प प्रवास के बाद दादागुरू भगवान भरवेली के लिए प्रस्थान हो गये। बताया जा रहा है कि भरवेली में उनकी भव्य पदयात्रा, धर्मसभा एवं मुख्य प्रवचन कार्यक्रम संपन्न हुए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

2034 दिनों से निराहार हैं दादागुरू

उल्लेखनीय है कि दादागुरू भगवान पिछले लगभग 2034 दिनों से पूरी तरह निराहार हैं। वे अन्न-फल का परित्याग कर केवल नर्मदा माई के जल पर ही जीवनयापन कर रहे हैं। इतनी कठिन साधना और तप के बाद भी उनके चेहरे का तेज और ऊर्जा भक्तों को अचंभित और प्रभावित करती है। हाल ही में दादागुरू भगवान ने अपनी चौथी कठिन नर्मदा परिक्रमा पूर्ण की है। इस अत्यंत कठिन आध्यात्मिक यात्रा में ग्राम लोहारा निवासी सह-स्वामी नरेंद्र बोपचे भी पूरे समय उनके साथ शामिल रहे। यात्रा के दौरान श्री बोपचे ने दादागुरू भगवान से लालबर्रा क्षेत्र की जनता के कल्याणार्थ यहां पधारने का भावभीना निवेदन किया था। अपने अनन्य भक्त के इसी स्नेहिल आग्रह को स्वीकार करते हुए दादागुरू ने रविवार को लालबर्रा नगर को अपनी चरण धूलि से धन्य किया है।

खैरलांजी प्रशासन ने पिंडकेपार में ६ एकड़ शासकीय घास बीड़ की जमीन को किया अतिक्रमण मुक्त

९ रसूखदारों पर गिरी गाज सभी को नोटिस जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ खैरलांजी तहसील प्रशासन ने एक बार फिर कड़ा रुख अख्तियार किया है। प्रशासन ने एक बड़ी और सख्त कार्रवाई को अंजाम देते हुए ग्राम पिंडकेपार में करीब ६ एकड़ शासकीय घास बीड़ यानि चारागाह की भूमि को पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त करा लिया है। तहसीलदार के नेतृत्व में पहुंचे भारी राजस्व अमले ने मौके पर जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध कब्जों को ध्वस्त कर दिया। इस अचानक हुई बड़ी कार्रवाई से पूरे क्षेत्र के अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया है।

यह हैं पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पिंडकेपार के खसरा नंबर २३३/१ की करोड़ों रुपये मूल्य की शासकीय भूमि पर गांव के ही कुछ रसूखदार ग्रामीणों के द्वारा लंबे समय से अवैध रूप से कब्जा कर खेती की जा रही थी। इस सार्वजनिक जमीन का उपयोग मवेशियों को चराने और अन्य शासकीय कार्यों के लिए होना था लेकिन इस पर निजी तौर पर फसलें उगाई जा रही थीं। शासकीय भूमि पर हो रहे इस खुले अतिक्रमण के खिलाफ गांव के जागरूक नागरिक जितेंद्र अठराहे सहित अन्य ग्रामीणों ने मोर्चा खोला। ग्रामीणों ने इसकी लिखित शिकायत सीधे खैरलांजी तहसीलदार और बालाघाट कलेक्टर से करते हुए कार्यवाही की मांग की थी। ग्रामीणों की शिकायत में गांव के ९ प्रमुख लोगों के नामों का उल्लेख था जिसमें ओमकार दमाहे, महेंद्र वैध, जयपाल बिरनवार, देवीलाल सोनवाने, सनत लाल लोधी ,मंगल प्रसाद लोधी ,पन्नालाल स्वर्ण कुमार प्रदीप जो इस जमीन पर काबिज थे। जांच में दोषी पाए जाने के बाद प्रशासन ने इन लोगों पर कानूनी शिकंजा कसा है।

नोटिस के बाद चला प्रशासन का पीला पंजा

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार तीरथ प्रसाद अक्षरिया ने मामले की विस्तृत जांच करवाई। पटवारी और राजस्व टीम की रिपोर्ट में अतिक्रमण की पुष्टि होने के बाद तहसीलदार कोर्ट के द्वारा संबंधित ९ अनावेदकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। समयावधि में संतोषजनक जवाब ना मिलने और कब्जा ना हटाने पर तहसीलदार ने सख्त रुख अपनाते हुए बेदखली आदेश पारित कर दिया। आदेश के परिपालन में तहसीलदार तीरथ प्रसाद अक्षरिया और नायब तहसीलदार दादूलाल परते के नेतृत्व में राजस्व विभाग की संयुक्त टीम पुलिस बल के साथ अचानक पिंडकेपार मौके पर पहुंची। प्रशासन ने बिना कोई मौका दिए तत्काल जेसीबी मशीनें चलवाकर पूरी ६ एकड़ भूमि को ट्रैक्टरों और बाड़ों से मुक्त कराकर शासन के खाते में वापस ले लिया। कार्यवाही के दौरान विरोध की आशंका को देखते हुए गांव में भारी हलचल और तनाव का माहौल देखा गया लेकिन प्रशासन की मुस्तैदी के आगे अतिक्रमणकारियों की एक ना चली।

लंबे समय से मिल रही थीं शिकायतें- दादूलाल परते

नायब तहसीलदार दादूलाल परते ने बताया कि ग्राम पिंडकेपार में शासकीय घास बीड़ की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर लंबे समय से ग्रामीणों के द्वारा शिकायतें मिल रही थीं। राजस्व न्यायालय की वैधानिक प्रक्रिया और जांच पूरी करने के बाद आज यह बेदखली की कार्यवाही की गई है। सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी ऐसी कार्यवाही जारी रहेंगी।

जनपद उपाध्यक्ष पुष्पा अमुले ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपायली का निरीक्षण

स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार लाने प्रशासन से की उम्मीद अस्पताल में जल्द होंगे बड़े बदलाव

पद्मेश न्यूज। रामपायली/वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपायली का निरीक्षण जनपद पंचायत वारासिवनी की उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा अमुले के द्वारा किए जाने के बाद क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर नई उम्मीदें जागृत हुई हैं। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में व्याप्त समस्याओं रिक्त पदों सुरक्षा व्यवस्था स्वच्छता और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं पर गंभीरता से चर्चा की गई। श्रीमती पुष्पा अमुले ने अस्पताल पहुंचकर ओपीडी वार्ड दवा वितरण कक्ष साफ सफाई व्यवस्था एवं कर्मचारियों की उपस्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से भी चर्चा कर अस्पताल की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए गए कि मरीजों को समय पर उपचार एवं आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ.तोहिद खान ने अस्पताल में लंबे समय से रिक्त पड़े पदों की समस्या को प्रमुखता से रखा। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों की कमी के कारण ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस पर श्रीमती अमुले ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था को भी एक गंभीर मुद्दे के रूप में उठाया गया। अस्पताल परिसर में सुरक्षा कर्मियों की कमी को देखते हुए शीघ्र सुरक्षा गार्ड तैनात करने की बात कही गई। ताकि मरीजों एवं कर्मचारियों को सुरक्षित वातावरण मिल सके। श्रीमती पुष्पा अमुले ने स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए कहा कि अस्पताल में साफ सफाई किसी भी स्वास्थ्य सेवा की पहली आवश्यकता होती है। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर वार्ड एवं शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए तथा मरीजों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जाए। दवाइयों के पर्याप्त स्टॉक की जानकारी लेते हुए उन्होंने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए कि मरीजों को दवाइयां केवल प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा ही दी जाएं जिससे किसी प्रकार की लापरवाही या भ्रम की स्थिति उत्पन्न ना हो। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है और रामपायली अस्पताल को क्षेत्र की जनता के लिए एक भरोसेमंद स्वास्थ्य केंद्र बनाने हेतु हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आम जनता को इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन ना करना पड़े, इसके लिए स्थानीय स्तर पर सुविधाओं को मजबूत किया जाना आवश्यक है। इस अवसर पर पूर्व जनपद अध्यक्ष किशोर अमुले, डॉ.जोहिद खान सहित अस्पताल का स्टाफ उपस्थित रहा।

अनियंत्रित डंपर मकान में घुसा पान ठेले में सो रहे संचालक की हालत नाजुक

ग्राम कोचेवाही में अलसुबह मचा हड़कंप विद्युत पोल से टकराकर थमी डंपर की रफ्तार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम कोचेवाही में रविवार की अलसुबह एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ कटंगी की ओर से आ रहे गिट्टी से भरे एक अनियंत्रित डंपर ने सड़क किनारे स्थित एक मकान और पान ठेले को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में पान ठेले के भीतर सो रहे संचालक सियाराम पंचेश्वर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं जिन्हें उपचार के लिए महाराष्ट्र के गोंदिया रिफर किया गया है। घटना के बाद से ही क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

गर्मी के कारण ठेले में सो रहा था पीड़ित

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोचेवाही निवासी सियाराम पिता लुखुराम पंचेश्वर उम्र ४५ वर्ष अपने परिवार के साथ रहते हैं और घर के सामने ही पान ठेले का संचालन कर अपनी आजीविका चलाते हैं। शनिवार और रविवार की दरमियानी रात अत्यधिक गर्मी और उमस होने के कारण सियाराम अपने घर के भीतर ना सोकर सामने बने पान ठेले में आकर सो गए थे। घटना रविवार सुबह करीब ४ बजे की है बताया जा रहा है कि गिट्टी से ओवरलोड एक डंपर कटंगी मार्ग से वारासिवनी की ओर अत्यंत तेज गति से आ रहा था। ग्राम कोचेवाही के पास चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित डंपर रफ्तार से सड़क किनारे बने सियाराम के पान ठेले को रौंदते हुए सीधे उनके मकान में जा घुसा। डंपर की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मकान की सामने की दीवार पूरी तरह धराशायी हो गई और पान ठेला मलबे में तब्दील हो गया। घटना के दौरान डंपर आंगन में लगे एक मजबूत विद्युत पोल से टकराकर रुक गया। गनीमत रही कि पोल की वजह से डंपर की गति थम गई अन्यथा वह पूरे मकान को जमींदोज करते हुए अंदर सो रहे परिवार को भी अपनी चपेट में ले सकता था। हालांकि टक्कर से विद्युत पोल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और हाई वोल्टेज लाइन के तार टूटकर जमीन पर आ गिरे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि घटना के समय तारों में विद्युत प्रवाह चालू होता तो मौके पर एक बड़ी और भयावह जनहानि हो सकती थी।

घायल हायर सेंटर गोंदिया रिफर हालत नाजुक

इस दर्दनाक हादसे में पान ठेले में सोये सियाराम पंचेश्वर डंपर की सीधी टक्कर और मलबे की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। सुबह सुबह हुए इस भीषण धमाके की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। ग्रामीणों की मदद से लहुलुहान सियाराम को तुरंत सिविल अस्पताल वारासिवनी ले जाया गया। वहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रिफर कर दिया। हालाँकि अंदरूनी चोटें गंभीर होने के कारण बालाघाट जिला अस्पताल से भी उन्हें बेहतर इलाज के लिए तुरंत हायर सेंटर गोंदिया रिफर कर दिया गया है जहाँ फिलहाल उनका उपचार जारी है। सुबह सुबह हुए इस हादसे के बाद से कोचेवाही और आसपास के ग्रामीणों में भारी आक्रोश और भय व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार और अनियंत्रित भारी वाहनों का आवागमन लगातार बढ़ रहा है जिससे आए दिन इस तरह की दुर्घटनाएं हो रही हैं। स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सरसों की खरीदी स्थगित होने से संकट में क्षेत्र के किसान, भावांतर योजना के नियमों का इंतजार

समर्थन मूल्य बहाल ना होने से औने पौने दाम पर सरसों बेचने को मजबूर किसान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश शासन के द्वारा किसानों को उनकी फसलों का वाजिब दाम दिलाने और व्यवस्था से बिचौलियों को दूर करने के उद्देश्य से समर्थन मूल्य पर खरीदी व्यवस्था शुरू की गई थी। इस व्यवस्था के तहत पिछले वर्ष तक वारासिवनी सहित क्षेत्र के विभिन्न उपार्जन केंद्रों पर गेहूं और चने के साथ साथ सरसों की भी सुचारू रूप से खरीदी की जाती थी। परंतु इस वर्ष शासन के द्वारा अचानक समर्थन मूल्य पर सरसों की खरीदी को स्थगित कर दिया गया है जिसने क्षेत्र के अन्नदाताओं को गहरे संकट में डाल दिया है। फसल की कटाई हुए लंबा समय बीत जाने के बाद भी सरसों किसानों के घरों में ढेर पड़ी हुई है। किसान इस बात को लेकर बेहद परेशान और असमंजस में हैं कि वे अपनी मेहनत की उपज को आखिर कहां बेचें।

भावांतर में ट्रांसफर हुई योजना पर धरातल पर गाइडलाइन गायब

प्राप्त जानकारी के अनुसार शासन ने इस बार समर्थन मूल्य पर सरसों की खरीदी स्थगित कर इसे भावांतर भुगतान योजना में स्थानांतरित कर दिया था। योजना के तहत यह बात सामने आ रही थी कि कृषि उपज मंडी के माध्यम से भावांतर योजना के अंतर्गत सरसों का विक्रय किया जाएगा। परंतु विडंबना यह है कि इस विषय पर आज दिनांक तक शासन या संबंधित विभाग के द्वारा कोई ठोस दिशा निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। मंडी स्तर पर ना तो कोई सोसायटी निर्धारित की गई है और ना ही खरीदी की प्रक्रिया को लेकर स्थिति स्पष्ट है। प्रशासनिक शिथिलता के कारण किसान अपनी उपज लेकर दर दर भटकने को मजबूर हैं। बाजार और सरकारी दामों के बीच का बड़ा अंतर किसानों की कमर तोड़ रहा है। इस वर्ष शासन द्वारा सरसों का समर्थन मूल्य लगभग ६३०० रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित था। जबकि खुले बाजार मंडी में व्यापारी करीब५,२०० रुपये प्रति क्विंटल के आसपास ही सरसों की खरीदी कर रहे हैं। खुले बाजार में बेचने पर किसानों को प्रति क्विंटल सीधे ११०० का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। वर्तमान स्थिति में किसानों के लिए फसल की लागत मूल्य बीज, खाद, सिंचाई और मजदूरी निकालना भी अत्यंत मुश्किल प्रतीत हो रहा है। सरसों की फसल की समस्या अभी सुलझी भी नहीं थी कि अब किसानों के सिर पर नई चिंता सवार हो गई है। क्षेत्र में अब मूंग और उड़द की फसल की कटाई भी प्रारंभ हो चुकी है। ऐसे में घरों और खलिहानों में पुरानी सरसों की खेप रखी होने के कारण नई फसल को रखने के लिए जगह का संकट खड़ा हो गया है। साथ ही अगली फसल की तैयारियों और घरेलू खर्चों के लिए किसानों को तत्काल नगदी राशि की आवश्यकता है। जिससे उनकी बेचैनी और अधिक बढ़ गई है। वारासिवनी क्षेत्र के पीड़ित किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा सकती हैं। किसानों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि सरसों खरीदी को लेकर जो असमंजस की स्थिति बनी हुई है, उसे तत्काल दूर कर भावांतर योजना या स्थगित की गई समर्थन मूल्य खरीदी को तुरंत बहाल कर दिशा निर्देश जारी किए जाएं।

सरकार किसानों के साथ अन्याय और अत्याचार कर रही है-योगेंद्र बिसेन

योगेंद्र बिसेन ने बताया कि मैं किसान हूं मैंने सरसों लगाया हूं और उसे बेचना भी चाहता हूं पर बेच नहीं पा रहा हूं क्योंकि मेरी लागत बहुत ज्यादा है। शासन के द्वारा यह खरीदी जाती थी ६३०० में अब इसे बाजार में भेजूंगा तो नुकसान है। इसमें मुझे लागत भी नहीं मिलेगी क्योंकि बाजार में ४२०० रुपए करीब से अधिक ही दाम दिया जा रहा है जो समर्थन मूल्य से बहुत कम है। बाजार जाने से हमें सीधा नुकसान है और यदि शासन खरीदनी है तो हमें फायदा होगा। जब किसान से सरकार चलती है तो सरकार इस किसानो को क्यों अनदेखा कर रही है। आज हमारे सामने बहुत बड़ी विडंबना खड़ी है एक क्विंटल सरसों की लागत मूल्य हमें करीब ४००० से अधिक की आती है। ऐसे में हम कैसे बाजार में यह सरसों बेच सकते हैं जबकि १२०० रुपये किलो का केवल बीज हैं बाकि दवा मेहनत और सिंचाई अलग है शासन को ध्यान देना चाहिए।

किसानो की लालसा है कि सरकार उनकी उपज को अच्छे दामों में खरीदें-गगन बिसेन

गगन बिसेन ने बताया की यह जो खेत है यहां पर सरसों लगी थी जिसकी कटाई हो गई फसल घरों में है। उसके बाद मूंग और उड़द भी बुवाई के बाद कटाई प्रारंभ हो गई है। बीच में पता चला कि सरसों खरीदी कृषि उपज मंडी में होगी वहां सचिव से बात की गई तो कोई दिशा निर्देश नहीं होना बताया। सरकार ने सरसों खरीदी को पिछले महीने १२ अप्रैल को स्थगित कर भावांतर योजना में डाला था पर आज तक किसान के घर में सरसों पड़ी हुई है। पहले शासन खरीदी थी अब किसान कहां जाएं समझ नहीं आ रहा है सरकार समर्थन मूल्य की खरीदी करती थी तो ६३०० मूल्य था। सरकार खरीदती थी तो किसान सरसों लगता था और उसकी ऊपति भी हो रही थी परंतु खरीदी स्थगित कर दी गई है किसान बेच नहीं पा रहा है। क्योंकि बाजार में ५२०० प्रति क्विंटल तक खरीदी की जा रही है किसान की लालसा है कि सरकार उनकी उपज खरीदें क्योंकि सरकार ने खरीदी स्थगित की है निरस्त नहीं।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने युवाओं को देश की सेवा करने का दिया संदेश -प्रबल जायसवाल

गर्रा में भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का युवाओं ने किया गर्मजोशी से स्वागत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के प्रथम आगमन को लेकर वारासिवनी नगर व ग्रामीण युवा मोर्चा टीम में भी बेहद उत्साह देखा गया है। वारासिवनी की सीमा गर्रा में प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करने के लिये सौरभ टेबू पटेल युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, भाजपा युवा नेता प्रबल जायसवाल, केशव बैस ग्रामीण मंडल अध्यक्ष, योगेश व्यास नगर अध्यक्ष के नेत्रत्व में ग्राम ग्राम से पहुंचे युवाओं ने जमकर नारेबाजी कर गर्मजोशी के साथ स्वागत भी किया। भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के प्रथम आगमन को लेकर पिछले तीन दिवस से तैयारीयां देखी जा रही थी। जैसे की निर्धारित समय पर प्रदेश अध्यक्ष गर्रा ग्राम पहुंचे युवाओं के सैलाब ने उनका गाजे बाजे व सबसे बड़े फूलहार से स्वागत कर अपनी एकता को प्रदर्शित किया। इस दौरान सौरभ टेबू पटेल युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य,युवा नेता प्रबल जायसवाल, केशव बैस ग्रामीण मंडल अध्यक्ष, योगेश व्यास नगर अध्यक्ष, मिलिंद नगपुरे मंडल अध्यक्ष, चारू देशमुख महामंत्री युवा मोर्चा, उपाध्यक्ष बिट्टू पारधी, कबीर हनवत, राजेन्द्र हरिनखेडे मंगेझरी, अजय लारोकर, कुलरतन भोयर, मनोज साहू कोस्ते, सागर बिसेन, सोनू ठाकरे, नीरज बिसेन सहित अन्य लोग मौजूद रहे। युवा नेता प्रबल जायसवाल ने कहा की प्रदेश अध्यक्ष का आगमन युवाओं में एक नया जोश भर गया है। आज उनसे मुलाकात के बाद उनके व्यक्तित्व से सभी युवा प्रसन्नचित्त भी नजर आये है। विशेषकर भाजपा जिला कार्यालय बालाघाट में उनके द्वारा दिये उदबोधन में युवा मोर्चा में कार्य करने की शैली से लेकर छोटे छोटे कार्यों के माध्यम से भी देश की सेवा करने के संदेश ने युवाओं को प्रभावित किया है। उनकी उपस्थिति से युवा साथियों में विशेष उत्साह उर्जा देखने को मिला है। जिससे युवाओं ने संगठन को और अधिक सशक्त एवं जनहितैषी बनाने का संकल्प भी दोहराया है।

हिन्दू राष्ट्रवाद और लोकतांत्रिक मूल्यों का तीव्र अवमूल्यन

हाल (मई 2026) में आए विधानसभा चुनावों के नतीजों की बेसब्री से प्रतीक्षा की जा रही थी। असम में परिसीमन से हेमंत विस्व सरमा को एक बार फिर विधानसभा चुनाव जीतने में मदद मिली। उनका जोर मुख्यत: घुसपैठियों पर था और साथ ही अन्य कई नफरत फैलाने वाले नारे भी उछाले गए। बंगाल में ऐसा लग रहा था कि चुनाव नहीं हो रहे हैं बल्कि बंगाल पर आक्रमण कर दिया गया है। पहले चुनाव आयोग और बाद में करीब ?ढ़ाई लाख अर्धसैनिक बलों की तैनाती से भाजपा के लिए काफी अनुकूल स्थितियां बन गईं। यह विडंबना ही है कि इन बलों की सबसे अधिक जरूरत मणिपुर में थी। बंगाल में भाजपा की जीत के साथ उनकी नाक के नीचे जीत का जश्न मनाया गया और व्यापक हिंसा हुई। राज्य में इन बलों की तैनाती का उद्देश्य क्या था और इन्होंने कौनसी भूमिका अदा की, इसका अनुमान लगाया जा सकता है। केन्द्रीय गृह मंत्री स्वयं कई हफ्तों तक बंगाल में रहे। चुनाव के ठीक पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बंगाल का लंबा दौरा किया और आरएसएस के सभी अनुषांगिक संगठनों को हिन्दू एकता के काम में लगा दिया। तब तक 'हिन्दू खतरे में हैं' का नारा 'समाज के व्यापक नजरिए' का हिस्सा बन चुका था। भागवत की यात्रा का अधिक प्रचार नहीं किया गया लेकिन वह राज्य में भाजपा के चुनाव जीतने के प्रयासों की पृष्ठभूमि बनी। केरल और तमिलनाडु राज्यों में मतदाता भाजपा के प्रोपेगेंडे से अधिक प्रभावित नहीं हुए, लेकिन फिर भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन राज्यों में कई रैलियां कीं। मोदी एंड कंपनी ने इन चुनावों को कितना महत्व दिया यह इस तथ्य से जाहिर होता है कि 'दिन में 18 घंटे काम करने वाले' प्रधानमंत्री एक महीने से अधिक समय के दौरान अपने कार्यालय नहीं गए। इन चुनावों में लोगों की नजरें सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल पर केन्द्रित थीं। यहां सत्ता विरोधी भावनाओं के अतिरिक्त एसआईआर से लेकर बड़े पैमाने पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती तक भाजपा द्वारा रची गई कई साजिशों का भी तृणमूल कांग्रेस के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। यहां चुनाव आयोग की भूमिका भी भाजपा की जीत के लिए काफी महत्वपूर्ण रही। आयोग ने 91 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से विलोपित कर दिए, जिनमें अधिक संख्या मुस्लिम इलाकों के मतदाताओं की थी, जो संभवत: भाजपा के खिलाफ थे। प्रतिष्ठित पत्रकार अर्फा खानम शेरवानी ने ट्वीट करके बताया कि "91 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए जिनमें से 27 लाख को ट्रिब्यूनल के सामने पेश होकर अपना पक्ष रखने का मौका तक नहीं मिला। कम से कम 50 सीटों पर एसआईआर के जरिए हटाए गए मतदाताओं की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा रहीं"। उत्कृष्ट मानवाधिकार कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज ने कहा "क्या अब हम कम से कम सर्वोच्च न्यायालय को इस बेतुकी एसआईआर के संबंध में कोई कदम उठाते देखेंगे? एसआईआर पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बागची ने एक प्रासंगिक और सटीक सवाल उठाया - यदि जीत का अंतर मताधिकार से वंचित किए गए मतदाताओं की संख्या से कम होगा तो क्या होगा? ऐसा लगता है कि उनकी आशंकाएं सही साबित हुईं"। शेरवानी ने हमें बागची की वह टिप्पणी भी याद दिलाई जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि जीत का अंतर 2 प्रतिशत हो और 15 प्रतिशत मतदाता वोट न दे पाएं तो नतीजे पर सवालिया निशान लगाया जा सकता है। वैसे भाजपा ने बड़ी जीत दर्ज कराते हुए सरकार बनाई। लेकिन यह लोकतांत्रिक मानदंडों से बहुत हटकर थी। पश्चिम बंगाल में लोकतांत्रिक मूल्यों में गिरावट संबंधी शंकाओं को तमिलनाडु में हुए घटनाक्रम से और बल मिलता है।

कैंसर बीमारी-भारत की चुनौतियाँ और नीति सुधार की अनिवार्यता

वैश्विक स्तरपर कैंसर आज केवल एक चिकित्सकीय बीमारी नहीं रह गया है,बल्कि यह वैश्विक स्तरपर मानवसभ्यता के लिए एक गंभीर सामाजिक, आर्थिक औरनीतिगत चुनौती बन चुका है।दुनियाँ के लगभग हर देश में कैंसर मृत्यु के प्रमुख कारणों में शामिल है और विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इसे नॉन- कम्युनिकेबल डिजीज के सबसे खतरनाक रूपों में गिनती हैं। कैंसर की भयावहता इस तथ्य से समझी जा सकती है कि यह मानवीय शरीर पर विभिन्न स्वरूपों में हमला करता है कभी फेफड़ों के रूप में, कभी स्तन, सर्वाइकल, प्रोस्टेट, लिवर या रक्त कैंसर के रूप में,और कई बार तब तक पहचान में नहीं आता जब तक यह जीवन के लिए गंभीर खतरा यानें स्टेज फोर या अंतिम समय न बन जाए। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आधुनिक जीवनशैली, पर्यावरणीय प्रदूषण, खानपान में बदलाव, तंबाकू और शराब का बढ़ता सेवन, तनाव और शारीरिक निष्क्रियता ने कैंसर को एक ऐसी बीमारी बना दिया है जो अब केवल वृद्धावस्था तक सीमित नहीं रही, बल्कि कार्यशील आयु वर्ग को भी तेजी से अपनी चपेट में ले रही है।वैश्विक रिपोर्टों और स्वास्थ्य अध्ययनों के अनुसार, 40 से 50 वर्ष की आयु के लोगों में कैंसर के मामलों में आने वाले वर्षों में तीव्र वृद्धि की आशंका जताई जा रही है।2030 तक यह आयु वर्गकैंसर के सबसे बड़े जोखिम समूहों में शामिल हो सकता है।यह स्थिति इसलिए और भी चिंताजनक है क्योंकि यही वर्ग किसी भी देश की अर्थव्यवस्था,सामाजिक संरचना और पारिवारिकव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। यदि इस आयु वर्ग में बड़ी संख्या में लोग गंभीर बीमारियों से ग्रस्त होते हैं, तो इसका प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि उत्पादकता,रोजगार गरीबी, सामाजिक असमानता और मानसिक स्वास्थ्य तक गहराई से महसूस किया जाएगा।यही कारण है कि आज कैंसर से मुकाबला केवल अस्पतालों और डॉक्टरों की जिम्मेदारी नहीं रह गया है, बल्कि यह सार्वजनिक नीति,शासन व्यवस्था और सामाजिक व्यवहार में मूलभूत परिवर्तन की मांग करता है।

साथियों बात अगर हम कैंसर से प्रतिरक्षात्मक उपायों की करें तो जीवनशैली परिवर्तन, कैंसर रोकथाम की पहली सीढ़ी है,कैंसर के बढ़ते मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल इलाज पर आधारित रणनीति पर्याप्त नहीं है। रोकथाम,समय पर जांच और प्रारंभिक निदान ही इस बीमारी से लड़ने के सबसे प्रभावी हथियार हैं। जीवनशैली में बदलाव जैसे संतुलित आहार, नियमित व्यायाम,तंबाकू और शराब से दूरी, मानसिक तनाव को नियंत्रित करना और प्रदूषण से बचाव,कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं। विकसित देशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों का एक बड़ा हिस्सा इन्हीं निवारक उपायों पर केंद्रित है।स्कूल स्तर से लेकर कार्यस्थलों तक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, ताकि लोग बीमारी के शुरुआती संकेतों को समझ सकें और समय रहते जांच करा सकें। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां स्वास्थ्य संसाधनों पर पहले से ही भारी दबाव है, जीवनशैली आधारित रोकथाम और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

साथियों बात अगर हम भारत में कैंसर- बढ़ता संकट और असमानताएँ इसको समझने की करें तो,भारत में कैंसर की स्थिति वैश्विक रुझानों से अलग नहीं है,बल्कि कई मामलों में यह और अधिक गंभीर है। जनसंख्या का विशाल आकार, सामाजिक- आर्थिक असमानताएँ, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं का अंतर, और जागरूकता की कमी,ये सभी कारक कैंसर के प्रभाव को कई गुना बढ़ा देते हैं। शहरी क्षेत्रों में जहां निजी अस्पताल और उन्नत जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं, वहीं ग्रामीण इलाकों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी कई बार बुनियादी संसाधनों से वंचित रहते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि ग्रामीण मरीजों में कैंसर का पता अक्सर बहुत देर से चलता है, जब इलाज की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। इस असमानता का सीधा असर मृत्यु दर पर पड़ता है और यही कारण है कि भारत में कैंसर से होने वाली मौतों का अनुपात कई विकसित देशों की तुलना में अधिक है।

साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट की हस्तक्षेपकारी भूमिका, एक ऐतिहासिक मोड़ इसको समझने की करें तो,भारत में कैंसर प्रबंधन की खामियों को उजागर करने में न्यायपालिका की भूमिका हाल के वर्षों में और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। चीफ जस्टिस सुर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच द्वारा कैंसर को देशव्यापी अधिसूचित बीमारी घोषित करने की मांग से जुड़ी जनहित याचिका पर केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों को नोटिस जारी करना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह याचिका एम्स के सेवानिवृत्त विशेषज्ञ डॉ. अनुराग श्रीवास्तव द्वारा दायर की गई, जिसमें देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे में कैंसर प्रबंधन से जुड़ी गंभीर कमियों की ओर अदालत का ध्यान आकर्षित किया गया। पिछले वर्ष 12 दिसंबर 2025 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को औपचारिक नोटिस जारी कियाथा जो यह दर्शाता है कि अब इस मुद्दे को केवल नीति-स्तर की चर्चा तक सीमित नहीं रखा जा सकता।सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को केवल एक कानूनी प्रश्न के रूप में नहीं, बल्कि एक व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में देखा है। अदालत ने स्पष्ट रूप से यह संकेत दिया है कि यदि सरकारें समय रहते ठोस कदम नहीं उठातीं, तो इसका खामियाजा लाखों नागरिकों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ सकता है।न्यायपालिका का यह रुख भारत में स्वास्थ्य अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा सकता है। साथियों बात अगर हम कैंसर को अधिसूचित बीमारी का दर्जा क्यों है यह इतना जरूरी? इसको समझने की करें की करें तो किसी बीमारी को अधिसूचित घोषित करने का अर्थ यह होता है कि उसके मामलों की रिपोर्टिंग कानूनी रूप से अनिवार्य हो जाती है।अस्पतालों प्रयोगशालाओं और डॉक्टरों को ऐसे मामलों की जानकारी सरकार को देनी होती है,जिससे बीमारी के प्रसार,भौगोलिक वितरण और जोखिम कारकों का सटीक आकलन किया जा सके।भारत में टीबी, मलेरिया, कोविड-19 जैसी कई बीमारियां अधिसूचित हैं, जिसके कारण इनके मामलों पर निगरानी और नियंत्रण अपेक्षाकृत बेहतर ढंग से किया जा सका। कैंसर को अभी तक देशव्यापी स्तर पर अधिसूचित न किया जाना एक गंभीर नीतिगत चूक मानी जा रही है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से केवल 17 ने ही अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य कानूनों के तहत कैंसर को अधिसूचित बीमारी घोषित किया है। इसका अर्थ यह है कि देश का लगभग आधा हिस्सा अभी भी कैंसर मामलों की अनिवार्य रिपोर्टिंग से बाहर है।जब बीमारी के वास्तविक आंकड़े ही सरकार के पास नहीं होंगे, तो प्रभावी नीति निर्माण कैसे संभव हो पाएगा? यही वह बुनियादी प्रश्न है जिसने सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में हस्तक्षेप के लिए प्रेरित किया। साथियों बात अगर हम आईसीएमआर कैंसर रजिस्ट्री- सीमित कवरेज,सीमित समझ इसको समझने की करें तो, भारत में कैंसर के आंकड़ों का मुख्य स्रोत इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) द्वारा संचालित कैंसर रजिस्ट्री है। लेकिन याचिका के अनुसार, यह रजिस्ट्री फिलहाल देश की केवल लगभग 10 प्रतिशत आबादी को ही कवर करती है। ग्रामीण इलाकों में यह कवरेज मात्र 1 प्रतिशत के आसपास है। इसका सीधा अर्थ यह है कि देश में कैंसर के वास्तविक मामलों का एक बड़ा हिस्सा कभी आधिकारिक आंकड़ों में दर्ज ही नहीं हो पाता।जब डेटा अधूरा होगा,तो उस पर आधारित रणनीतियां भी अधूरी और अप्रभावी ही होंगी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो कई देशों में कैंसर रजिस्ट्री की कवरेज 80 से 100 प्रतिशत तक है। इन देशों में कैंसर की रोकथाम, स्क्रीनिंग और इलाज की योजनाएं इसी व्यापक डेटा के आधार पर बनाई जाती हैं। भारत में डेटा की यह कमी न केवल नीति निर्माण को कमजोर करती है, बल्कि शोध और नवाचार की संभावनाओं को भी सीमित कर देती है। नई दवाओं, उपचार पद्धतियों और रोकथाम कार्यक्रमों के विकास के लिए सटीक और व्यापक आंकड़े अनिवार्य होते हैं। साथियों बात अगर हम ग्रामीण भारत और कैंसर एक अदृश्य संकट इसको समझने की करें तो,ग्रामीण भारत में कैंसर की स्थिति को अक्सर अदृश्य संकट कहा जाता है। जागरूकता की कमी,सामाजिक रूढ़ियां,आर्थिक तंगी और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव ये सभी कारक मिलकर कैंसर को एक मूक हत्यारा बना देते हैं। कई बार मरीज शुरुआती लक्षणों को सामान्य बीमारी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। जब तक वे किसी बड़े अस्पताल तक पहुंचते हैं,तब तक बीमारी उन्नत अवस्था में पहुंच चुकी होती है। अधिसूचित बीमारी का दर्जा मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों में भी कैंसर मामलों की पहचान और रिपोर्टिंग बेहतर हो सकती है, जिससे समय पर हस्तक्षेप संभव होगा। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय अनुभव- भारत के लिए सबक इसको समझने की करें तो,अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों ने कैंसर को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के रूप में देखा है। यूरोप,उत्तरी अमेरिका और कुछ एशियाई देशों में कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रमों को सरकारी स्वास्थ्य प्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। नियमित मैमोग्राफी, पैप स्मीयर, कोलोनोस्कोपी और लो-डोज सीटी स्कैन जैसे परीक्षणों को उच्च जोखिम समूहों के लिए अनिवार्य या अत्यधिकप्रोत्साहित किया गया है। इन देशों में कैंसर को अधिसूचित बीमारी के रूप में देखने का लाभ यह हुआ कि नीति निर्माण डेटा- आधारित और लक्ष्य-उन्मुख बन सका।भारत यदि इन अंतरराष्ट्रीय अनुभवों से सीख लेकर कैंसर को देशव्यापी अधिसूचित बीमारी घोषित करता है, तो यह न केवल आंकड़ों की गुणवत्ता में सुधार करेगा, बल्कि स्वास्थ्य प्रणाली की जवाबदेही भी बढ़ाएगा। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सकेगा और संसाधनों का आवंटन वास्तविक जरूरतों के अनुसार किया जा सकेगा।

साथियों बात अगर हम नीति सुधार और भविष्य की दिशा इसको समझने की करें तो,कैंसर को अधिसूचित बीमारी घोषित करना केवल पहला कदम होगा। इसके साथ-साथ व्यापक नीति सुधारों की भी आवश्यकता है। प्राथमिक स्वास्थ्य स्तर पर स्क्रीनिंग सुविधाओं का विस्तार, जिला स्तर पर कैंसर उपचार केंद्रों की स्थापना, स्वास्थ्य कर्मियों का प्रशिक्षण और डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड्स का एकीकृत ढांचा ये सभी कदम समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा, स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में कैंसर उपचार को पर्याप्त कवरेज देना और मरीजों के लिए आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना भी जरूरी है।सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस मुद्दे पर जवाब तलब करना यह संकेत देता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

ट्रम्प जिनपिंग मुलाकात से बदलती विश्व राजनीति और 9 लाख करोड़ की बोइंग डील का वैश्विक असर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का चीन दौरा केवल एक औपचारिक कूटनीतिक यात्रा नहीं है, बल्कि यह बदलती विश्व व्यवस्था का बड़ा संकेत है। नौ वर्षों बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति चीन पहुंच रहा है और इस बार परिस्थितियां पहले से कहीं अधिक जटिल हैं। दुनिया यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया संकट, ताइवान तनाव, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रतिस्पर्धा और वैश्विक आर्थिक मंदी जैसी चुनौतियों से गुजर रही है। ऐसे समय में ट्रम्प और चीनी राष्ट्रपति एक्स जिनपिंग की मुलाकात पूरी दुनिया की नजरों में है। इस यात्रा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ट्रम्प अकेले नहीं आए हैं, बल्कि उनके साथ अमेरिका की सबसे बड़ी कंपनियों के 17 शीर्ष सीईओ भी मौजूद हैं। इसमें एलन मस्क ,टीम कुक लेरी फिंक और डेविड सोलोमन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। यह साफ संकेत है कि अमेरिका अब केवल टकराव की नीति नहीं बल्कि व्यापार और आर्थिक साझेदारी के रास्ते भी खोलना चाहता है।

कुछ वर्षों पहले तक अमेरिका लगातार चीन को वैश्विक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ा खतरा बताता था। व्यापार युद्ध शुरू हुआ, भारी टैरिफ लगाए गए, चीनी तकनीकी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए और ताइवान मुद्दे पर चीन को खुली चुनौती दी गई। अमेरिकी नेताओं ने चीन पर तकनीक चोरी, साइबर जासूसी और बाजार में अनुचित प्रतिस्पर्धा जैसे आरोप लगाए। लेकिन अब वही अमेरिका चीन के साथ बड़े कारोबारी समझौते करने की कोशिश कर रहा है। यह बदलाव बताता है कि विश्व राजनीति में केवल वैचारिक संघर्ष नहीं चलता, अंतत: आर्थिक हित ही सबसे निर्णायक साबित होते हैं। इस यात्रा का सबसे चर्चित पहलू संभावित बोइंग डील है। रिपोर्टों के अनुसार चीन करीब 500 बोइंग 737 मैक्स, 100 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर और बड़ी संख्या में अन्य विमान खरीद सकता है। कुल सौदा लगभग 9 लाख करोड़ रुपए का माना जा रहा है। यदि यह समझौता होता है तो यह विमानन इतिहास की सबसे बड़ी डीलों में शामिल होगा। इसका असर केवल अमेरिका और चीन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखाई देगा। अमेरिका में हजारों नई नौकरियां पैदा होंगी, बोइंग को लंबे समय बाद बड़ी राहत मिलेगी और अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। दूसरी तरफ चीन अपनी तेजी से बढ़ती विमानन जरूरतों को पूरा कर पाएगा। चीन दुनिया का सबसे बड़ा एविएशन बाजार बनने की ओर बढ़ रहा है और उसे आने वाले वर्षों में हजारों नए विमानों की जरूरत होगी। यह डील इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में बोइंग लगातार संकटों से जूझ रही थी। 737 मैक्स दुर्घटनाओं के बाद उसकी साख को बड़ा नुकसान पहुंचा था। कोविड महामारी के दौरान वैश्विक विमानन उद्योग भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। ऐसे समय में चीन का इतना बड़ा ऑर्डर बोइंग के लिए जीवनदान जैसा साबित हो सकता है। इसके साथ ही यह संदेश भी जाएगा कि चीन और अमेरिका अपने आर्थिक रिश्तों को पूरी तरह टूटने नहीं देना चाहते। ट्रम्प के साथ इतने बड़े कारोबारी प्रतिनिधिमंडल का जाना यह साबित करता है कि अमेरिका की बड़ी कंपनियां चीन से दूरी बनाने के पक्ष में नहीं हैं। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार होने के कारण चीन आज भी अमेरिकी कंपनियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। टेसला की शंघाई फैक्ट्री उसकी वैश्विक उत्पादन क्षमता का बड़ा हिस्सा संभालती है। एपल की सप्लाई चेन चीन पर काफी हद तक निर्भर है। अमेरिकी निवेश कंपनियों और बैंकों के लिए भी चीन विशाल अवसरों का बाजार है। इसलिए ट्रम्प के साथ सीईओ का यह

काफिला केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूरी और रणनीति दोनों को दिखाता है। इस मुलाकात में ताइवान का मुद्दा सबसे संवेदनशील रहने वाला है। अमेरिका लगातार ताइवान को हथियार उपलब्ध करा रहा है, जबकि चीन इसे अपनी संप्रभुता के खिलाफ मानता है। यदि दोनों देशों के बीच इस मुद्दे पर तनाव कम करने की कोई समझ बनती है तो एशिया में स्थिरता बढ़ सकती है। हालांकि पूरी संभावना यही है कि दोनों देश अपने-अपने रुख पर कायम रहेंगे, लेकिन संवाद जारी रहना भी अपने आप में महत्वपूर्ण है। दुनिया के दो सबसे शक्तिशाली देशों के बीच सीधा टकराव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को संकट में डाल सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की लड़ाई भी इस बैठक का बड़ा विषय है। अमेरिका चीन पर एआई तकनीक चोरी करने और अमेरिकी चिप्स का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाता रहा है। दूसरी ओर चीन अपनी घरेलू तकनीकी कंपनियों को मजबूत बनाकर अमेरिकी निर्भरता कम करना चाहता है। एआई आने वाले समय में आर्थिक और सैन्य शक्ति का सबसे बड़ा आधार बनने जा रही है। इसलिए ट्रम्प और जिनपिंग की बातचीत केवल व्यापार तक सीमित नहीं बल्कि भविष्य की तकनीकी सत्ता के संघर्ष से भी जुड़ी है। फेंटेनाइल और क्रिप्टो भुगतान का मुद्दा भी अमेरिका के लिए अहम है। अमेरिका में नशीली दवाओं से होने वाली मौतों में फेंटेनाइल बड़ी समस्या बन चुका है। अमेरिका का आरोप है कि इसके उत्पादन में उपयोग होने वाले रसायन चीन से आते हैं और भुगतान क्रिप्टोकरेंसी के जरिए होता है। यदि इस दिशा में दोनों देश सहयोग बढ़ाते हैं तो अमेरिका के भीतर ट्रम्प को राजनीतिक फायदा भी मिल सकता है। दिलचस्प बात यह है कि कभी चीन के खिलाफ बेहद आक्रामक बयान देने वाले ट्रम्प अब अपेक्षाकृत नरम दिखाई दे रहे हैं। इसकी वजह केवल कूटनीति नहीं बल्कि आर्थिक वास्तविकता है। अमेरिका जानता है कि चीन को पूरी तरह अलग-थलग करना संभव नहीं है। वैश्विक सप्लाई चेन, व्यापार, तकनीक और निवेश की संरचना इतनी गहराई से जुड़ी हुई है कि दोनों देशों को अंतत: संवाद करना ही पड़ता है। ट्रम्प भी यह समझते हैं कि यदि अमेरिकी कंपनियों को मजबूत रखना है तो चीन के साथ संबंधों को पूरी तरह खराब नहीं किया जा सकता।

इस मुलाकात से सबसे बड़ा फायदा संभवत: वैश्विक अर्थव्यवस्था को होगा। यदि व्यापार युद्ध कम होता है, टैरिफ घटते हैं और सप्लाई चेन स्थिर होती है तो दुनिया भर के बाजारों में भरोसा बढ़ेगा। एशियाई देशों को राहत मिलेगी, तेल बाजार स्थिर हो सकते हैं और निवेशकों का विश्वास लौट सकता है। यूरोप भी चाहेगा कि अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम हो क्योंकि दोनों महाशक्तियों का संघर्ष वैश्विक व्यापार को प्रभावित करता है। रूस भी इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। खबर है कि व्लदीमिर पुतिन भी जल्द चीन का दौरा कर सकते हैं। इसका मतलब है कि आने वाले दिनों में विश्व राजनीति में नई धुरी बनती दिखाई दे सकती है। चीन एक तरफ अमेरिका से व्यापारिक रिश्ते मजबूत करना चाहता है तो दूसरी तरफ रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी भी बनाए रखना चाहता है। यही कारण है कि बीजिंग आज विश्व राजनीति का सबसे बड़ा केंद्र बनता जा रहा है।

ट्रम्प और जिनपिंग की यह मुलाकात केवल दो नेताओं की बैठक नहीं बल्कि बदलती वैश्विक शक्ति संतुलन की तस्वीर है। इसमें व्यापार है, तकनीक है, सुरक्षा है और भविष्य की विश्व व्यवस्था का संघर्ष भी छिपा है। 9 लाख करोड़ की संभावित बोइंग डील और अमेरिकी सीईओ की मौजूदगी यह साबित करती है कि अंतत: आर्थिक हित ही देशों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं। दुनिया अब यह देख रही है कि यह मुलाकात केवल अस्थायी समझौता साबित होती है या आने वाले वर्षों की नई वैश्विक राजनीति की शुरुआत।

-कांतिलाल मांडोत

अहंकार सत्ता और युद्ध का कारण

-संजय गोस्वामी

भगवान राम को किसी बात का अहंकार नहीं था । श्रीराम तो सर्वज्ञ थे, किन्तु रावण को ज्ञान के साथ-साथ शक्ति और और सत्ता का अहंकार था अविनम्र आदमी ही अहंकारी होता है, विनम्र आदमी नहीं वस्तुत: जिस आदमी का अहंकार आ गया वो क्रोध लोभ मोह से घिर जाता है। जिसका सत्ता का अहंकार हो गया वह सत्ता मात्र एक समय के लिए होता है।लेकिन सत्ता को बनाये रखने के लिए युद्ध तक करता है क्योंकि उसे यह ज्ञान नहीं है कि सत्ता जो मिली है आज हमारे पास है कल किसी और के पास होगा

अहंकार पर आपकी चोट एकदम सटीक है। वेदांत का पहला और आखिरी पुरुषार्थ अहं-वृत्ति को साक्षी-भाव से देखना ही है। मृत्यु, भोग, सोशल मीडिया का भ्रम — ये सब अहंकार के ही खेल हैं। काल का स्मरण कराना और युवाओं को भोग से परे देखने को कहना, यह ऋषि-परंपरा है। पर वेदांत सब अहंकार ही है कहकर रुकता नहीं। वो कहता है — अहंकार मिथ्या है, पर उसका आधार ब्रह्म सत्य है। शास्त्र को फेंक नहीं देते, नाव की तरह पार उतरकर छोड़ते हैं। ब्रह्म को शक्तिहीन अनजान कहना स्वयं अहंकार की भाषा है, क्योंकि ब्रह्म न शक्त है न अशक्त — वह शक्ति का अधिष्ठान है। आत्मा-परमात्मा घटित नहीं होते, वे नित्य-सिद्ध हैं; सिर्फ अहंकार का पर्दा हटता है। जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च । तस्मादपरिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि ॥ हि - कारण कि, जातस्य - पैदा हुएकी, ध्रुव: - जरूर, मृत्यु: - मृत्यु होगी, च - और, मृतस्य - मरे हुएका, ध्रुवम् - जरूर, जन्म - जन्म होगा, तस्मात् - अत:, (इस जन्म-मरण रूप परिवर्तनके प्रवाहका) निवारण नहीं हो सकता, अर्थे - (अत:) इस विषयमें, त्वम् - तुम्हें, शोचितुम् - शोक, न - नहीं, अर्हसि - करना चाहिये। व्याख्या- जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च - पूर्वश्लोकके अनुसार अगर शरीरीको नित्य जन्मने और मरनेवाला भी मान लिया जाय, तो भी वह शोकका विषय नहीं हो सकता। कारण कि जिसका जन्म हो गया है, वह जरूर मरेगा और जो मर गया है, वह जरूर जन्मेगा। न त्वं तस्मादपरिहार्येऽर्थे शोचितुमर्हसि - इसलिये कोई भी इस जन्म- मृत्युरूप प्रवाहका परिहार (निवारण) नहीं कर सकता; क्योंकि इसमें किसीका किंचिन्मात्र भी वश नहीं चलता। यह जन्म-मृत्युरूप प्रवाह तो अनादिकालसे चला आ रहा है और अनन्तकालतक चलता रहेगा। इस दृष्टिसे तुम्हारे लिये शोक करना उचित नहीं है। ये धृतराष्ट्रके पुत्र जन्में हैं, तो जरूर मरेंगे। तुम्हारे पास ऐसा कोई उपाय नहीं है, जिससे तुम उनको बचा सको। जो मर जायँगे, वे जरूर जन्मेंगे। उनको भी तुम रोक नहीं सकते। फिर शोक किस बातका ? शोक उसीका कीजिये, जो अनहोनी होय। अनहोनी होती नहीं, होनी है सो होय ॥ जैसे, इस बातको सब जानते हैं कि सूर्यका उदय हुआ है, तो उसका अस्त होगा ही और अस्त होगा तो उसका उदय होगा ही। इसलिये मनुष्य सूर्यका अस्त होनेपर शोक-चिन्ता नहीं करते। ऐसे ही हे अर्जुन ! अगर तुम ऐसा मानते हो कि शरीरके साथ ये भीष्म, द्रोण आदि सभी मर जावँगे, तो फिर शरीरके साथ जन्म भी जायँगे। अत: इस दृष्टिसे भी शोक नहीं हो सकता। भगवान् राम ने इन दो (छब्बीसवें-सत्ताईसवें) श्लोकोंमें जो बात कही है, वह भगवान् का कोई वास्तविक सिद्धान्त नहीं है। अत: अथ च पद देकर भगवान् ने दूसरे (शरीर-शरीरीको एक माननेवाले) पक्षकी बात कही है कि ऐसा सिद्धान्त तो है नहीं, पर अगर तू ऐसा भी मान ले, तो भी शोक करना उचित नहीं है। इन दो श्लोकोंका तात्पर्य यह हुआ कि संसारकी मात्र चीजें प्रतिक्षण परिवर्तनशील होनेसे पहले रूपको छोड़कर दूसरे रूपको धारण करती रहती हैं। इसमें पहले रूपको छोड़ना-यह मरना हो गया और दूसरे रूपको धारण करना-यह जन्मना हो गया। इस प्रकार जो जन्मता है, उसकी मृत्यु होती है और जिसकी मृत्यु होती है, वह फिर जन्मता है- यह प्रवाह तो हरदम चलता ही रहता है। परिशिष्ट भाव - किसी प्रियजनकी मृत्यु हो जाय, धन नष्ट हो जाय तो मनुष्यको शोक होता है। ऐसे ही भविष्यको लेकर चिन्ता होती है । ये शोक-चिन्ता अपने विवेकको महत्त्व न देनेके कारण ही होते हैं।इसलिए भगवान राम का नाम, राम नाम सत्य है लिया जाता है संसारमें परिवर्तन होना, परिस्थिति बदलना आवश्यक है। अगर परिस्थिति नहीं बदलेगी तो संसार कैसे चलेगा ? मनुष्य बालकसे जवान कैसे बनेगा ? मूर्खसे विद्वान् कैसे बनेगा ? रोगीसे नीरोग कैसे बनेगा ? बीजका वृक्ष कैसे बनेगा ? परिवर्तनके बिना संसार स्थिर चित्रकी तरह बन जायगा ! वास्तवमें मरनेवाला (परिवर्तनशील) ही मरता है, रहनेवाला कभी मरता ही नहीं। यह सबका प्रत्यक्ष अनुभव है कि मृत्यु होनेपर शरीर तो हमारे सामने पड़ा रहता है, पर शरीरका मालिक (जीवात्मा) निकल जाता है। अगर इस अनुभवको महत्त्व दें तो फिर चिन्ता-शोक हो ही नहीं सकते। बालिके मरनेपर भगवान् राम इसी अनुभवकी ओर ताराका लक्ष्य कराते हैं- तारा बिकल देखि रघुराया । दीन्ह ग्यान हरि लीन्ही माया ॥ छिति जल पावक गगन समीरा । पंच रचित अति अधम सरीरा ॥ प्रगट सो तनु तव आगें सोवा । जीव नित्य केहि लगि तुम्ह रोवा ॥ उपजा ग्यान चरन तब लागी। लीन्हेसि परम भगति बर माँगी ॥ (मानस, किष्किन्धा0 11।2-3) विचार करना चाहिये कि जब चौरासी लाख योनियोंमें कोई भी शरीर नहीं रहा, तो फिर यह शरीर कैसे रहेगा ? जब चौरासी लाख शरीर मैं-मेरे नहीं रहे, तो फिर यह शरीर मैं-मेरा कैसे रहेगा ? यह विवेक मनुष्य-शरीरमें हो सकता है, अन्य शरीरोंमें नहीं। सम्बन्ध-पीछेके दो श्लोकोंमें पक्षान्तरकी बात कहकर अब भगवान् आगेके श्लोकमें बिलकुल साधारण दृष्टिकी बात कहते हैं। यहां वहां इसकी उसकी किसी की बात में न भरमाए। राम की साधना से ही सारे साधक संजीवनी से सारे भेद माया ईश्वर की अहेतु की कृपा पाए। सही- ब्रह्म के सिवा दूसरा कुछ है ही नहीं —और ब्रह्म भगवान राम ही हैं एकमेवाद्वितीयम् श्रुति-प्रमाण है। - जीव-भाव में फँसने वाला ब्रह्म से भिन्न दूसरा कोई है — यह द्वैत-भ्रम है। फँसता कोई 'दूसरा' नहीं, ब्रह्म ही अविद्या से स्वयं को जीव मान लेता है। समुद्र ही लहर बनकर खुद को छोटा मान ले तो दोष समुद्र का नहीं, लहर की भूल का है — वैसे ही ब्रह्म ही जीव-भाव में फँसता-सा दिखता है, वास्तव में फँसने वाला कोई दूसरा नहीं है। -राम ही ब्रह्म है। जो हर के आत्मा में हैं लेकिन अच्छी शक्ति वाले में उभर आती है और बुरा कर्म करने वाले को रोकता है लेकिन अयम् आत्मा ब्रह्म — ये आत्मा ही ब्रह्म हैं। मन ब्रह्म नहीं है। मन प्रकृति का हिस्सा है, जड़ है, बदलता रहता है। आत्मा चेतन है, अपरिवर्तनशील है। - *संतमत/कबीरपंथ*- आत्मा ब्रह्म का अंश नहीं, पारब्रह्म/सत्पुरुष का अंश है। मन काल-निरंजन की देन है, ब्रह्म/काल का एजेंट है। मन ब्रह्म नहीं, बंधन है। *अद्वैत वेदांत*- ब्रह्म एक ही है। पारब्रह्म, परब्रह्म, ब्रह्म — ये सब उसी एक सत्ता के नाम हैं व जो भगवान राम हैं । दो नहीं हैं।शास्त्रों के अनुसार श्री रामजी परमार्थस्वरूप (परमवस्तु) परब्रह्म हैं। वे अविगत (जानने में न आने वाले) अलख (स्थूल दृष्टि से देखने में न आने वाले), अनादि (आदिरहित), अनुपम (उपमारहित) सब विकारों से रहित और भेद शून्य हैं, वेद जिनका नित्य नेति-नेति कहकर निरूपण करते हैं ॥

खाद्य तेल बाजार में उतार-चढ़ाव- मूंगफली सस्ती, सरसों-सोयाबीन में तेजी

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन बाजार में मिलाजुला रुख देखने को मिला। गुजरात में गर्मी की मूंगफली फसल की संभावना से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट देखी गई, वहीं कमजोर आवक और बढ़ती मांग के चलते सरसों, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में तेजी दिखाई दी। सरकार द्वारा सीपीओ और सोयाबीन डीगम पर आयात शुल्क मूल्य क्रमशः 4.5 रुपये और 1.5 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने के साथ-साथ डॉलर के मुकाबले रुपये के सर्वकालिक निचले स्तर के आसपास रहने से आयातित तेलों के दाम बढ़े। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के सोयाबीन प्लांटों द्वारा खरीद मूल्य बढ़ाने से भी सोयाबीन तेल-तिलहन में सुधार आया। बाजार के जानकारों के अनुसार, सरसों का तेल सस्ता होने के कारण इसकी मांग बढ़ी है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक दाम मिलने से वे अपनी फसलें नाप-तौल कर बेच रहे हैं, जिससे आपूर्ति सीमित रहने और मांग बढ़ने से सरसों, सोयाबीन और बिनौला तेल के दाम ऊंचे रहे। कपास नरमा का भाव भी एमएसपी से 10-11 प्रतिशत अधिक, 9,000 रुपये क्विंटल से ऊपर बना हुआ है। सूत्रों के मुता???बिक बीते सप्ताह सरसों दाना 175 रुपये के सुधार के साथ 7,175-7,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 500 रुपये के सुधार के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमश- 60-60 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 350-350 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 7,300-7,350 रुपये और 6,950-7,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये सुधार के साथ 15,825 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,725 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 25 रुपये सुधार के साथ 12,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताहांत मूंगफली तिलहन का दाम 125 रुपये टूटकर 6,225-7,000 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये टूटकर 15,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये टूटकर 2,470-2,770 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 225 रुपये की मजबूती के साथ 13,850 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये की मजबूती के साथ 15,650 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 225 रुपये की मजबूती के साथ 14,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सुधार के आम रुख और कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल का दाम भी 400 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

यूसीआईएल झारखंड में तांबा अपशिष्ट से निकालेगी यूरेनियम

नई दिल्ली। एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) झारखंड में एक विशेष रिकवरी संयंत्र स्थापित करेगी। इसका उद्देश्य सरकारी कंपनी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के तांबा खनन अपशिष्ट (टेलिंग्स) से यूरेनियम निकालना है। यह पहल देश की परमाणु ऊर्जा उत्पादन और रक्षा जरूरतों के लिए घरेलू यूरेनियम आपूर्ति बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। एचसीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने यूसीआईएल के साथ सहमति बनाई है, जिसके तहत एचसीएल अपने टेलिंग्स यूसीआईएल को सौंपेगी। ये टेलिंग्स तांबे जैसे खनिजों को अयस्क से अलग करने के बाद बचे हुए बारीक अपशिष्ट होते हैं, ?जिनमें यूरे?नियम के अंशव मौजूद हैं। यूसीआईएल आधु?निक तकनीक से इन अप?शिष्ट का प्रसंस्करण कर यूरे?नियम ?निकालेगी और उपचारित पदार्थ एचसीएल को लौटाएगी। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार यह परियोजना रणनीतिक और पर्यावरणीय दोनों दृष्टि से फायदेमंद है। भारत अभी परमाणु ऊर्जा के लिए काफी हद तक आयातित यूरेनियम पर निर्भर है। ऐसे में यह कदम घरेलू आपूर्ति बढ़ाएगा, पुराने खनन अपशिष्ट का बेहतर प्रबंधन करेगा और पर्यावरण पर बोझ कम करेगा। भारत का लक्ष्य 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करना है, जिसमें यह पहल अहम भूमिका निभाएगी।

एनपीएस पेंशनर्स को राहत- अब गंभीर बीमारी में सरेंडर कर सकेंगे एन्युटी पॉलिसी

मुंबई। एजेंसी। नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) से जुड़े लाखों पेंशनर्स और नौकरीपेशा लोगों के लिए ब?ी राहत की खबर है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) ने एन्युटी पॉलिसी सरेंडर करने के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब गंभीर बीमारी जैसी विशेष परिस्थितियों में एन्युटी पॉलिसी को बीच में बंद कर पैसा निकाला जा सकेगा, जिससे मेडिकल इमरजेंसी में आर्थिक संकट का सामना कर रहे लोगों को ब?ी मदद मिलेगी। पीएफआरडीए को मेडिकल इमरजेंसी में पूंजी तक पहुंच न होने संबंधी लगातार आवेदन मिल रहे थे, जिसके बाद यह फैसला लिया गया है। अब तक, नेशनल पेंशन सिस्टम के तहत रिटायरमेंट पर कुल फंड का कम से कम 40 फीसदी हिस्सा एन्युटी खरीदने में लगाना अनिवार्य होता था, जिसे एक बार खरीदने के बाद बीच में बंद करना लगभग असंभव था। नए नियमों से उन रिटायर्ड कर्मचारियों को खास राहत मिलेगी जो अचानक आई स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति में आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। नए सर्कुलर के तहत, स्वयं या परिवार के सदस्य की गंभीर बीमारी की स्थिति में बीमा कंपनियां विशेष परिस्थितियों में एन्युटी सरेंडर की अनुमति दे सकती हैं। हालांकि, यह प्रक्रिया स्वचालित नहीं होगी और बीमा कंपनियों द्वारा दस्तावेजों की जांच के बाद ही अंतिम मंजूरी मिलेगी। पीएफआरडीए ने पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए कहा है कि बीमा कंपनी को सरेंडर के बाद मिलने वाली राशि, सभी टैक्स और कटौतियों की विस्तृत जानकारी पेंशनर्स को लिखित में देनी होगी, और यह पूरी प्रक्रिया पेंशनर्स की लिखित सहमति से ही होगी। विशेषज्ञ हालांकि सलाह देते हैं कि तात्कालिक राहत के लिए एन्युटी सरेंडर करने से पहले इसके दीर्घकालिक वित्तीय असर पर विचार करना चाहिए, क्योंकि इसका मुख्य उद्देश्य बुढ़ापे में नियमित आय सुनिश्चित करना है।

कच्चे तेल और रुपए की चाल तय करेगी भारतीय शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच गहराते भू-राजनीतिक तनाव, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की बेलगाम कीमतों के कारण इस सप्ताह भी भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव बने रहने की आशंका है। बाजार विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि महंगाई की चिंता और रुपये की कमजोरी निवेशकों की बेचैनी बढ़ाएगी, जिससे दलाल पथ पर अनिश्चितता का साया गहराएगा। पिछले सप्ताह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96 के स्तर से नीचे गिर गया, जिसने निवेशकों की चिंता को और बढ़ा दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में रुपये की चाल ही बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बाजार के जानकारों ने बताया कि निवेशकों की नजर अमेरिका-ईरान संघर्ष और उसके वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर पर बनी रहेगी। उनके अनुसार, कच्चे तेल की

कीमतों, महंगाई और वैश्विक जोखिम धारणा में बदलाव भारतीय बाजारों को सीधे प्रभावित करेगा। वहीं, एनरिच मनी के एक अ?धिकारी ने होर्मुज जलडमरूमध्य के महत्व पर जोर दिया, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस क्षेत्र में किसी भी तनाव से शेयर, मुद्रा और जिंस बाजारों पर भारी दबाव पड़ सकता है, जबकि कूटनीतिक हल से बाजार में तेजी आ सकती है। इस बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 109 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच चुकी हैं, जिससे महंगाई को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। बाजार ?विश्लेषकों के अनुसार भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के अलावा, इस सप्ताह चीन, अमेरिका और भारत से आने वाले आर्थिक आंकड़े तथा फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा भी बाजार की दिशा तय करने में अहम होगा। इसके साथ ही, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल), गेल और एनटीपीसी जैसी प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई थी।

पेट्रोल-डीजल फिर 10 रुपए तक महंगा होने की आशंका

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में पेट्रोल और डीजल के दामों में एक बार फिर बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार तेल विपणन कंपनियों को हो रहे भारी नुकसान के चलते आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 10-10 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ सकती हैं। हाल ही में सरकार द्वारा की गई 3-3 रुपये की बढ़ोतरी भी घाटे की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं साबित हुई है, जिससे आम जनता पर महंगाई का एक और बड़ा बोझ पड़ने की आशंका है। यह स्थिति कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि का सीधा परिणाम है। इसी साल फरवरी के महीने में इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल का रेट 70 डॉलर प्रति बैरल था, जो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार बना हुआ है। इस ऊंची कीमत के कारण तेल कंपनियों को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि कीमतों में हालिया वृद्धि से पहले, इन कंपनियों को रोजाना लगभग 1000 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा था। अगर यही स्थिति बनी रही, तो चालू तिमाही में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को 57000 करोड़ रुपये तक का भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। घाटे की भरपाई के लिए सरकार ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3-3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। हालांकि, तेल कंपनियों का घाटा इतना बड़ा है कि यह कदम भी नाकाफी साबित हुआ है। यही वजह है कि अब बड़े इजाफे की आशंका गहरा गई है। यह भी गौरतलब है कि सरकारी कंपनियों से बहुत पहले ही शेल इंडिया और नायरा एनर्जी जैसी निजी कंपनियों ने अपने ग्राहकों के लिए पिछले महीने ही पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा दिए थे।

एलपीजी सिलेंडर के दाम स्थिर, मार्च से नहीं बढ़े घरेलू भाव

नई दिल्ली। एजेंसी। तेल कंपनियों ने रविवार को घरेलू और वाणिज्यिक दोनों प्रकार के सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि घरेलू सिलेंडर के दाम मार्च 2024 से ही स्थिर बने हुए हैं, जब आखिरी बार 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। देश की राजधानी दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर अभी भी 913 रुपये में मिल रहा है। देशभर में उपभोक्ताओं को रविवार को एलपीजी सिलेंडर के मोर्चे पर कोई नया झटका नहीं लगा है। रविवार को तेल कंपनियों द्वारा जारी की गई नई कीमतों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम अपरिवर्तित रहे। दिल्ली में जहां यह 913 रुपये में बिक रहा है, वहीं मुंबई में 912.50 रुपये, कोलकाता में 939 रुपये और चेन्नई में 928.50 रुपये का रेट बना हुआ है। मार्च 2024 के बाद से घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, जब आखिरी बार 60 रुपये का इजाफा देखा गया था। वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दामों में भी आज कोई वृद्धि नहीं की गई है, जो फिलहाल दिल्ली में 3071.50 रुपये, मुंबई में 3024 रुपये और चेन्नई में 3237 रुपये में उपलब्ध है। हालांकि, यहां गौर करने वाली बात यह है कि वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतों में मार्च के महीने से अब तक 47 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आखिरी बार मार्च में ही इसके दाम 993 रुपये बढ़ाए गए थे, जिसने व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर अतिरिक्त बोझ डाला है। एलपीजी की कीमतें भले ही आज स्थिर हों, लेकिन ऊर्जा बाजार में अन्य ईंधन की कीमतों में इजाफा देखा गया है। शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3-3 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी, जो चार साल बाद हुआ पहला बड़ा बदलाव था। कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल इसका प्रमुख कारण बताया जा रहा है, खासकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में व्यवधान के कारण कच्चे तेल का रेट 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। तेल कंपनियों को मौजूदा हालात में भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, रिपोर्ट के अनुसार इस तिमाही में उन्हें 57,000 करोड़ रुपये से 58,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है, जो भविष्य में ईंधन की कीमतों पर दबाव बनाए रख सकता है।

आज का राशिफल

मेष- आज भागदौड़ और तनाव आपको थोड़ा थका सकता है, लेकिन धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। किसी पुराने रोग के दोबारा उभरने से परेशानी बढ़ सकती है, इसलिए सेहत को नजरअंदाज न करें। नया वाहन खरीदने की सोच रहे हैं तो पूरी सावधानी बरतें। दूसरों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसान दे सकता है। परिवार से किया गया कोई वादा आज हर हाल में निभाना पड़ सकता है।

वृषभ- आज का दिन खुशियों, मौज-मस्ती और नई शुरुआतों से भरा रहेगा। आपकी क्रिएटिव सोच लोगों को आकर्षित करेगी और नए दोस्त भी बन सकते हैं। खर्च बढ़ने से बजट थोड़ा बिगड़ सकता है, इसलिए समझदारी जरूरी होगी। अविवाहित लोगों के जीवन में प्यार की नई दस्तक दिल को खुश कर सकती है। परिवार में किसी को नई नौकरी मिलने से उत्सव जैसा माहौल बनेगा।

मिथुन- आज शब्दों पर नियंत्रण रखना ही आपकी सबसे बड़ी ताकत साबित होगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में कही गई बात गलत समझी जा सकती है, इसलिए सोच-समझकर बोलें। ऑनलाइन खरीदारी में सावधानी रखें, क्योंकि धोखे की संभावना है। प्रॉपर्टी से जुड़े फैसले पूरी जांच-पड़ताल के बाद ही लें। मन बार-बार भटक सकता है, इसलिए खुद को फोकस में रखने की कोशिश करें।

कर्क- आज सुख-सुविधाओं और खुशियों में बढ़ोतरी होने के संकेत हैं। परिवार के लोग आपकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे और दूर रहने वाले रिश्तेदार से कोई शुभ समाचार मिल सकता है। मेहनत के दम पर सफलता आपके करीब आएगी। पुराने लेन-देन का मामला थोड़ी चिंता बढ़ा सकता है। घर में नया वाहन खरीदने या किसी बड़ी सुविधा को जोड़ने का विचार बन सकता है।

सिंह- आज किस्मत आपके पक्ष में रह सकती है और मनचाहा लाभ मिलने के संकेत हैं। सेहत पर ध्यान देना जरूरी होगा, वहीं विद्यार्थियों को पढ़ाई में अनुशासन बनाए रखना होगा। आपकी अच्छाई को कुछ लोग गलत समझ सकते हैं, लेकिन आप अपने रास्ते पर आगे बढ़ते रहें। भगवान की भक्ति से मन को सुकून मिलेगा। जीवनसाथी का सहयोग हर कदम पर आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा और धन से जुड़ी परेशानियाँ भी दूर हो सकती हैं।

कन्या- आज मन की उलझनों को मां के साथ साझा करने से राहत मिलेगी। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें, क्योंकि दुर्घटना का योग बन रहा है। जीवनसाथी के लिए खरीदी गई कोई खास चीज रिश्तों में मिठास बढ़ाएगी। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत हो सकती है। परिवार आपके सम्मान में कोई खास सरप्राइज प्लान कर सकता है।

तुला- आज घर-परिवार में खुशियों और शुभ कार्यों का माहौल बना रहेगा। आपकी मेहनत रंग लाएगी और रुका हुआ धन मिलने से राहत महसूस होगी। विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपकी समझदारी उन्हें शांत कर देगी। छोटे बच्चों की कोई प्यारी फरमाइश आपका दिल जीत लेगी। दिन कुल मिलाकर सकारात्मक और सुखद रहेगा।

वृश्चिक- आज आपके दिमाग में नए और शानदार आइडिया जन्म ले सकते हैं, जो बिजनेस में बड़ा फायदा दिला सकते हैं। विदेश से जुड़े व्यापार में अच्छी खबर मिलने की संभावना है। नए लोगों से मुलाकात भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगी। पिताजी की कोई बात दिल को चुभ सकती है, लेकिन आप संयम बनाए रखेंगे। खोई हुई प्रिय वस्तु मिलने से मन प्रसन्न हो जाएगा।

धनु- आज का दिन मिला-जुला असर देने वाला रहेगा। जीवनसाथी किसी बात से नाराज हो सकते हैं, इसलिए रिश्तों में प्यार और समझदारी बनाए रखें। आय के मामलों में सतर्क रहना जरूरी होगा। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से राहत मिलेगी और शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से खुशी दोगुनी हो जाएगी। घर में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन भी संभव है।

मकर- आज सकारात्मक बदलाव आपकी जिंदगी में नई ऊर्जा भर सकते हैं। संतान की ओर से कोई खुशखबरी मिलने के संकेत हैं। आपकी मेहनत रुके हुए कामों को पूरा करने में मदद करेगी। लाइफस्टाइल में सुधार लाने की कोशिश सफल हो सकती है। सेहत को नजरअंदाज न करें। परिवार में नए मेहमान का आगमन खुशियाँ लेकर आएगा और जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पल रिश्तों में नई गर्माहट भर देंगे।

कुंभ- आज का दिन उतार-चढ़ाव के साथ आगे बढ़ सकता है। यात्रा या घूमने के दौरान कोई खास जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगी। कार्यक्षेत्र में विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए धैर्य और समझदारी से काम लें। माता-पिता का आशीर्वाद लेकर शुरू किया गया काम सफलता दिला सकता है। घर के लिए कोई नया इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने का योग भी बन रहा है।

मीन- आज बिजनेस में कुछ चुनौतियाँ सामने आ सकती हैं, लेकिन धैर्य से काम लेने पर रास्ते निकल आएंगे। दूसरों की सलाह पर आंख बंद करके भरोसा करने से बचें। सरकारी कामों को पूरा करने के लिए मेहनत करनी पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन को समय और समझदारी की जरूरत होगी। पुराने दोस्त से मुलाकात दिल को खुश कर सकती है।

शब्दजाल - 8262

ची	दु	मे	रि	द्रो	णा	चा	र्य	न	प	क
न	र्यो	शा	प	इं	डे	भी	म	या	ड़	क
अ	ध	जा	स	र	ग	स	द	ह	प	न
जी	न	ल	पा	न	दू	स	न	ह	र्जु	ल
त	या	अ	सौ	न	जा	ला	न्यु	अ	प	दे
आ	यु	इ	मो	व	प	म	क	ह	यु	वां
ग	धि	ल	ह	च	भि	रि	पा	व	प	ग
र	ष्ठ	भा	त्क	अ	प	स	रा	ब्रा	वि	ला
क	र	टो	तें	य	न	क	र्ण	शा	जू	दे
र	घ	ल	प	व	सिं	ल	स	अ	प	श
वां	स	ल	भी	ष्म	पि	ता	मा	ह	क	र

शब्द जाल में 10 योद्धाओं के नाम हैं, जिन्होंने महाभारत युद्ध लड़ा था. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

युधिष्ठिर, घटोत्कच, अभिमन्यु, अर्जुन, भीम, दुर्योधन, भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य, कर्ण, दुशासन.

शब्दजाल - 8261 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7206

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लकी अली, गौरी कर्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिश्मा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. सचिन निखत, आशा की फिल्म-३
२५. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, साधना की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरन, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओढ़नी नी कुड़िए' गीत वाली मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो प्यार सिला दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'ले आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरु राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२४. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 7205

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8730

बाएँ से दाएँ

1. जनमत-4
4. सचेत, सजग-4
7. सहयात्री, संगी-5
9. रुपया, पैसा -2
11. छोटी सवारी गाड़ी-2
12. घ्राणेंद्रिय-2
13. बेकार-3
15. झुका हुआ-2
16. बसंत काल-3
17. टिड्डा-3
18. अन्वेषण, ढूंढना-2
19. जलने की प्रक्रिया-3
21. एक विदेशी शराब-2
23. कला, हुनर-2
24. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2
25. आत्मबलिदानी-5
29. करामात-4
30. नामसूची-4

ऊपर से नीचे

1. पूजा, प्रार्थना-4
2. मार्ग, पथ-2
3. यमराज, मृत्युदेवता-2
4. स्वच्छ-2
5. दूल्हा, वरदान-2
6. द्वेष, ईर्ष्या-4
8. तमीज, तहजीब-3
10. सेंधमार-5
11. चुगली करना-5
13. देवर्षि-3
14. रसद, खाद्य सामग्री-3
18. भयानक, डरावना-4
20. अक्षर (उर्दू-3)
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5
25. तेज, सत्य-2
26. ईश्वर, भगवान-2
27. रुदन, क्रंदन-2
28. मोमबत्ती (उर्दू-2)

शब्द पहेली -8729 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

18 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 138 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 17.54 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 11.32 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 21.48 बजे को समाप्त।
करण बालव 07.47 बजे, कौलव 17.54 बजे तदनन्तर तैतिल 04.04 बजे तक को समाप्त।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष 05.07 बजे से	1.2 घण्टे
चंद्र	वृष में	मिथुन 07.09 बजे से	रवि क्रांति उत्तर 19° 30'
मंगल	मेष में	कर्क 09.23 बजे से	सूर्य उत्तरायण
बुध	वृष में	सिंह 11.39 बजे से	कलि अहर्गण 1872713
गुरु	मिथुन में	कन्या 13.51 बजे से	जूलियन दिन 2461178.5
शुक्र	मिथुन में	तुला 16.01 बजे से	कलियुग संवत् 5128
शनि	मीन में	वृश्चिक 18.16 बजे से	कल्पारंभ संवत् 1972949128
राहु	कुंभ में	धनु 20.32 बजे से	सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
केतु	सिंह में	मकर 22.37 बजे से	वीरनिर्वाण संवत् 2552
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ 00.24 बजे से	हिजरी सन् 1447
		मीन 01.57 बजे से	महीना ज़िल्काद तारीख 01
		मेष 03.27 बजे से	विशेष रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः गुरु सेर, चेला सवा सेर

एक पाठशाला के गुरुजी अपने आलस्य के लिए इतने मशहूर थे कि कोई भी अपना बच्चा उनके पास नहीं भेजना चाहता था। लेकिन एक दिन एक पिता अपने लड़के को पढ़ाने के लिए आलसी गुरुजी के पास लाए। पिता ने पुत्र को गुरुजी को सौंपते हुए कहा- इसे इच्छे तरीके से पढ़ाना। अच्छी बात है- आलसी गुरुजी ने चिढ़कर कहा। आलस गुरुजी को यह अच्छा नहीं लग रहा था कि काम करना पड़ेगा। फिर भी वे बोले- तुम मुझसे ही पढ़ना चाहते हो तो जाए, अपने लिए एक मेज ले आओ। किसलिए? लड़के ने पूछा। उसके ऊपर पान के पत्ते रखने हैं न और अपने गुरुदेव की प्रार्थना करनी है। यह मेरी पाठशाला का कायदा है। अपना सर खुजाते हुए नए शिष्य ने कहा- तो मैं घुटनों और पंजों के बल खड़ा हो जाता हूं। मेरी पीठ पर पान के पत्ते रखे जा सकते हैं। इस तरह हम दोनों मेहनत से बच जाएंगे। यह सुन कर गुरुजी शिष्य के चरणों पर गिर पड़े और बोले- शाबाश, बेटा! तुमको मुझसे कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है। मुझको जो विद्या सबसे अच्छी आती है, वह है काम करने से बचना। इसमें तुम तो मेरे भी गुरु है।

सूडोकू नवताल- 7515

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7514 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शराब दुकानों पर नहीं लगे क्यूआर कोड, एमआरपी से अधिक दामों की वसूली

शराब सिंडिकेट के सामने आबकारी विभाग नतमस्तक

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रदेश सरकार और आबकारी विभाग इन दिनों शराब दुकानों पर डिजिटल पारदर्शिता का ढिंढोरा पीटते नहीं थक रहे। जनसंपर्क विभाग के माध्यम से बड़े-बड़े दावे परोसे जा रहे हैं कि अब शराब दुकानों पर क्यूआर कोड का डिजिटल पहरा रहेगा, उपभोक्ता मोबाइल से स्कैन कर वास्तविक रेट जान सकेंगे और एमआरपी से अधिक वसूली करने वालों पर कठोर कार्रवाई होगी। मगर जमीनी हकीकत यह है कि शासन-प्रशासन अपनी वाहवाही लूटने के लिए समाचारों का प्रचार तो करा देता है, लेकिन उन्हें धरातल पर उतारने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किया जाता। यही वजह है कि जिले में शराब सिंडिकेट बेलगाम होकर खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है और आबकारी विभाग मूकदर्शक बना बैठा है। यदि शराब ठेकेदारों की इस खुली लूट, मनमानी वसूली और बेलगाम पैकार सिस्टम पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया गया तो किसी न किसी दिन कोई बड़ी अनहोनी घट सकती है, जिसकी जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? बीती 16 मई की रात लांजी-आमगांव मार्ग स्थित शराब दुकान में अधिक राशि वसूली अब सामान्य बात बन चुकी है। विरोध करने पर ग्राहकों से अभद्रता और विवाद तक की नौबत आ रही है। बीती 16 मई की रात लगभग 9.30 बजे लांजी-आमगांव रोड स्थित शराब दुकान में अधिक मूल्य वसूली को लेकर जमकर विवाद हुआ और मामला मारपीट तक पहुंच गया। यदि समय रहते बीच-बचाव नहीं होता तो बड़ा बवाल खड़ा हो सकता था। इसके बावजूद विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई।

विशेष सर्च ऑपरेशन का भी कहीं कोई असर नहीं

आबकारी आयुक्त द्वारा निर्देश जारी किए गए थे कि हर शराब दुकान पर ई-आबकारी पोर्टल से जनरेटेड क्यूआर कोड लगाए जाएं, जमकर %माल कूट सकें। सवाल यह उठ रहा है कि जब गांवों में खुलेआम शराब सप्लाई हो रही है, तब आबकारी विभाग आखिर किस दुनिया में बैठा हुआ है? स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि शराब दुकानों पर एमआरपी से अधिक राशि वसूली अब सामान्य बात बन चुकी है। विरोध करने पर ग्राहकों से अभद्रता और विवाद तक की नौबत आ रही है। बीती 16 मई की रात लगभग 9.30 बजे लांजी-आमगांव रोड स्थित शराब दुकान में अधिक मूल्य वसूली को लेकर जमकर विवाद हुआ और मामला मारपीट तक पहुंच गया। यदि समय रहते बीच-बचाव नहीं होता तो बड़ा बवाल खड़ा हो सकता था। इसके बावजूद विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई।

गांव-गांव पैकारों से बिक रही शराब

तहसील क्षेत्र लांजी में शराब ठेकेदारों का पैकार सिस्टम इन दिनों चरम पर है। गांव-गांव तक शराब पहुंचाने के लिए कथित पैकारों का नेटवर्क सक्रिय कर दिया गया है। शाम ढलते ही मोटरसाइकिलों और निजी वाहनों से शराब की खेप गांवों तक पहुंचाई जा रही है, ताकि अधिक से अधिक बिक्री हो और ठेकेदार जिन्हें स्कैन कर उपभोक्ता शराब की वास्तविक एमआरपी और एमएसपी देख सकें। आदेशों में यह तक तय किया गया था कि ए-3 साइज के मजबूत स्टिकर पर पांच-पांच क्यूआर कोड चस्पा किए जाएं और वृत्त प्रभारी स्वयं मौके पर जाकर जांच करें। मगर लांजी तहसील की शराब दुकानों में अब तक क्यूआर कोड दिखाई नहीं दे रहे। ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो पूरा अभियान केवल फाइलों और प्रेस नोटों तक सीमित था। सबसे शर्मनाक पहलू यह है कि 28 अप्रैल से 7 मई तक चलाए गए कथित विशेष सर्च ऑपरेशन का भी कहीं कोई असर दिखाई नहीं दिया। आबकारी विभाग की टीम इन दस दिनों में जिले की किसी भी तहसील में सक्रिय नजर नहीं आई। न जांच दिखी, न कार्रवाई और न ही किसी लाइसेंसी पर गाज गिरती दिखाई दी। इससे साफ जाहिर होता है कि विभागीय अभियान सिर्फ खानापूर्ति और कागजी शेर साबित हुआ।

केवल अखबारों की सुर्खियां बनने के लिए थी डिजिटल निगरानी

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन वास्तव में गंभीर होता तो गांव-गांव सक्रिय पैकार सिस्टम पर सबसे पहले कार्रवाई होती। मगर यहां तो हालात उलटे हैं - शराब सिंडिकेट की कमाई निर्बाध चलती रहे, इसके लिए विभागीय आंखें बंद कर ली गई हैं। यही कारण है कि सरकारी आदेशों की धज्जियां उड़ रही हैं और शराब माफिया बेखौफ होकर नियमों को ठेंगा दिखा रहे हैं। अब सवाल सीधे प्रशासन और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर खड़े हो रहे हैं। आखिर जब शासन खुद नियम बना रहा है तो उनका पालन कौन कराएगा? क्या क्यूआर कोड और डिजिटल निगरानी केवल अखबारों की सुर्खियां बनने के लिए थी? और यदि नहीं, तो फिर जिले में खुलेआम लूट रही इस मनमानी पर कार्रवाई कब होगी?

तपिश, उमस और बिजली कटौती ने बढ़ाई लोगों की मुसीबत

बारिश के बाद और तीखे हुए गर्मी के तेवर, साप्ताहिक बाजार में भी पसरा सन्नाटा

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में इन दिनों भीषण गर्मी और उमसभरी तपिश ने लोगों का जीना दूभर कर दिया है। 15 मई की सुबह हुई मूसलाधार बारिश से लोगों को कुछ समय के लिये राहत की उम्मीद जरूर बंधी थी, मगर बारिश थमते ही निकली चुभती धूप और वातावरण में घुली उमस ने हालात और ज्यादा बेहाल कर दिये। दिन चढ़ते ही सड़कों पर वीरानी छाने लगती है और दोपहर के समय नगर की प्रमुख सड़कें लगभग सूनी नजर आती हैं। तेज गर्मी का आलम यह है कि पंखे और कूलर भी बेअसर साबित हो रहे हैं। लोग पसीने और शरीर में हो रही जलन से खासे परेशान दिखाई दे रहे हैं। घरों के भीतर घुटन और बाहर तपती हवाओं ने आम जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। ऊपर से लगातार हो रही विद्युत कटौती लोगों के लिये %आफत में इज़ाफ़ा' साबित हो रही है। बिजली गुल होते ही घरों और दुकानों में बेचैनी का माहौल बन जाता है। छोटे बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोग सबसे ज्यादा परेशान हैं।

साप्ताहिक बाजार भी पड़ा फीका, व्यापारी हलाकान

रविवार को लगने वाला लांजी का साप्ताहिक बाजार भी इस बार गर्मी की मार से सूना-सूना नजर आया। सामान्य दिनों में जहां बाजार में अच्छी-खासी रौनक रहती है, वहीं इस बार दोपहर होते-होते बाजार में सन्नाटा पसर गया। तेज धूप और उमस के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से बचते रहे, जिससे व्यापारियों को भी मायूसी का सामना करना पड़ा। कई दुकानदार दिनभर ग्राहकों का इंतजार करते दिखाई दिये। मौसम के लगातार बदलते मिज़ाज ने लोगों की दिनचर्या को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। सुबह से ही सूरज की तल्ख किरणें लोगों को परेशान करने लगती हैं, जबकि शाम ढलने के बाद भी गर्म हवाओं से राहत नहीं मिल पा रही। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट और बिजली कटौती की समस्या ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

राहत मिलने के आसार कम

मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में भी गर्मी और उमस से तत्काल राहत मिलने के आसार कम दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और गर्मी से सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। पिछले एक सप्ताह का तापमान क्रमशः 10 मई 39 डिग्री से., 11 मई 40 डिग्री से.,12 मई 41डिग्री से., 13 मई 42डिग्री से.,14 मई 43डिग्री से., 15 मई 40 डिग्री से. मूसलाधार बारिश के बाद उमस बढ़ी, 16 मई 41डिग्री से. वहीं 17 मई को 42 डिग्री से. तापमान दर्ज किया गया है।

उत्कृष्ट कार्य करने पर शिक्षक नरेंद्र कुमार डोहरे को एसडीएम ने किया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राष्ट्रीय जनगणना कार्य के तहत आवॉटित क्षेत्र एसएलबी ००७६ कायदी में उत्कृष्ट और समयबद्ध कार्य करने पर शासकीय उच्च माध्यमिक शाला कायदी के विज्ञान सहायक शिक्षक नरेंद्र कुमार डोहरे को एसडीएम कार्यालय में सम्मानित किया गया। श्री डोहरे ने

अपने क्षेत्र के जनगणना मकान नंबर १७६ और परिवार नंबर ११८ का कार्य १०० प्रतिशत शुद्धता के साथ समय सीमा से पहले ही पूर्ण कर लिया था। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, तहसीलदार वंदना कुसराम एवं नायब तहसीलदार सुरेश उपाध्याय के द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। शिक्षक नरेंद्र कुमार डोहरे ने राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को गंभीरता से लेते हुए ६ मई 2026 को ही १०० प्रतिशत पूर्ण कर लिया था। इसके बाद अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय में गरिमामय कार्यक्रम के बीच उन्हें यह सम्मान दिया गया। इस कार्य को समय से पहले और त्रुटिहीन तरीके से संपन्न कराने में पूरी टीम की भूमिका महत्वपूर्ण रही। कार्य के दौरान सुपरवाइजर ओमकार भलावी, ऑपरेटर राकेश देशमुख और अश्विनी राहंगडाले सहित समस्त टीम का विशेष सहयोग रहा।

विस्फोटक सामग्री प्रतिष्ठानों की जांच तेज, स्टॉक एवं सुरक्षा व्यवस्था का किया जा रहा सत्यापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देवास जिले में गत दिनों पटाखा फैक्ट्री में हुई दुर्घटना की गंभीरता से लेते हुए बालाघाट जिले में भी प्रशासन द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर जिले में विस्फोटक सामग्री का उपयोग एवं भंडारण करने वाले प्रतिष्ठानों की लगातार जांच की जा रही है। साथ ही सुरक्षा मानकों, स्टॉक रजिस्टर एवं लाइसेंस संबंधी व्यवस्थाओं का भी भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। इसी क्रम में गत दिवस तहसील लालबर्रा अंतर्गत पेंसिफिक मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड एवं जेके मिनरल्स कर्टगझरी स्थित विस्फोटक सामग्री भंडारण स्थलों का निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन किया गया। जांच के दौरान अधिकारियों द्वारा सुरक्षा व्यवस्था, निर्धारित मानकों के पालन तथा विस्फोटक सामग्री के रख-रखाव संबंधी बिंदुओं का अवलोकन किया गया। इसके अलावा तहसील लालबर्रा के ग्राम डूंगरिया में सुहेल अजीज खान के लाइसेंसी विस्फोटक सामग्री भंडारण स्थल का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वहां किसी प्रकार की विस्फोटक सामग्री नहीं पाई गई। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में विस्फोटक सामग्री के भंडारण एवं उपयोग से जुड़े सभी प्रतिष्ठानों की नियमित जांच जारी रहेगी। सुरक्षा मानकों की अनदेखी अथवा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाएगी। जिला प्रशासन ने आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए संबंधित प्रतिष्ठानों को निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश में पेपर लैस कार्य संस्कृति को किया जा रहा प्रोत्साहित-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में पेपरलेस कार्य संस्कृति को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। नागरिकों को एमपी ई-सेवा पोर्टल एवं मोबाइल ऐप पर सरकार के 56 विभागों की 1700 सेवाएं एक ही पोर्टल पर उपलब्ध हैं। प्रदेश में साइबर तहसीलों की स्थापना हो चुकी है। इस नवाचार को प्रधानमंत्री पुरस्कार भी मिल चुका है। भोपाल में देश के पहले साइबर पंजीयन कार्यालय की शुरुआत की गई है। प्रदेश में ई-जीरो एफआईआर का भी शुभारंभ किया गया है। मंत्रि-परिषद की कार्यवाही पूर्णतः पेपरलैस हो चुकी है, जिससे न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता भी बढ़ी है। प्रदेश में सुशासन के साथ ग्रीन गवर्नेंस को भी बढ़ावा मिल रहा है। इन नवाचारों से प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं और जन सामान्य से जुड़ी सेवाओं तक आम आदमी की पहुंच को आसान और उनके उपयोग को सरल व सुगम बनाया जा रहा है। सर्वोच्च अदालत के मुख्य न्यायाधीश-न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने जबलपुर के एक कार्यक्रम में प्रदेश में पेपर लैस कार्य प्रणाली को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, पूर्णतः पेपरलैस बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। इससे पर्यावरण को भी संबल मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी के सुशासन के मंत्र को आत्मसात करते हुए मिनिमम गवर्नमेंट- मैक्सिमम गवर्नेंस के मूल मंत्र के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में गुड गवर्नेंस के नए आयाम स्थापित करने की दिशा में सक्रिय हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्यालयों में फाइलों की मॉनिटरिंग, समयबद्ध निराकरण और उत्तरदायित्व सुनिश्चित हुआ है। इससे भ्रष्टाचार में कमी, पारदर्शिता में वृद्धि तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं में गति आई है। लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। सीएम हेल्पलाइन नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रही है। संपदा 2.0 सॉफ्टवेयर सिस्टम के माध्यम से प्रदेश में रजिस्ट्री की सुविधा अब लोगों के लिए आसान हुई है। नागरिक अब घर बैठे दस्तावेज के पंजीयन करवा रहे हैं। वारंट और समन की तामील के लिए ई-तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। मध्यप्रदेश, ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि पारदर्शिता और जवाबदेही, सुशासन के दो मजबूत स्तंभ हैं और एक -दूसरे के पूरक भी। पारदर्शिता से जवाबदेही मजबूत होती है और जवाबदेही स्वयं पारदर्शिता की कारक होती है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डिजिटल क्रांति ने देश में सर्विस डिलीवरी और व्यवस्था की जवाबदेही को मजबूती दी है। तकनीक आज सामाजिक परिवर्तन के साथ व्यवस्था में बदलाव का भी प्रमुख कारक बन गई है। तकनीक के इस बदलते दौर में प्रदेश के न्यायालय तेजी से बदल रहे हैं। वर्षों तक न्यायिक प्रक्रिया कागजी अभिलेखों पर आधारित रही। एफआईआर से लेकर चार्जशीट, केस डायरी, मेडिकल रिपोर्ट, फॉरेंसिक रिपोर्ट, समन, वारंट और अंतिम निर्णय हर चरण पर भौतिक दस्तावेजों का आदान-प्रदान होता था। अब डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के माध्यम से हम एंड-टू-एंड ई-प्रोसीडिंग की ओर बढ़ रहे हैं। ई-फाइलिंग, ई-समन, डिजिटल केस मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) और इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं न्यायिक प्रशासन को अधिक कुशल बना रही हैं। महाधिवक्ता कार्यालय में भी पेपरलैस प्रणाली स्थापित करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। केस मैनेजमेंट, डिजिटल रिकॉर्ड, ऑनलाइन केस ट्रैकिंग एवं विभागीय समन्वय के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग बढ़ाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपने अधिकारों को जानना जरूरी है। कमजोर वर्गों, महिलाओं और बुजुर्गों में कानूनी जागरूकता बढ़ाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। कानून की भाषा ऐसी होनी चाहिए जो न्याय चाहने वाले व्यक्ति को सरलता से समझ में आ जाए। राज्य सरकार जन सामान्य में कानूनी जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर कार्यरत है। डिजिटल समय में कानूनी प्रक्रियाओं को डिजिटली सशक्त करने से न्याय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और उपयोगकर्ता अनुकूल बनाने में मदद मिलेगी जो लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक सशक्त और जीवंत बनाने में सहायक होगी।

एसबीआई के रिटायर्ड कर्मचारी को पेंशन कार्ड का झांसा देकर 5 लाख की ठगी

भोपाल। भारतीय स्टेट बैंक के रिटायर्ड कर्मचारी को फेसबुक पर ऐड देखकर पेंशन कार्ड बनवाना महंगा पड़ गया। साइबर ठग ने लिंक भेजकर उनके से खाते से मोबाइल नंबर व ओटीपी की जानकारी ले ली। इसके बाद शातिर ने कुछ घंटों में ही उनके खाते से अलग-अलग किस्तों में 5 लाख 44 हजार 912 रुपए निकाल लिए। शिकायत मिलने पर मिसरोद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक इंडस टाउन में रहने वाले विश्वनाथ तोमर (64) भारतीय स्टेट बैंक से रिटायर्ड हैं, बीती 17 अप्रैल को वह मोबाइल पर फेसबुक चला रहे थे। इसी दौरान उन्होंने बैंककर्मियों के पेंशन कार्ड बनाने संबंधी एक विज्ञापन देखा। क्योंकि तोमर को भी पेंशन कार्ड बनवाना था, इसलिए उन्होंने इस विज्ञापन को ओपन कर देखा। विज्ञापन में दिए गए फार्मेट में उन्होंने अपना मोबाइल नंबर डाला तो उनके पास एक व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को बैंक का कर्मचारी बताते हुए कहा की कुछ घंटो में ही आपका पेंशन कार्ड बन जाएगा। इसके बाद उसने विश्वनाथ तोमर को वाट्सएप पर एक लिंक भेजी। लिंक को खोलने के बाद फरियादी ने दिए गए फार्म में फरियादी ने अपना बैंक खाता नंबर, मोबाइल नंबर व पेंशन का पीपीओ नंबर लिख दिया। इसके बाद उनसे लिंक में प्रोसेस शुरू होने की बात कही गई।

श्रीमती उदासा बाई तिलकदास मस्करे पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम चिखली निवासी एवं पंचायत दुलापुर, में पदस्थ पंचायत सचिव ऋषि कुमार मस्करे की माता जी श्रीमती उदासा बाई तिलकदास मस्करे का 85 वर्ष की

आयु में 16 मई को रात्रि 8 बजे निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार 17 मई को सुबह 11:00 बजे चिखली के मोक्षधाम में किया गया। आप अपने पीछे तीन पुत्र ऋषि कुमार मस्करे (पंचायत सचिव), रामेश्वर मस्करे (सेवा निवृत्त शिक्षक) एवं नारायण मस्करे व तीन पुत्री का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गई। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में इष्टमित्र, रिश्तेदार, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों ने शामिल होकर उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की तथा इस दुख की घड़ी में ईश्वर से परिवार को शक्ति प्रदान करने तथा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की।

गायत्री प्रज्ञा पीठ आवा में प्राण प्रतिष्ठा के द्वितीय वार्षिकोत्सव पर हुआ एक कुंडीय गायत्री महायज्ञ

पद्मेश न्यूज। लांजी। गायत्री प्रज्ञा पीठ आवा में गायत्री माता के विग्रह के प्राण प्रतिष्ठा का द्वितीय वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में रविवार

17 मई को एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रातः 9 बजे से एक कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। जिसमें श्रद्धालुओं के द्वारा यज्ञ में भाग लेकर गायत्री महामंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र की आहुतियां दी गई। यह का संचालन गायत्री प्रज्ञा पीठ आवा के व्यवस्थापक रेवाराम कबीरे, महिला प्रकोष्ठ के क्लाक प्रभारी श्रीमती नम्रता कबीरे दीदी द्वारा संचालित किया गया। जिसमें नवगठित ट्रस्ट के सदस्यों हांसिचंद कबीरे, हेमंत भारद्वाज, श्रीमती प्रेमलता बिलावर, प्रेमलता कबीरे, पुष्पा नंदकिशोर कबीरे, संतोषी कबीरे, ललिता कबीरे, कुंती बाई, उर्मिला बाई, इंदिरा सुशिला, मुन्नी बाई, ललिता नरेश कबीरे, पुष्पा, कुमकुम, गुलशन आदि की सक्रिय भागीदारी रही।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

राजधानी एक्सप्रेस अग्निकांड

मौत के मुंह से निकले 68 यात्री

भोपाल। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में तिरुवनंतपुरम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12431) के एक एसी (८ष्ट) कोच में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। यह हादसा कोटा रेलवे डिवीजन के विक्रमगढ़ आलोट और लुनीरिछा स्टेशनों के बीच सुबह करीब 5¬15 बजे हुआ, जब ट्रेन के क्र-1 कोच से अचानक आग की लपटें उठने लगीं।

कोच के भीतर 68 यात्री सवार थे और चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल था। लेकिन रेलवे की मुस्तैदी और त्वरित एक्शन की वजह से महज 15 मिनट के भीतर एक बड़ा चमत्कार हुआ और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

15 मिनट का वो जांबाज रेस्क्यू- कैसे बची यात्रियों की जान?

पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (छ्रक्रह्र) हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि ट्रेन सुबह करीब 3¬45 बजे रतलाम जंक्शन से रवाना हुई थी। सुबह सवा पांच बजे जैसे ही क्र-1 कोच में आग लगने की सूचना मिली, रेलवे स्टाफ तुरंत एक्शन मोड में आ गया...

कोच को किया अलग-

आग को पूरी ट्रेन में फैलने से रोकने के लिए सबसे पहले प्रभावित क्र-1 कोच को ट्रेन के बाकी हिस्सों से काटकर अलग किया गया।

पावर सप्लाई की गई बंद¬ सुरक्षा उपायों के तहत रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरने वाली ओवरहेड इलेक्ट्रिक सप्लाई (ह॥श्च) को तुरंत बंद कर दिया गया ताकि करंट फैलने का खतरा न रहे।

15 मिनट में खाली हुआ कोच¬ धुएं और लपटों के बीच रेलवे कर्मियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए मात्र 15 मिनट के अंदर कोच में मौजूद सभी 68 यात्रियों को सुरक्षित नीचे उतार लिया।

राहत कार्य में जुटीं कई टीमें, स्थिति पर काबू

हादसे की खबर मिलते ही रेलवे कंट्रोल ने तुरंत मौके पर मेडिकल टीमें, एंबुलेंस और आपातकालीन कर्मियों को रवाना किया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि त्वरित कार्रवाई के कारण सभी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकी। मौके पर सिविल प्रशासन की टीमों के साथ दमकल की तीन गाड़ियां पहुंचीं और सामूहिक प्रयासों से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

इस अग्निकांड के बाद ट्रैक को बहाल करने और मरम्मत कार्य से जुड़ी एक और दुखद घटना सामने आई। श्याम नगर से आलोट की तरफ ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन (ह॥श्च) की मरम्मत का सामान और उपकरण ले जा रही रेलवे की एक वैन अचानक पलट गई।

CPRO हर्षित श्रीवास्तव के मुताबिक, सड़क पर अचानक एक गाय के आ जाने के कारण चालक ने संतुलन खो दिया और वैन पलट गई। इस हादसे में पांच रेलवे कर्मचारी घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जबकि घटनास्थल पर ट्रैक बहाली का काम युद्धस्तर पर जारी रहा।

अब सीएनजी भी महंगी थिंक एजेंसी ने रू 3 किलो तक बढ़ाए दाम

भोपाल। पेट्रोल-डीजल के बाद अब सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) भी महंगी हो गई है। शनिवार रात 3 रुपए प्रतिकिलो तक रेट बढ़े हैं। भोपाल में 1 किलो गैस के रेट अब 93.75 रुपए हो गए हैं। नई कीमतें आज से लागू होंगी।

मध्य प्रदेश में 3 गैस एजेंसियां- थिंक, गेल और अवंतिका सीएनजी की सप्लाई करती हैं। भोपाल, सीहोर, राजगढ़, विदिशा समेत आसपास के जिलों में थिंक कंपनी सप्लाई करती है, जबकि इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर संभाग में अवंतिका की सप्लाई है। गेल कंपनी की भी कई जिलों में सप्लाई है। भोपाल समेत आसपास के जिलों में दो महीने में दूसरी बार कीमतें बढ़ी हैं। इससे पहले करीब 2 रुपए बढ़े थे। इस तरह दो महीने में सीएनजी 5 रुपए प्रति किलो तक महंगी हो गई है।

ग्वालियर में भी एक रुपए किलो बढ़े रेट

वहीं ग्वालियर में अवंतिका एजेंसी ने सीएनजी की कीमत में ?1 की बढ़ोतरी कर दी है। एक दिन पहले 95 पर किलो थी, जो अब बढ़कर 96 रुपए किलो हो गई है।

भोपाल के 25 पंपों पर सीएनजी

राजधानी में कुल 152 पेट्रोल पंप है। इनमें से 12 पंप ऐसे हैं। जहां सीएनजी गैस भी मिलती है। वहीं थिंक गैस के मैनिट, नीलबड़, होशंगाबाद रोड, बैरागढ़ रोड समेत कई जगहों पर भी कुल 25 स्टेशन है। यहां पर रेट बढ़े हैं।

50 तक बढ़ी सीएनजी गाड़ियों की बिक्री

पिछले तीन साल में भोपाल में सीएनजी गाड़ियों की बिक्री 50 तक बढ़ी है। शोरूम से हर रोज सीएनजी बेस्ड 10 से 15 गाड़ियां बिक रही हैं। इसकी मुख्य वजह पेट्रोल-डीजल के मुकाबले सीएनजी से एवरेज ज्यादा मिलना है। वहीं, सीएनजी के रेट भी कम है।

सरकार को आबकारी विभाग सें 20,481 करोड़ रुपए राजस्व का अनुमान

भोपाल। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति के तहत मध्य प्रदेश की सभी 3553 शराब दुकानों की बिक्री पूरी हो गई है। इन दुकानों से सरकार को 18,676.80 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त होगा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.33 प्रतिशत अधिक है। वहीं अन्य स्रोतों से लगभग 1775 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय का अनुमान लगाया गया है, जो कुल राजस्व का करीब 9.5 प्रतिशत है। इस तरह आबकारी विभाग को कुल 20,481.80 करोड़ रुपए के राजस्व संग्रह की उम्मीद है, जो वित्त विभाग द्वारा निर्धारित 20,279 करोड़ रुपए के लक्ष्य से अधिक है। राज्य सरकार ने वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति और उससे जुड़े विषयों पर निर्णय लेने तथा आगामी वर्षों के लिए सुझाव तैयार करने के उद्देश्य से मंत्रि-परिषद समिति का गठन किया है। उप मुख्यमंत्री एवं वाणिज्यिक कर विभाग की अध्यक्षता में आयोजित समिति की बैठक में मदिरा दुकानों और समूहों पर प्राप्त ऑफरों की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि 24वें चरण में कई दुकानों और समूहों के लिए आरक्षित मूल्य से अधिकतम 65 प्रतिशत तक कम ऑफर प्राप्त हुए थे। वहीं 10वें, 11वें और 21वें चरण में प्राप्त कुछ ऑफर पहले से होल्ड पर रखे गए थे। आबकारी नीति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 24वें चरण के ऑफर और पहले से होल्ड ऑफर की तुलना कर जो भी उच्च मूल्य का ऑफर पाया गया, उसे स्वीकार करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा 10वें, 11वें और 21वें चरण में प्राप्त कुछ उच्चतम ऑफरों को बाद में स्वीकृति दी गई। टेंडर अवधि और स्वीकृति तिथि में अंतर होने की स्थिति में वार्षिक मूल्य में छूट देने के लिए राजपत्र की कंडिका 38.8 के अनुसार संबंधित कलेक्टरों को अधिकृत किया गया है।

डामर व्यापारी के साथ मुंबई की कंपनी ने की 85 लाख की धोखाधड़ी

भोपाल। शहर के निशातपुरा थाना इलाके में एक डामर व्यापारी के साथ मुंबई की कंपनी द्वारा धोखाधड़ी करते हुए 85 लाख 74 हजार की रकम हड़पने का मामला सामने आया है। यह मामला करीब तीन साल पुराना है, इस दौरान फरियादी व्यापारी लगातार मुंबई की कंपनी से संपर्क करता रहा और कंपनी द्वारा सामान पहुंचाने का आश्वासन मिलने पर यह मामला टलता गया। आखिरकार परेशान होकर पीड़ित व्यापारी ने निशातपुरा थाने में शिकायत कीपुलिस ने जॉंच के बाद मुंबई की कंपनी के तीन लोगों पर नामजद एफआईआर दर्ज की है। आगे की जॉंच में पुलिस संबंध में कंपनी और व्यापारी दोनों से दस्तावेज तलब कर रही है। थाना पुलिस के अनुसार संजीव नगर स्थित क्लासिक अपार्टमेंट निवासी निखिल गुप्ता ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की वह भोपाल में डामर के व्यापारी हैं। और मुंबई सहित अन्य स्थानों से कच्चा डामर खरीदकर भोपाल में सप्लाई का काम करते हैं। करीब तीन साल पहले 2023 में उन्होंने मुंबई की एक थोक कंपनी से कच्चा डामर खरीदने के लिए एडवांस में पेमेंट किया। इसके पहले भी वे मुंबई की कंपनी के साथ व्यापार कर चुके थे। ऐसे में कंपनी के पदाधिकारी पंकज पटेल, अमीषा, दिनेश नागाजीभाई से संपर्क में आए और कच्चा डामर खरीदने के लिए उन्होंने ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से करीब 85 लाख 74 हजार रुपए कंपनी के एकाउंट में भेज दिये। रकम लेने के बाद कंपनी ने तय समय से अधिक समय बीत जाने पर भी सामान नहीं भेजा तो निखिल ने कंपनी के पदाधिकारियों के लगातार संपर्क करना शुरु किया। कपंनी के लो उन्हें सामान भेजने का आश्वासन देते रहे। करीब डेढ़ साल बीतने के बाद न तो उन्हें अपनी रकम वापस मिली और न ही सामान मिला। आखिरकार उन्होंने निशातपुरा थाने में लिखित शिकायत की। आवेदन की जॉंच के बाद पुलिस ने कंपनी के तीनों पदाधिकारियों पर नामजद प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

ट्विशा शर्मा के परिजनों ने सीएम हाउस के बाहर किया हंगामा

भोपाल। राजधानी भोपाल में रिटायर्ड जज एवं वर्तमान में जिला उपभोक्ता फोरम बैंच-2 की अध्यक्ष गिरिबाला सिंह की बहू ट्विशा शर्मा द्वारा खुदकुशी किये जाने पर मृतका के परिवार वालो का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। प्रकरण में पुलिस कार्यवाही पर सवालिया निशान उठाते हुए परिजनो ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास के सामने हंगामा कर दिया। दोपहर करीब साढ़े बारह बजे से प्रदर्शन कर रहे परिजनो ने मुख्य द्वार पर खड़े होकर मुख्यमंत्री से मिलने की गुहार लगाई।

- गिरिबाला सिंह को मिली जमानत से परिजो का आक्रोश बढ़ा

गौरलब है की मामले में कटारा हिल्स पुलिस ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह के खिलाफ दहेज हत्या सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। प्रकरण में गिरिबाला सिंह को कोर्ट ने जमानत दी है, जिसके बाद परिजन और भड़क गये। उचित कार्यवाही की मांग पर अड़े परिजनो ने पॉच दिन बाद भी बेटी का शव लेने से इंकार कर दिया। सीएम हाउस के बाहर परिजनो को समझाइश देते हुए स्टाफ ने उन्हें समस्या लिखकर देने और उनकी बात सीएम तक पहुंचाने का आश्वासन दिया, लेकिन परिजन मिलने की मांग पर अड़े रहे। हंगामे की सूचना मिलने पर श्यामला हिल्स थाना पुलिस सहित अन्य आला अधिकारियो ने भी मौके पर पहुचंकर उन्हें समझाइश देने का प्रयास किया। बाद में सीएम हाउस के सामने चार थानों से पुलिस बल बुलाया गया। वहीं महिला पुलिस कर्मचारियों को भी सीएम हाउस के बाहर तैनात किया गया।

- भाई-पिता को चर्चा के लिये अंदर बुलाया

काफी समय तक ट्विशा शर्मा की मां,भाई समेत अन्य परिजन सीएम हाउस के बाहर बैठे रहे। बाद में ट्विशा शर्मा के पिता और भाई को सीएम हाउस के अंदर चर्चा के लिए बुलाया गया। उनकी मुख्यमंत्री सचिवालय में अधिकारियों से बातचीत हुई। इस दौरान परिजन मुख्यमंत्री निवास के सामने हाथों में तख्तियां लेकर खड़े रहे और जमकर नारेबाजी की।

- पुलिस जॉच पर उठाये सवाल, शव का दिल्ली एम्स में पीएम कराने की मांग

परिजनो ने मांग की है कि ट्विशा के शव का दिल्ली एम्स में पोस्टमार्ट्म कराया जाए। यहां एम्स में उसके ससुराल के लोग पोस्टेड हैं। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में उसकी मौत का कारण हैंगिंग बताया गया गई है लेकिन शरीर? पर मल्टीपल इंजरी (कई चोटें) मिली हैं। ?ससुराल पक्ष द्वारा शव मांगने पर मायके वालों ने? उन्हें शव देने से इनकार कर दिया गया।

- सीएम के ओएसडी से हुई मुलाकात, दोबारा पीएम के लिये कोर्ट के आदेश का इंतेजार

सीएम हाउस में मुख्यमंत्री के ओसडी से ट्विशा के पिता और भाई की मुलाकात हुई। मुलाकात के बाद ट्विशा के पिता नवनीधी शर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा की सीएम हाउस से उनके परिवार को उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया है। उन्होनें कहा की हमारी दो मांग है, पहली पोस्टमार्टम फिर से दूसरे प्रदेश में कराया जाए और प्रकरणकी सुनवाई भी दूसरे राज्य में होना चाहिए, मामले की सुनवाई एमपी में इसलिए नहीं चाहते क्योंकि जो आरोपी वहीं आरोपी ज्यूडिशरी सिस्टम में है। उन्होनें आगे कहा की दूसरी बार पोस्टमार्टम को लेकर जब तक न्यायालय का आदेश नहीं आ जाता तब तक बॉडी को प्रिजव्र करके रखा जाएगा। नवनीधी शर्मा ने बताया की अभी परिवार में चर्चा होगी उसके बाद आगे का फैसला लिया जाएगा

- सोशल मीडिया पर बनाया 'जस्टिस फॉर ट्विशा' हैंडल

ट्विशा को न्याय दिलाने के लिए सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। ऐसे ही एक वीडियो में बताया गया है, कि ट्विशा मां से बात कर रही थी, तभी कॉल डिस्कनेक्ट हो जाता है। बाद में परिजनो को बताया गया कि उसकी मौत हो गई। आपको क्या लगता है यह सुसाइड है या मर्डर?। परिवार ने फ्रजस्टिस फॉर ट्विशाफ्र नाम से इंस्टाग्राम हैंडल बनाकर मामले से जुड़े पोस्ट और वीडियो शेयर किए हैं। इसके अलावा एक्स (ट्विटर) समेत अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए भी वे लोगों तक अपनी बात पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

- जॉच के लिये पुलिस कमिश्नर ने बनाई एसआईटी

परिवार वालो के आक्रोश को देखते हुए शनिवार को पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने पुरे प्रकरण की बारीकी से जॉच के लिये शनिवार को एसआईटी का गठन किया है। जिसका नेतृत्व में स्रोत एसीपी रजनीश कश्यप कौल करेंगे।

- 12 मई को ट्विशा ने छत पर की थी खुदकुशी

उल्लेखनीय है की गिरिबाला सिंह की बहू और उनके बेटे समर्थ सिंह की पत्नी 31 वर्षीय ट्विशा शर्मा ने मंगलवार रात बाग मुंगालिया एक्सटेंशन स्थित घर की छत पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। परिजन एफआईआर पर अड़े हुए थे। उनका आरोप है कि पुलिस दबाव में दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं कर रही थी। गुरुवार रात पुलिस ने एसीपी के जांच प्रतिवेदन पर गिरीबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज कर लिया था। इस मामले में गिरीबाला सिंह को भोपाल जिला अदालत से जमानत मिल गई है। परिजनो का आरोप है, की 12 दिसंबर 2025 को हुई शादी के बाद से? उसका पति और सास ट्विशा को? मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। मृतका प्रियांशा शर्मा मूल रूप से नोएडा की रहने वाली थी। उसकी शादी करीब एक साल पहले समर्थ से हुई थी। उसका भाई हर्षित शर्मा भारतीय सेना में मेजर है। परिजनों का कहना है, कि जब तक उनकी मांग नहीं मानी जायेगी वह बेटी का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे।

एमएसपी घोषित करना ही पर्याप्त नहीं है, उसे कानूनी अधिकार बनाया जाना चाहिए-जीतू

भोपाल । खरीफ फसलों को लेकर केन्द्र द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपीको लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री और केन्दीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है। अजसमें उन्होंने कहा है कि एमएसपी घोषित करना ही पर्याप्त नहीं है, उसे कानूनी अधिकार बनाया जाना चाहिए। इसके लिए पटवारी ने कुछ सुझाव भी दिए है।

पटवारी ने लिखा है कि केंद्र सरकार द्वारा खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की नई सूची जारी की गई है। हर वर्ष की तरह इस बार भी किसानों को बड़े-बड़े आंकड़े और बढ़े हुए समर्थन मूल्य दिखाए जा रहे हैं, लेकिन मध्य प्रदेश सहित देशभर का किसान आज भी अपनी उपज घोषित एमएसपी से कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सरकार कागजों में समर्थन मूल्य बढ़ाने का प्रचार करती है, लेकिन मंडियों में किसान को उसका वास्तविक लाभ नहीं मिल पाता। खुले बाजार में व्यापारी एमएसपी से नीचे कीमत तय करते हैं और शासन/प्रशासन मूकदर्शक बना रहता है। किसान की मेहनत, लागत और भविष्य, तीनों का ही लगातार खुला शोषण हो रहा है।

मैं आप दोनों से यह स्पष्ट करने का आग्रह करता हूं कि वर्तमान एवं पूर्व में घोषित एमएसपी सूची में ऐसी कौन-सी फसल है, जिसकी मध्य प्रदेश में वास्तविक खरीदी समर्थन मूल्य पर हो रही है? यदि सरकार दावा करती है कि किसानों को एमएसपी मिल रहा है, तो प्रदेश की मंडियों और खरीद केंद्रों की संयुक्त जमीनी पड़ताल की जाए। मैं स्वयं किसानों के बीच जाकर असलियत देखने के लिए तैयार हूं!!

मेरा स्पष्ट मानना है कि अब केवल एमएसपी घोषित करना ही पर्याप्त नहीं है, उसे कानूनी अधिकार बनाया जाना चाहिए। भूमिपुत्रों के वास्तविक कल्याण के लिए मेरे कुछ सुझाव भी हैं!

01. मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बने, जहां एमएसपी को कानूनी गारंटी प्रदान की जाए!

02. एमएसपी से कम कीमत पर किसानों की उपज खरीदना दंडनीय अपराध घोषित किया जाए!

03. न्यूनतम मूल्य सुनिश्चित करने हेतु सख्त निगरानी और पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए!

04. प्रत्येक मंडी में वास्तविक समय पर मूल्य निगरानी तंत्र स्थापित हो और शिकायत पर तत्काल कार्रवाई हो।

मध्य प्रदेश इस पहल की शुरुआत इसलिए भी कर सकता है, क्योंकि यह केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का गृह राज्य है। यदि यहां किसानों को एमएसपी की कानूनी सुरक्षा मिलती है, तो यह पूरे देश के लिए न्यू एग्रो मॉडल' बन सकता है!

25 साल से निरंतर सत्ता में रहने का जनादेश लेकर बैठी हुई भाजपा को अब यह समझना ही होगा कि किसान घोषणा के साथ गारंटी चाहता है! उसे कोरे भाषण नहीं, अब अपनी मेहनत का सम्मान भी चाहिए!

पटवारी नें उम्मीद जताई कि आप दोनों किसान हित में गंभीरता से विचार करेंगे और मध्य प्रदेश को किसानों के अधिकारों की रक्षा करने वाला अग्रणी राज्य बनाने का साहसिक निर्णय तत्काल लेंगे!

निर्यात पर रोक के बाद भी गर्मी में ऊंचे ब्रांड की बीयर गायब, कुछ ब्रांड के वसूल रहे मनमाने दाम

भोपाल। प्रदेश में गर्मी से लोग हलाकान है ऐसे में कुछ लोग ठंडक पाने के लिए बीयर का सहारा लेते है लेकिन प्रदेश की अधिकांश शराब दुकान से पसंदीदा ब्रांड की बीयर न मिलने से लोग परेशान है जिसका जिक्र वह अपने सोशल मीडिया एकांउट पर पोस्ट करके भी कर रहे है। इधर लोकप्रिय ब्रांड की किल्लत का फायदा शराब ठेकेदार भी उठा रहे हैं और वे पसंदीदा ब्रांड के लिए प्रति बोतल 50 और कैन के लिए 70 रुपये तक अधिक ले रहे हैं।

प्रदेश में शराब दुकानों पर बीयर की कमी ने लोगों और ठेकेदारों दोनों को परेशान कर रखा है। आलम यह है कि प्रदेश के अधिकांश जिलों में लोकप्रिय ब्रांड्स की बीयर की न तो बोतलें उपलब्ध हैं और न ही कैन। आबकारी विभाग ने प्रदेश में बीयर की कमी को दूर करने के लिए न केवल शराब दुकानों पर राशनिंग लागू कर दी थी, बल्कि प्रदेश से अन्य राज्यों और विदेशों में जाने वाली बीयर पर भी रोक लगा दी है। इसके बाद भी ग्राहकों की डिमांड पूरी नहीं हो पा रही है। ऐसे में शौकीन ग्राहक खाली हाथ लौट रहे हैं। इसके साथ ही शराब ठेकेदार भी चिंतित हैं।

क्योंकि इससे उनकी बिक्री भी प्रभावित हो रही है। आबकारी विभाग के सूत्रों के अनुसार एमपी में फिलहाल एक शराब दुकान को अधिकतम 300 पेटी बीयर की ही सप्लाई की जा रही है। इधर लोकप्रिय ब्रांड की किल्लत का फायदा शराब ठेकेदार भी उठा रहे हैं और वे पसंदीदा ब्रांड के लिए प्रति बोतल 50 और कैन के लिए 70 रुपये तक अधिक ले रहे हैं। आबकारी विभाग के पास भी ऐसी शिकायतें पहुंच रही हैं। नियम के मुताबिक प्रदेश में एमआरपी से अधिक पर शराब नहीं बेची जा सकती।

गर्मियों में अधिक डिमांड लेकिन सप्लाई का संकट

गर्मी के मौसम में बीयर की खपत बढ़ जाती है और पहले ठेकेदार सीजन के लिए स्टॉक कर लेते थे, लेकिन इस बार हालात अलग हैं। भोपाल के एक शराब कारोबारी के मुताबिक आबकारी के वेयरहाउस से सीमित मात्रा में हाई रेंज बीयर की सप्लाई होती है, लेकिन सुबह 11 बजे तक स्टॉक खत्म हो जाता है। बीयर के शौकीन ग्राहक पसंदीदा ब्रांड के अलावा चीप रेंज (सस्ती) वाली बीयर खरीद ही नहीं रहे हैं। कुछ शराब दुकानों में तो महंगी बीयर की बिक्री के लिए प्रति ग्राहक 2 बोतल या कैन की सीमा तय की गई है।

नाराज लोग सोशल मीडिया पर कर रहे पोस्ट

पसंदीदा ब्रांड की बीयर न मिलने पर नाराज ग्राहक सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल रहे हैं कि कई ब्रांड की पॉपुलर बीयर महीनों से नहीं मिल रही। कुछ उपभोक्ताओं ने पसंदीदा ब्रांड के लिए अधिक रकम की डिमांड की शिकायतें भी सोशल मीडिया पर डाली हैं।

इस समस्या की प्रमुख बजह

भोपाल, इंदौर, जबलपुर, अलीराजपुर, ग्वालियर आदि जिलों के कई शराब कारोबारियों ने आबकारी अधिकारियों से मुलाकात कर बीयर की सप्लाई बढ़ाने और इस समस्या का समाधान करने की मांग की है। अफसरों ने इसके समाधान का आश्वासन जरूर दिया लेकिन स्थिति जस की तस है। आबकारी के अफसर भी दबी जुबान में मानते हैं कि एक बड़ी शराब निर्माता कंपनी का लाइसेंस निरस्त होने के बाद स्थिति बिगड़ी है, क्योंकि सस्ती और हाई रेंज बीयर की लगभग 50 फीसदी सप्लाई इसी कंपनी से होती थी। इसके अलावा ईरान- अमेरिका विवाद ने भी रही-सही कसर निकाल दी, क्योंकि बीयर की पैकेजिंग के लिए लगने वाली बोतल, कैन और कार्डबोर्ड के दामों में भी काफी तेजी आई है।

आबकारी विभाग के सूत्रों के अनुसारजल्द ही जिस कंपनी के लाइसेंस निरस्त किए गए थे, उसके पास पहले से रखा हुआ बीयर और शराब का स्टॉक लेकर शराब दुकानों पर सप्लाई किया जाएगा। इसके लिए सोमवार को आदेश जारी हो सकते हैं। इस कंपनी के स्टॉक के बाजार में आने से बीयर की शॉर्टेज कुछ हद तक दूर हो सकती है।

इन ब्रांड्स की किल्लत

हेवईस, हेनरिक, हेइनेकेन, किंगफिशर, ट्यूबॉर्ग, हंटर, लीजेंड आदि
।

यह ब्रांड आसानी से मिल रहे

दबंग, माउंट, प्रेसिडेंट, महारानी, बाबा आदि।

10 हजार पुलिस पदों पर भर्ती की तैयारी, लेकिन परीक्षा कौन कराएगा यह अभी तय नहीं

भोपाल। राजधानी में 11 मई को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केएफ रुस्तम जी सम्मान समारोह में पुलिस आरक्षकों सहित पुलिस में 10 हजार पदों पर शीघ्र भर्ती किए जाने की घोषणा की। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि भर्ती कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) से होगी या पुलिस भर्ती बोर्ड से। पुलिस मुख्यालय भी भ्रम की स्थिति में है। मुख्यालय ने भर्ती का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। इसमें 1,041 पद उप निरीक्षक और सूबेदारों के भी हैं।

भर्ती बोर्ड के गठन का प्रस्ताव अब भी लंबित

भर्ती प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने के बाद चयन की प्रक्रिया प्रारंभ होनी है। पुलिस मुख्यालय के अधिकारी चाहते हैं कि इसके पहले भर्ती बोर्ड गठित हो जाए जिससे तेज गति से इन पदों पर भर्ती की जा सके। मुख्यमंत्री ने पिछले वर्ष अप्रैल में पुलिस मुख्यालय में एक बैठक के दौरान पुलिस भर्ती बोर्ड बनाने के लिए कहा था, जिससे भर्तियों में देरी नहीं हो। घोषणा के एक माह बाद पुलिस मुख्यालय ने शासन को प्रस्ताव भी भेज दिया था, पर तब से परीक्षण ही चल रहा है।

गृह विभाग करेगा व्यवहार्यता का अध्ययन

अब गृह विभाग के नए एसीएस संजय शुक्ला प्रस्ताव का परीक्षण करेंगे। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) और विधि विभाग के साथ बैठक कर प्रस्ताव पर निर्णय लिया जाएगा। हालांकि, गृह विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बोर्ड बनाने के संबंध में व्यवहार्यता (फिजिबिलिटी) अध्ययन किया जा रहा है। शीघ्र ही गठन को लेकर निर्णय हो जाएगा।

अन्य राज्यों की तर्ज पर तैयारी

बता दें, मुख्यमंत्री ने प्रतिवर्ष 7500 पदों के मान से तीन वर्ष में 22,500 पदों पर भर्ती करने के लिए कहा है। ईएसबी में अन्य परीक्षाओं का दबाव होने के कारण कई बार लिखित परीक्षा आयोजित कराने में देरी होती है। इसी कारण पुलिस भर्ती बोर्ड बनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, आंध्र प्रदेश सहित 15 से अधिक राज्यों में पुलिस की भर्ती के लिए अलग भर्ती बोर्ड बने हुए हैं।

आज सीएसके को हराकर प्लेऑफ में पहुंचे उतरेगी सनराइजर्स

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम सोमवार को यहां आईपीएल के 63 वे लीग मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। सीएसके का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान में ये मैच बड़े अंतर से जीत कर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बरकरार रखना रहेगा। उसके लिए हालांकि ये आसन नहीं रहेगा क्योंकि सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक काफी अच्छा रहा है और वह जीत की प्रबल दावेदार है।

सीएसके अगर ये मैच हारी तो वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। दूसरी और सनराइजर्स इस मैच में जीत के साथ ही प्लेऑफ की ओर बढ़ जाएगी। लीग में सीएसके जहां 12 अंक

के साथ छठे स्थान पर है। वहीं सनराइजर्स 14 अंक लिए लेकर तीसरी स्थान पर है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा रहेगा दूसरी ओरे सीएसके पर दबाव रहेगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 24 मैच हुए हैं। इसमें सीएसके ने 16 जबकि सनराइजर्स हैदराबाद ने 08 जीते हैं।

इस मैच में सीएसके के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के भी खेलने की संभावना है। अगर धोनी इस मैच में खेलते हैं तो इससे सीएसके को मनोवैज्ञानिक लाभ होगा। टीम का मनोबल बढ़ने के साथ ही उसे धोनी से बेहतर मार्गदर्शन भी मिलेगा।

सीएसके की बल्लेबाज जहां कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा संजू सैमसन पर आधारित रहेगी। वहीं सनराइजर्स की बल्लेबाजी अभिषेक शर्मा के अलावा ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पर निर्भर करेगी। सीएसके की गेंदबाजी अंकुल कंबोल और नुर अहमद जबकि सनराइजर्स की ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे पर आधारित रहेगी।

दोनो ही संभावित टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स - रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), (कप्तान), उर्विल पटेल, कार्तिक शर्मा/एमएस धोनी (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, प्रशांत वीर, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, गुरजापनीत सिंह।

इम्पैक्ट प्लेयर- शिवम दुबे

सनराइजर्स हैदराबाद - पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, सलिल अरोड़ा, नितीश कुमार रेड्डी, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे

इम्पैक्ट प्लेयर- ट्रैविस हेड

थाईलैंड ओपन बैडमिंटन के फाइनल में हारे रंकीरेड्डी और चिराग

पदुमवान । भारत की सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी का थाईलैंड ओपन बैडमिंटन खिताब जीतने का सपना पूरा नहीं हो सका। रंकीरेड्डी और चिराग की जोड़ी को इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नाडो और डेनियल मार्टिन की जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में 21-12, 25-23 से हरा दिया। यहां शुरुआती गेम में ही सात्विक और चिराग पिछड़ गये जिससे इंडोनेशियाई जोड़ी ने पहला गेम 21-12 से जीत लिया। वहीं दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी ने अंत तक प्रयास किया और लगातार पांच चैंपियनशिप अंक बचाये पर इसके बाद भी भारतीय जोड़ी अंत में 25-23 से हार गयी। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल के शुरुआती गेम में, चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी 4-1 से पीछे हो गए और वापसी नहीं कर पाए। दूसरा गेम काफी करीबी मुकाबला था। शुरुआत में 5-2 से पीछे रहने के बाद, सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए बराबरी कर ली और चार मैच अंक बचाए। हालांकि, इंडोनेशियाई जोड़ी ने अपने पांचवें मैच अंक का लाभ उठाकर उन्हें हरा दिया। इससे पहले सेमीफाइनल में उन्होंने मलेशिया के गोह स्जे फेई और नूर इज्जुद्दीन की जोड़ी को एक रोमांचक मुकाबले में 19-21, 22-20, 21-16 से हराकर सत्र के अपने पहले फाइनल में जगह बनाई थी।

केकेआर टाइंटस मैच में बना सबसे अधिक अर्धशतक का रिकार्ड

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और गुजरात टाइटंस के बीच खेला यहां के ईडन गार्डन मुकाबले में टी20 क्रिकेट का नया रिकार्ड बना है। इस मैच में 6 अर्धशतक लगने के साथह कुल मिलाकर 465 रन बने। ये पहली बार है जब किसी आईपीएल मैच में इतने अधिक छक्के और रन बने हैं। टी20 क्रिकेट में इससे भी ज्यादा रन और छक्के पहले लगे हैं पर इस मैच की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसमें कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया, फिर भी छह खिलाड़ियों ने अर्धशतकीय पारी खेली। यह टी20 क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हुआ है जब एक ही मैच में छह बल्लेबाजों ने 50 या उससे अधिक रन का आंकड़ा पार किया हो।

18 करोड़ में पाथिराना को खरीदकर पछता रही होगी केकेआर

कोलकाता। आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के सबसे महंगे खिलाड़ी श्रीलंकाई पेसर मथीसा पाथिराना टीम के लिए घाटे का सौदा साबित हुए हैं। टीम ने काफी उम्मीदों के साथ इस तेज गेंदबाज को 18 करोड़ रुपये में खरीदा था पर उसे इसका लाभ नहीं मिला। ये तेज गेंदबाज फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से से भी बाहर रहा था। लंबे इंतजार के बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ गत दिवस हुए मैच में फिट होने के कारण केकेआर ने उसे उतारा पर फायदा कुछ नहीं हुआ। पाथिराना इस मैच में 1.2 ओवर के बाद ही हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण फिर चोटिल हो गये। ये केकेआर के लिए दोहरी झटका रहा क्योंकि टीम लंबे समय से पाथिराना की फिटनेस का इंतजार कर रही थी। जब आखिरकार वह फिट हुए और खेलने के लिए तैयार दिखे, तो अपने पहले ही मैच में उन्हें फिर से चोटिल होकर बाहर बैठना पड़ा। इससे सोशल मीडिया पर पाथिराना और केकेआर दोनों पर ही प्रशंसकों ने सवाल उठाये हैं। प्रशंसकों ने टीम के खराब प्रबंधन और खिलाड़ी की फिटनेस पर सवाल उठाये हैं।

चेन्नई सुपरकिंग्स के रिलीज करने के बाद पाथिराना को इस सत्र के लिए केकेआर ने 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। केकेआर को श्रीलंका के इस युवा तेज गेंदबाज से काफी उम्मीदें थीं, खासकर उसकी धारदार यॉर्कर और डेथ ओवरों की गेंदबाजी को लेकर पर उनके चोटिल होने से सभी पर पानी फिर गया। मैच में मुश्किल क्षणों में टीम ने उन्हें उतारा था पर लाभ नहीं हुआ।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद, अब पाथिराना को आईपीएल इतिहास की सबसे नुकसानदे खरीददारी माना जा रहा है। इतनी बड़ी रकम खर्च करने और लंबे इंतजार के बाद जब वह मैदान पर उतरे तो अपने पहले ही मैच में चोटिल हो गए, जिससे टीम की सारी योजनाएं धरी की धरी रह गई। पाथिराना के बाहर होने से केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है। अब केकेआर उम्मीद कर रही है कि पाथिराना उसके बचे हुए दो अहम मैचों के लिए फिट होकर मैदान पर वापसी करें।

आईपीएल को सीमित स्थलों पर बिना दर्शकों के आयोजित करने की मांग उठी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को बिना दर्शकों के सीमित स्थल पर आयोजित किये जाने की मांग जोर पकड़ रही है। इस सत्र में आईपीएल मुकाबले अलग-अलग शहरों में खेले जा रहे हैं। इसके कारण हवाई यात्राओं का खर्च बढ़ रहा है। इसके अलावा हजारों दर्शकों के स्टेडियम पहुंचने के कारण भी प्रेट्रोल और डीजल की जमकर खपत हो रही है। ऐसे में सत्र में टीमों द्वारा की जा रही लगातार हवाई यात्राओं और भारी ईंधन खपत को लेकर केंद्रीय खेलमंत्री मनसुख मांडविया से इस मामले को देखने की अपील की गयी है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया से आईपीएल के शेष मैचों के लिए नया कार्यक्रम जारी करने और उन्हें सीमित मैदानों पर बिना दर्शकों के आयोजित करने की मांग की है। यह मांग ऐसे समय में उठी है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देश भर के सरकारी विभाग, राजनेता, अधिकारी और आम नागरिक अनावश्यक खर्चों से बचने का प्रयास कर रहे हैं।

वहीं 28 मार्च से शुरू हुए इस आईपीएल में टीमों को अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार देश के विभिन्न शहरों में यात्रा करनी पड़ रही है। अनुमान है कि अब तक टीमें हवाई और सड़क मार्ग से लाखों किलोमीटर का सफर तय कर चुकी होंगी। मौजूदा परिस्थितियों में, ये हवाई यात्राएं केंद्र सरकार और देश के संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव डाल रही हैं। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस मुश्किल वक्त में, जब हर क्षेत्र में कटौती और मितव्ययिता पर जोर दिया जा रहा है, आईपीएल ही एक ऐसा बड़ा आयोजन है जिसमें कोई संकट नहीं दिख रहा।

इसी मुद्दे पर गोयल ने मांडविया को एक विस्तृत पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने दो प्रमुख मांगें रखी हैं। पहला, हवाई यात्रा में कटौती करते हुए लीग के बचे हुए मैचों के लिए एक नया और संशोधित शेड्यूल जारी किया जाए। दूसरा, शेष मैचों को सीमित संख्या के वेन्यू पर बिना दर्शकों के आयोजित किया जाए। गोयल ने कोरोना महामारी के दौरान भी आईपीएलके सफल आयोजन का हवाला दिया, जब आयोजकों ने सीमित संख्या के मैदानों पर बिना दर्शकों के ही मैच सफलतापूर्वक कराए थे। उनका तर्क है कि मैचों को बिना दर्शकों के आयोजित करने से भी बड़े पैमाने पर ईंधन की बचत होगी क्योंकि आईपीएल मैचों को देखने के लिए हजारों दर्शक स्टेडियम पहुंचते हैं। इन दर्शकों के स्टेडियम तक आने-जाने में हजारों लीटर पेट्रोल और डीजल की खपत होती है।

सनराइजर्स और टाइटन्स के खिलाफ अंतिम दो लीग मैचों के साथ विदायी लेंगे धोनी ?

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह आईपीएल के इस 19 सत्र में अब तक नहीं उतरे हैं। धोनी फिट नहीं होने के कारण अब तक टीम से बाहर थे पर अब उनके अंतिम लीग मैचों में उतरने की संभवना जतायी जा रही है। अटकलें लगायी जा रही हैं कि धोनी सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच खेलकर लीग से विदायी ले लेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी अब पूरी तरह से फिट हैं। इसलिए भी टीम प्रशंसकों की खुशी के लिए उन्हें उतारना चाहती है। इस सत्र में प्रशंसक उनका खेल देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

धोनी लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के लिए भी फिट थे पर इसके बाद भी नहीं उतरे थे क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि उनकी वापसी से टीम का संतुलन बिगड़े। इसका कारण ये है कि शुरुआती मैचों में कुछ हार के बाद सीएसके ने अच्छी वापसी की थी और प्लेऑफ की दौड़ में खुद को मजबूती से शामिल कर लिया था। धोनी का मानना था कि ऐसे महत्वपूर्ण समय में टीम के विजेता संयोजन को बदलना ठीक नहीं होगा। लखनऊ के खिलाफ उस मैच में हालांकि सीएसके को करारी हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद अब धोनी की वापसी की संभावना फिर से बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि वह अपने अनुभव और नेतृत्व के साथ टीम को मजबूती देने के लिए अंतिम दो लीग मैचों में उतरेंगे।

इस सत्र में सीएसके अपने खिलाड़ियों की चोटों से बुरी तरह प्रभावित रही है। उसके आधे दर्जन से ज्यादा खिलाड़ी चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं या पूरी तरह से उपलब्ध नहीं हैं। धोनी भी इसी सूची में शामिल थे पर अब लग रहा है कि वह अपनी चोट से उबर गये हैं और वापसी के लिए तैयार हैं। अंतिम दो मैचों में धोनी के खेलने से टीम का मनोबल बढ़ने की भी संभावना है। इसके अलावा 44 साल के होने जा रहे धोनी आईपीएल से विदायी भी ले सकते हैं क्योंकि सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें नहीं हैं।

अफगानिस्तान सीरीज के लिए ईशान किशन की हो सकती हैं वापसी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के समापन के तुरंत बाद भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में शुरू होगा। इसके बाद 14 जून से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा, दूसरा मैच 17 जून को लखनऊ में और तीसरा मुकाबला 20 जून को चेन्नई में आयोजित किया जाएगा। इस दौरे के लिए टीम चयन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और विकेटकीपर बल्लेबाजों की दौड़ सबसे ज्यादा चर्चा में बनी हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम मैदान पर उतरेगी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया

जा सकता है। चयनकर्ताओं की पहली पसंद विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में केएल राहुल बताए जा रहे हैं। वहीं, बैकअप विकेटकीपर की भूमिका को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। अब तक इस भूमिका में ऋषभ पंत को देखा जा रहा था, लेकिन खराब फॉर्म के कारण उनकी जगह ईशान किशन को मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने संजू सैमसन के लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल माना जा रहा है। आईपीएल 2026 में भी संजू सैमसन ने कई अहम पारियां खेली हैं और वनडे क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड भी प्रभावशाली रहा है। इसके बावजूद चयनकर्ता उन्हें नजरअंदाज कर सकते हैं, जिससे क्रिकेट प्रशंसकों के बीच हैरानी देखी जा रही है। दूसरी ओर, ईशान किशन लंबे समय बाद वनडे टीम में वापसी करते नजर आ सकते हैं। उन्होंने अपना आखिरी वनडे मुकाबला दो साल पहले खेला था। हालांकि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और फिर टी20 विश्व कप टीम में मौका मिला।

सुदर्शन लगातार चार पारियों में 50 से अधिक रन बनाने वाले टाइटंस के पहले बल्लेबाज बने

कोलकाता। गुजराज टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबले में अर्धशतक लगाने के साथ ही एक नया रिकार्ड बना लिया है। अब सुदर्शन गुजरात की ओर से लगातार चार पारियों में 50 या उससे अधिक रन बनाने वाले गुजरात के पहले बल्लेबाज बन गये हैं।

आईपीएल में 'चिट सेलिब्रेशन' का नया ट्रेंड, खिलाड़ियों की अनोखी जश्न शैली ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में इन दिनों खिलाड़ियों के बीच एक नया और अनोखा जश्न मनाने का तरीका तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे फैंस 'चिट सेलिब्रेशन' के नाम से जान रहे हैं। इस ट्रेंड में खिलाड़ी अर्धशतक, शतक या विकेट लेने के बाद अपनी जेब से एक छोटी पर्ची निकालते हैं और उसे कैमरों की ओर दिखाते हैं। शुरुआत में दर्शक इस संदेश को नहीं पढ़ पाते, लेकिन बाद में कैमरा क्लोजअप और सोशल मीडिया के जरिए इन चिट्स में लिखे संदेश वायरल हो जाते हैं। इस अनोखे अंदाज ने मैदान पर रोमांच के साथ-साथ नई चर्चा भी पैदा कर दी है। 15 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में भी यह ट्रेंड देखने को मिला। लखनऊ के गेंदबाज आकाश सिंह ने चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को आउट करने के बाद पहली बार इस तरह का इशारा किया।

इसके बाद उन्होंने संजू सैमसन और उर्विल पटेल को भी आउट करने के बाद पर्ची निकालकर जश्न मनाया। इससे पहले भी इसी तरह के सेलिब्रेशन में उर्विल पटेल और मुंबई इंडियंस के रघु शर्मा का नाम सामने आ चुका है। मैच के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों के बीच इस नए ट्रेंड को लेकर अलग-अलग राय देखने को मिली। कुछ लोगों का मानना है कि यह खिलाड़ियों की भावनाओं और आत्मविश्वास को व्यक्त करने का एक नया तरीका है, जबकि कुछ इसे सिर्फ मनोरंजन का हिस्सा मान रहे हैं। लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायडू ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने खासतौर पर आकाश सिंह के सेलिब्रेशन की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की चीजों को आईपीएल में जगह नहीं मिलनी चाहिए। आकाश सिंह की पर्ची पर लिखा संदेश भी चर्चा में रहा, जिसमें उनकी गेंदबाजी की तारीफ करते हुए आत्मविश्वास झलक रहा था।

अंबाती रायडू ने एक स्पोर्ट्स शो में कहा कि यह तरीका भले ही कुछ लोगों को मजेदार लगे, लेकिन यह खेल की गंभीरता को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने यहां तक कहा कि इस तरह की पर्चियों पर प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि क्रिकेट एक प्रोफेशनल खेल है और इसमें इस तरह के 'स्टंट' की जरूरत नहीं है। हालांकि, कुछ युवा खिलाड़ी इस ट्रेंड को आधुनिक क्रिकेट का हिस्सा मानते हैं और इसे अपनी व्यक्तिगत अभिव्यक्ति का माध्यम बताते हैं। सोशल मीडिया पर भी इस नए सेलिब्रेशन को लेकर लगातार बहस जारी है, जिससे साफ है कि यह ट्रेंड आने वाले समय में और ज्यादा चर्चा में रहने वाला है।

केकेआर के खिलाफ तीन कैच छोड़ना बना हार का कारण - पार्थिव

कोलकाता। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ यहां हुए आईपीएल मुकाबले में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि इसके लिए हमारी खराब फील्डिंग भी जिम्मेदार रही। हमारे खिलाड़ियों ने केकेआर के जिन भी खिलाड़ियों के कैच छोड़े उन्होंने लंबी पारियां खेलकर मैच हमारे हाथ से छीन लिया। इस मैच को गुजरात टाइटन्स जीतकर प्लेऑफ के लिए जगह बनाने उतरी थी पर हार से उसके सपनों पर पानी फिर गया। अब उसे प्लेऑफ में जगह बनाने किसी भी प्रकार अंतिम मैच जीतना होगा। केकेआर के खिलाफ 29 रनों से हार के बाद पार्थिव ने कहा, कैच छोड़ने से मैच में अंतर आया। साथ ही कहा कि बड़े लक्ष्य वाले मैच में एक भी कैच छोड़ना भारी पड़ जाता है क्योंकि जब आप अच्छे बल्लेबाज के खिलाफ खेल रहे होते हैं, तो आपको ज्यादा अवसर नहीं मिलते। जैसे ही आपको वह मौका मिलता है, आपको यह पक्का करना होता है कि आप उसे गंवायें नहीं। गुजरात टाइटन्स के मोहम्मद सिराज ने जब फिन एलेन का कैच छोड़ा को वह 33 रन पर थे।

योगराज ने गिरफ्तारी से बचने अग्रिम जमानत याचिका लगायी, 20 मई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर से अभिनेता बने योगराज सिंह, अपनी हालिया वेब सीरीज लुख्खे में कथित तौर पर आपत्तिजनक और महिला-विरोधी डायलॉग के चलते विवादों में घिर गए हैं। इस मामले में दर्ज प्राथमिकी के बाद उन्होंने गिरफ्तारी से बचने के लिए अदालत का रुख किया है और अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। दिल्ली की एक अदालत में इस याचिका पर 20 मई को सुनवाई होगी, जिसके लिए अदालत ने राज्य सरकार से भी जवाब तलब किया है।

गौरतलब है कि विवाद तब शुरू हुआ जब 8 मई, 2026 को रिलीज़ हुई हिंदी वेब सीरीज़ लुख्खे की एक 17-सेकंड की क्लिप सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गई। इस क्लिप में योगराज सिंह का किरदार, जिसे वालिया साहब के रूप में पहचाना गया है, कथित तौर पर एक महिला पुलिस अधिकारी से बात करते हुए एक बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी करता है।

इस बयान को महिला की गरिमा पर चोट पहुँचाने वाला मानते हुए, डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष उज्ज्वल भसीन और अधिवक्ता जतिन वर्मा ने योगराज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। यह शिकायत भारतीय न्याय संहिता की धारा 79, जो महिला की गरिमा को ठेस पहुँचाने के इरादे से किए गए कृत्य दिखाती है। आरोप है ये संवाद न केवल घरेलू जिम्मेदारियाँ संभालने वाली महिलाओं को बल्कि उन सभी महिलाओं को निशाना बनाते हैं जो घर से बाहर निकलकर काम करती हैं और अपनी रोजी-रोटी कमाती हैं। उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग से भी इस मामले में स्वतः संज्ञान लेने की अपील की है, क्योंकि उनके अनुसार यह टिप्पणी पूरे देश की मेहनती महिलाओं का अपमान है।

इस बीच, पंजाब राज्य महिला आयोग ने भी इस मामले में संज्ञान लेते हुए योगराज को नोटिस जारी किया है। आयोग की अध्यक्ष राज लाली गिल ने बताया कि संस्था ने वेब सीरीज़ में आपत्तिजनक बयानों से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों की समीक्षा की है और पंजाब पुलिस मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के माध्यम से इस पूरे प्रकरण की जाँच की माँग की है। उन्होंने पंजाब के पुलिस महानिदेशक से भी मुलाकात करने की पुष्टि की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उचित और त्वरित कार्रवाई की जाए.इस पूरे विवाद पर अभी तक योगराज सिंह या लुख्खे के निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या बयान सामने नहीं आया है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, (भवन)
लोक निर्माण विभाग, जिला जेल के सामने बालाघाट (म.प्र.)

दूरभाष :- 07632-358737 ई-मेल :- dpepiu.balaghat@mp.gov.in

एन.आई.टी. नं. -13/2026/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/मु.अ.(भ)/जबलपुर दिनांक 11.05.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :

स.क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की राशि (कार्य की लागत) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	ठेकेदार/फर्म की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWPIU_506519_1	अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय भवन कटंगी, जिला बालाघाट में फर्नीचर का स्थापना कार्य (प्रथम आमंत्रण)	बालाघाट	12.00	24000.00	2000.00	पंजीकृत गोदरेज कम्पनी फर्नीचर प्रदायकर्ता	1
2	2026_PWPIU_506520_1	अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय भवन परसवाड़ा, जिला बालाघाट में फर्नीचर का स्थापना कार्य (प्रथम आमंत्रण)	बालाघाट	12.00	24000.00	2000.00	पंजीकृत गोदरेज कम्पनी फर्नीचर प्रदायकर्ता	1

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाईट http:// mptender.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।

2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।

3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 13.05.2026 समय दोपहर 1:00 बजे से दिनांक 26.05.2026 समय शाम 6:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी-13005/26

' स्वच्छता ही सेवा '

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग बालाघाट

तमिलनाडु की राजनीति में थलापति विजय का नया धमाका

- विश्वास मत जीतने के बाद अब राज्यसभा में एंट्री की तैयारी

चैन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय इस वक्त पूरे देश के राजनीतिक गलियारों में सबसे चर्चित चेहरा बन गए हैं। हालिया विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) को मिली शानदार सफलता के बाद वह राज्य में अपनी सरकार बनाने में कामयाब रहे हैं। अपने दम पर बहुमत के आंकड़े से थोड़ा दूर रहने के बावजूद विजय ने विधानसभा में भारी मतों से विश्वास मत हासिल कर अपनी राजनीतिक कुशलता का लोहा मनवा दिया है। अब उनके लिए एक और बड़ी खुशखबरी आने वाली है, जिसकी धमक सीधे दिल्ली दरबार तक सुनाई देगी। विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद टीवीके अब देश की संसद के ऊपरी सदन यानी राज्यसभा में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की पूरी तैयारी में है।

बीते तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके ने राज्य की दशकों पुरानी स्थापित राजनीति को पूरी तरह झकझोर कर रख दिया। पार्टी ने 234 सदस्यीय विधानसभा में अकेले 108 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल की। थलापति विजय की यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद अहम मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने राज्य में पिछले करीब छह दशकों से चली आ रही पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के वर्चस्व को चुनौती देकर तोड़ दिया है। उनकी इस शानदार जीत का सीधा असर अगले महीने होने वाले राज्यसभा के समीकरणों पर साफ दिखाई पड़ने वाला है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्यसभा में अपने सदस्य को भेजने की टीवीके की मुराद बहुत जल्द पूरी हो सकती है। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत एआईएडीएमके के एक प्रमुख नेता से जुड़ी है। एआईएडीएमके के सी. वीई. शानमुगम ने हाल ही में मैलाम विधानसभा सीट से चुनाव जीता है। विधायक चुने जाने से पहले शानमुगम राज्यसभा के सदस्य थे, लेकिन चार मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद उन्होंने नियमत: राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इसके चलते तमिलनाडु से संसद के ऊपरी सदन की एक सीट खाली हो गई है। खास बात यह है कि शानमुगम एआईएडीएमके के उस बागी गुट का हिस्सा हैं जिसने विश्वास मत के दौरान पार्टी लाइन से अलग जाकर थलापति विजय की सरकार को खुला समर्थन दिया था। ऐसे में इस खाली सीट के लिए अगले महीने उपचुनाव होने की पूरी संभावना है।

अगर विधानसभा के मौजूदा गणित को समझें, तो देश के आठ राज्यों में जून के मध्य में करीब 23 राज्यसभा सीटों के लिए उपचुनाव होने वाले हैं। इनमें से एक सीट तमिलनाडु की है। विधानसभा में बदले समीकरणों और संख्या बल के लिहाज से इस सीट पर टीवीके का दावा सबसे मजबूत है क्योंकि राज्य में इस वक्त उसके पास सबसे अधिक विधायक हैं। हालांकि राज्य में नियमित तौर पर जून 2028 में छह राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं, जिसमें संख्या बल के आधार पर टीवीके अपने दम पर आसानी से तीन सीटें जीत लेगी। लेकिन इस मौजूदा उपचुनाव में जीत दर्ज कर थलापति विजय की पार्टी संसद में अपना खाता खोल सकती है, जो दिल्ली की राजनीति में उनकी पार्टी की सीधी और धमाकेदार एंट्री होगी।

भारी तनाव के बीच कच्चा तेल लेकर भारतीय तट की ओर बढ़ा विशाल टैंकर

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी गंभीर सैन्य संकट के बीच भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर एक बेहद सकारात्मक और राहत भरी खबर सामने आई है। तमाम रणनीतिक चुनौतियों और युद्ध के खतरों के बावजूद, ग्लोबल एनर्जी कॉरिडोर के नाम से विख्यात होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर कच्चे तेल से लदा एक विशाल टैंकर भारत की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। फारस की खाड़ी (पर्शियन गल्फ) क्षेत्र में ईरान और अमेरिकी सेना के बीच जारी भारी तनाव के बीच इस टैंकर का सुरक्षित निकलना भारत के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। शिप ट्रैकिंग आंकड़ों के अनुसार, करोलोस नाम का यह स्वेजमैक्स टैंकर इराकी कच्चा तेल लेकर होर्मुज स्ट्रेट को पार कर चुका है और ओमान की खाड़ी से होते हुए अरब सागर के रास्ते भारत की ओर अग्रसर है।

शिप ट्रैकिंग के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की संख्या में इन दिनों भारी गिरावट दर्ज की गई है। पर्शियन गल्फ में जारी संघर्ष अब 12वें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, जिसके कारण समुद्री व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। युद्ध से पहले की तुलना में वर्तमान ट्रांजिट बेहद निचले स्तर पर बना हुआ है। अमेरिकी प्रशासन लगातार यह दावा कर रहा है कि ईरान जल्द ही अंतरराष्ट्रीय दबाव में झुक जाएगा, लेकिन तेहरान की ओर से होर्मुज पर अपनी पकड़ ढीली करने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। ईरान ने युद्ध समाप्ति की वार्ता में लौटने के लिए पांच कड़ी शर्तें रखी हैं, जिनमें सबसे प्रमुख शर्त होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान की संप्रभुता को वैश्विक स्तर पर स्वीकार करना है।

जहाज ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, करोलोस टैंकर इराक के बसरा टर्मिनल से कच्चा तेल लेकर रवाना हुआ था। उपग्रह से मिली तस्वीरों और गुरुवार को ओमान की खाड़ी में इसकी स्थिति से संकेत मिला है कि यह जहाज पूरी तरह कच्चे तेल से लदा हुआ है। इस बीच, इराक से वियतनाम जा रहा एक अन्य तेल टैंकर अभी भी ओमान की खाड़ी में फंसा हुआ है, जिसे अमेरिकी नौसेना द्वारा रोके जाने की खबर है। होर्मुज जलमार्ग में फिलहाल सुरक्षा हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड का दावा है कि ईरान पर प्रतिबंध लागू करने के बाद अमेरिकी सेना अब तक 75 व्यावसायिक जहाजों का मार्ग बदल चुकी है। इसके अलावा, क्षेत्र में ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम संकेतों में बड़े पैमाने पर हो रहे हस्तक्षेप और ईरान से जुड़े जहाजों द्वारा अपने ट्रैकिंग सिग्नल बंद कर देने के कारण स्वतंत्र निगरानी करना कठिन हो गया है।

पढ़ने में एवरेज थे, फिर भी एक ही परिवार से 5 बच्चे नीट में हुए सिलेक्ट

शक के दायरे में आया परिवार, जांच में जुटी एजेंसियां

जयपुर। नीट पेपर लीक मामले में हो रहे नए खुलासों के बीच अब राजस्थान का एक परिवार जांच एजेंसियों के रडार पर आ गया है। इस मामले में बिवाल परिवार के तीन सदस्यों— दिनेश बिवाल, मांगीलाल बिवाल और विकास बिवाल को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि दिनेश और मांगीलाल ने लीक हुआ पेपर अपने ही परिवार के बच्चों को उपलब्ध कराया था। इस परिवार के दो बच्चों ने इस साल नीट की परीक्षा दी है, जबकि पांच बच्चे पिछले साल ही परीक्षा पास कर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दाखिला ले चुके हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से कुछ बच्चे पढ़ाई में बेहद औसत थे, जिससे उनके चयन पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जांच के दायरे में आए विकास बिवाल का पिछला शैक्षणिक रिकॉर्ड बेहद सामान्य रहा है। विकास को 12वीं कक्षा में महज 55 फीसदी अंक मिले थे, लेकिन नीट जैसी कठिन परीक्षा में उसने 86 फीसदी अंक हासिल कर सरकारी मेडिकल कॉलेज में सीट पक्की कर ली। सवाई माधोपुर मेडिकल कॉलेज के प्रबंधन के मुताबिक, विकास इस साल जनवरी से लगातार कॉलेज से गायब चल रहा था और कॉलेज की परीक्षाओं में उसका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक था, जहां उसे औसतन केवल 30 फीसदी नंबर ही मिल पा रहे थे। अपने पिता और चाचा की गिरफ्तारी के बाद वह कॉलेज से पूरी तरह गायब हो गया था, जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया।

परिवार के अन्य बच्चों का रिकॉर्ड भी अब संदेह के घेरे में है। दिनेश और मांगीलाल के दिवंगत भाई की बेटी पलक जयपुर के एक प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज की छात्रा है। पलक स्कूली शिक्षा में तो होनहार थी और उसने नीट में 98.61 फीसदी अंक हासिल किए थे, लेकिन मेडिकल कॉलेज के टेस्ट में वह एक औसत छात्रा साबित हुई। अपने चाचा की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही वह भी बिना बताए हॉस्टल से गायब हो गई। इसी तरह मांगीलाल की बेटी प्रगति, जो दौसा के मेडिकल कॉलेज में पढ़ती है, उसने भी अपने पिता और भाई की गिरफ्तारी वाले दिन कॉलेज से छुट्टी ले ली थी। प्रगति ने कोरोना काल के दौरान 12वीं में 91 फीसदी और नीट में 89 फीसदी अंक हासिल किए थे।

इसके अलावा, इस साल नीट परीक्षा में बैठने वाले परिवार के दो अन्य छात्र ऋषि और अमन भी पढ़ाई में बेहद कमजोर रहे हैं। इनमें से ऋषि ने 12वीं की परीक्षा ग्रेस मार्क्स के साथ केवल 50 फीसदी अंकों से पास की थी। पढ़ाई में इतने कमजोर होने के बावजूद मेडिकल प्रवेश परीक्षा में बैठने और पिछले बच्चों के संदिग्ध प्रदर्शन को देखते हुए जांच एजेंसियां इन सभी कड़ियों को जोड़ने में लगी हैं। अब इस बात की गहनता से पड़ताल की जा रही है कि क्या पिछले साल चयनित हुए इन बच्चों को भी किसी अनुचित तरीके से मदद पहुंचाई गई थी।

सिंधु जल संधि विवाद : भारत 'अवैध रूप से गठित' न्यायाधिकरण के फैसले को नहीं मानता

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार को सिंधु जल संधि के तहत हेग स्थित मध्यस्थता न्यायालय द्वारा जारी नवीनतम फैसले को दृढ़ता से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली न तो ॠअवैध रूप से गठितॠ न्यायाधिकरण को मान्यता देता है और न ही उसके किसी भी फैसले को कानूनी रूप से वैध मानता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का भारत का फैसला लागू रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय ने 15 मई को संधि की व्याख्या से संबंधित एक पूर्व फैसले के संदर्भ में ॠअधिकतम भारॠ के बारे में एक निर्णय जारी किया था। उन्होंने कहा कि भारत इस तथाकथित निर्णय को स्पष्ट रूप से खारिज करता है, ठीक उसी तरह जैसे उसने अवैध रूप से गठित सीओए के सभी पूर्व निर्णयों को दृढ़ता से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि भारत ने इस तथाकथित संधि आयोग की स्थापना को कभी मान्यता नहीं दी है। इसके द्वारा जारी कोई भी कार्यवाही, निर्णय या फैसला अमान्य है। ये नई टिप्पणियां अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच आई हैं, जिसके बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा की थी। विश्व बैंक की मध्यस्थता से संपन्न यह संधि दोनों देशों के बीच सिंधु नदी प्रणाली के जल बंटवारे को नियंत्रित करती है। समझौते के तहत पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों-सिंधु, झेलम और चिनाब पर अधिकार प्राप्त है, जबकि भारत का पूर्वी नदियों-रावी, ब्यास और सतलुज पर नियंत्रण है। इस संधि के तहत पाकिस्तान को सिंधु नदी प्रणाली के करीब 80 फीसदी जल पर अधिकार प्राप्त हो जाता है, जबकि भारत 20 फीसदी जल को अपने पास रखता है, साथ ही पश्चिमी नदियों पर सिंचाई, बिजली उत्पादन और अन्य गैर-उपभोक्ता उद्देश्यों के लिए सीमित उपयोग अधिकार भी प्राप्त करता है। महज एक हफ्ते पहले जायसवाल ने जोर देकर कहा था कि सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपना समर्थन ॠविश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप सेॠ समाप्त नहीं कर देता।

जज साहब और वकीलों के बीच गाली गलौज?

-जज को गाली देने उकसा रहे थे वकील

-कोर्ट के अंदर वाद-विवाद का वीडियो वायरस

नई दिल्ली । दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में वरिष्ठ एडीजी रैंक के न्यायिक अधिकारी और जिला बार के एक वकील के बीच तीखी बहस का वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें जज साहब के ऊपर आरोप लगाए गए हैं कि वह अपने केबिन में बैठकर ड्रिंक करते हैं, अदालत का काम नहीं करते हैं। वहीं दूसरी तरफ जज साहब यह कहते हुए दिख रहे हैं की जबरदस्ती दबाव बनाकर गलत काम कोर्ट से कराना चाहते हैं। वह किसी दबाव में नहीं आएंगे।

वायरल वीडियो में जो जज साहब की और वकीलों की भाषा है, उसको सुनने के बाद यही कहा जा रहा है की सब्जी बाजार के कुंजड़े भी लड़ाई में जिस भाषा का उपयोग नहीं करते हैं वह कोर्ट में होती हुई दिख रही है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अदालत कक्ष के भीतर दोनों पक्षों के बीच गहमागहमी और तीखी नोकझोंक साफ दिखाई दे रही है। बताया जा रहा है, एक मामले में तत्काल आदेश जारी कराने का दबाव वकील साहब बना रहे थे। जिसके कारण यह विवाद शुरू हुआ। इस घटना के बाद रोहिणी कोर्ट परिसर का माहौल तनावपूर्ण हो गया।

वायरल वीडियो में न्यायिक अधिकारी कथित तौर पर यह कहते सुनाई दे रहे हैं। ॠहाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाकर मेरे खिलाफ कार्रवाई करवा दो, वहां तुम्हारे बड़े-बड़े आका बैठे हुए हैं। वहीं, संबंधित वकील न्यायाधीश को गाली बकने के लिए उकसा रहे हैं। घटना के दौरान अदालत में मौजूद अन्य अधिवक्ताओं और कर्मचारियों ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन दोनों ही शांत नहीं हुए।

इस घटना ने न्यायपालिका और अधिवक्ताओं के संबंधों को लेकर नई बहस छेड़ दी है। अदालत में हो रहे भ्रष्टाचार के मामलों को भी उजागर किया है। दलाल जैसे शब्दों का उपयोग खुलकर हो रहा है। बार और बेंच के बीच संवाद एवं मर्यादा पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। फिलहाल इस मामले में किसी आधिकारिक कार्रवाई या जांच की पुष्टि नहीं हुई है। वायरल वीडियो को लेकर न्यायिक हलकों में व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जिला बार एसोसिएशन और हाईकोर्ट बार एसोसिएशन का दबाव जिस तरह से न्यायालयों के ऊपर देखने को मिल रहा है। उसने छात्र संगठनों की याद दिला दी है। बार और न्याय पालिका में एक विचारधारा के लोग पिछले एक दशक में महत्वपूर्ण पदों पर आए हैं। उसके बाद से स्थिति तेजी के साथ बिगड़ती हुई दिख रही है। जिस किसी ने भी इस वीडियो को देखा है, उसके मन में बस एक ही बात आ रही है। इस तरह का झगड़ा और इस तरह के शब्दों का उपयोग गुंडे, मवाली और मूर्ख भी नहीं करते हैं। जिन शब्दों का उपयोग जज साहब और वकील साहबानो के बीच हुआ है।

फाल्टा उपचुनाव से पहले शुभेंदु का टीएमसी पर तीखा हमला

अपराधियों को जेल भेजने की दी चेतावनी

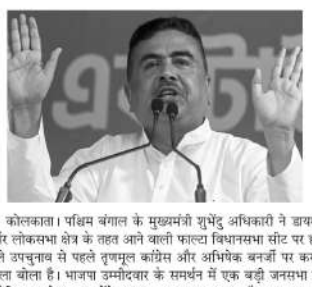

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाली फाल्टा विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस और अभिषेक बनर्जी पर करारा हमला बोला है। भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार को लेकर कई बड़े एलान किए।

मुख्यमंत्री ने टीएमसी के फाल्टा उम्मीदवार जहांगीर खान को आड़े हाथों लेते हुए उन्हें कुख्यात अपराधी करार दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 के चुनाव बाद हुई हिंसा पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा जारी की गई 19 सबसे कुख्यात अपराधियों की सूची में जहांगीर का नाम शामिल था। दरअसल, चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त पुलिस पर्यवेक्षक और आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा जब मतदाताओं को धमकाने की शिकायत के बाद जहांगीर खान के घर पहुंचे थे, तब जहांगीर ने उन पर पलटवार करते हुए कहा था कि अगर वह सिंघम हैं, तो मैं पुष्पा हूं। मुख्यमंत्री ने इसी बयान पर तंज कसते हुए कहा कि अब यह तथाकथित पुष्पा कहीं दिखाई नहीं दे रहा है और अब इसकी जिम्मेदारी वे खुद संभालेंगे।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछले एक दशक में इस क्षेत्र के लोग स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर पाए हैं। चुनाव आयोग ने फाल्टा में 29 अप्रैल को हुए मतदान को ईवीएम से छेड़छाड़ और मतदाताओं को डराने-धमकाने जैसी गंभीर अनियमितताओं की शिकायतों के बाद रद्द कर दिया था, जिसके बाद अब 21 मई 2026 को यहां पुनर्मतदान होने जा रहा है।भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उन्हें लीप्स एंड बाउंड्स कंपनी से जुड़ी संपत्तियों की फाइलें मिल चुकी हैं, जिसमें एक आलीशान दफ्तर सहित 24 संपत्तियों का विवरण है और जल्द ही इनके खिलाफ गहन जांच शुरू की जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने वर्ष 2021 की चुनावी हिंसा का जिक्र करते हुए साफ किया कि हिंसा और हत्या के मामलों में नामजद किसी भी फरार आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा, भले ही राजनीतिक अपराध 5 साल पुराने क्यों न हों। उन्होंने धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने और हिंदू देवी-देवताओं के अपमान से जुड़ी सभी पुलिस फाइलें दोबारा खोलने की बात भी कही। अपने संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री ने फाल्टा की जनता के लिए एक विशेष विकास पैकेज देने की घोषणा की और राज्य में न्याय का शासन स्थापित करने का संकल्प दोहराया।

गिरिराज ने कहा- थोड़ा रुकिए औवेसी भी खुद को हिंदू कहेंगे

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर पीठ ने धार जिले में स्थित विवादित भोजशाला परिसर को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने पुरातात्विक तथ्यों, ऐतिहासिक साहित्यों और एएसआई के वैज्ञानिक सर्वेक्षण को आधार मानते हुए इस पूरे परिसर को देवी सरस्वती (वाग्देवी) को समर्पित एक मंदिर घोषित कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि परमार वंश के राजा भोज की विरासत से जुड़े इस स्थल पर हिंदुओं की पूजा-अर्चना की निरंतरता कभी समाप्त नहीं हुई थी और यह मूल रूप से एक संस्कृत अध्ययन केंद्र व मंदिर था। इस फैसले के बाद देश में सियासत तेज हो गई है। भाजपा के फायरब्रांड नेता और सांसद गिरिराज सिंह ने इस निर्णय पर गहरी खुशी जताते हुए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर तीखा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि आज नहीं तो कल, ओवैसी को भी यह स्वीकार करना पड़ेगा कि वे हिंदू हैं।

दूसरी तरफ, असदुद्दीन ओवैसी ने इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि सुप्रीम कोर्ट इस आदेश को पलट देगा। ओवैसी ने दावा किया कि यह परिसर पिछले 700 सालों से एक मस्जिद रहा है और वर्ष 1935 के धार स्टेट गजट व वक्फ रिकॉर्ड्स में भी इसे मस्जिद माना गया है। उन्होंने पूजा स्थल अधिनियम, 1991 का हवाला देते हुए कहा कि 15 अगस्त 1947 को जो धार्मिक स्वरूप था, उसे बदला नहीं जा सकता। इस बीच, कानूनी लड़ाई को आगे बढ़ाते हुए हिंदू पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में एक कैविएट दाखिल कर दी है, ताकि उनका पक्ष सुने बिना इस मामले में कोई भी एकतरफा आदेश पारित न किया जा सके।

अपने फैसले के साथ ही हाईकोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के 7 अप्रैल 2003 के उस आदेश को पूरी तरह रद्द कर दिया है, जिसके तहत मुस्लिमों को हर शुक्रवार को इस परिसर में नमाज पढ़ने की इजाजत दी गई थी। कोर्ट ने अब यहां केवल हिंदुओं को उपासना का अधिकार देने की याचिका स्वीकार कर ली है, जबकि मुस्लिम और जैन पक्षों की ओर से दायर अन्य चार याचिकाओं को खारिज कर दिया है। हालांकि, अदालत ने यह भी कहा कि यदि मुस्लिम समुदाय धार जिले में मस्जिद निर्माण के लिए जमीन आवंटन की अर्जी देता है, तो राज्य सरकार कानूनी प्रावधानों के तहत उस पर विचार कर सकती है।

गर्मी से बचाव के लिए विभिन्न राज्यों के 20 शहरों में हीट एक्शन प्लान

नईदिल्ली। देश में बढ़ती गर्मी और हीटवेव से बचाव के लिए केंद्र सरकार ने विभिन्न राज्यों के 20 शहरों में हीट एक्शन प्लान लागू करने की योजना बनाई थी। अब तक यह योजना केवल अहमदाबाद में ही प्रभावी रूप से लागू हो सकी है। बाकी के 19 शहरों में योजना कागज़ों तक सीमित होकर रह गई। कई राज्यों के लोग भीषण गर्मी से परेशान हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में सैकड़ो मौतें गर्मी के कारण हो चुकी हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर तैयारी न होने के कारण स्वास्थ्य सेवाओं, पानी और राहत व्यवस्था का समय रहते इंतजाम नहीं किया गया। जिसके कारण लू लगने से हजारों लोग अस्पताल पहुंच रहे हैं। वहीं सैकड़ो लोगों की मौत हो चुकी है।

इस परियोजना के लिए सरकार ने बजट से करोड़ों रुपये खर्च किए। लेकिन अधिकांश शहरों में न तो पर्याप्त जागरूकता अभियान चले, नाही जरूरी सुविधाएँ विकसित की गई। विपक्ष ने इसे बड़ा घोटाला बताते हुए सरकार से जांच की मांग की है। वहीं प्रशासन का कहना है,कुछ शहरों में काम जारी है। जल्द ही एक्शन प्लान की योजनाओं को पूरी तरह लागू किया जाएगा। 1 जून से मानसून आ जाता है। जब जरूरत है, तब काम नहीं हुआ। जब जरूरत नहीं रहेगी तब कागजो पर काम पूरा करके करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार किया जाएगा। यही सरकारी योजनाओं को पूर्ण करने की कार्यप्रणाली है।

यौन उत्पीड़न के मामले में केंद्रीय राज्यमंत्री संजय कुमार का बेटा गिरफ्तार

हैदराबाद। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे बंदी भगीरथ को तेलंगाना पुलिस ने शनिवार को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई तेलंगाना हाई कोर्ट द्वारा भगीरथ को अंतरिम राहत देने से इनकार किए जाने के ठीक एक दिन बाद हुई है। गिरफ्तारी से पहले केंद्रीय मंत्री ने एक बयान जारी कर बताया था कि उन्होंने खुद अपने बेटे को पुलिस के समक्ष पेश होने और जांच में पूरी तरह सहयोग करने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि कानून और न्यायपालिका के प्रति पूर्ण सम्मान दिखाते हुए उन्होंने अपने वकीलों के माध्यम से बेटे को तेलंगाना पुलिस के सामने पेश किया।

180 एलसीए तेजस मार्क-1ए विमानों की अब तक नहीं हुई डिलीवरी

-डिजाइन और डेवलपमेंट पर अभी काम बाकी, इसलिए टली बैठक

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना में फाइटर स्क्वॉड्रन की कमी को पूरा करने के लिए एचएएल के साथ 180 एलसीए तेजस मार्क-1ए विमानों का कॉन्ट्रैक्ट किया गया था, लेकिन अब तक एक भी फाइटर एयरक्राफ्ट की डिलीवरी नहीं हुई है। रडार की परफॉर्मेंस और कुछ अन्य सिस्टम्स में सुधार के बाद हिन्?दुस्?तान एयरोनॉटिक्?स लिमिटेड (एचएएल) को मई महीने में इंडियन एयरफोर्स के सामने रिव्यू के लिए प्रेजेंटेशन देना था, लेकिन यह बैठक नहीं हो सकी।

रक्षा अधिकारियों के मुताबिक यह रिव्यू बैठक अगले महीने तक के लिए टल गई है। अब जून में तेजस मार्क-1ए को लेकर अहम रिव्यू बैठक होने की संभावना है। वायुसेना के सूत्र पहले ही कई बार स्पष्ट कर चुके हैं कि नॉन-नेगोशिएबल ऑपरेशनल जरूरतों पर किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। हालांकि, कुछ समझौतावादी बिंदुओं पर एचएएल को सीमित राहत मिल सकती है।

जून में होने वाली यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि इसमें तेजस मार्क-1ए की डिलीवरी की संभावित तारीख तय हो सकती है।

रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, यदि कॉन्ट्रैक्ट के तहत तय मानकों में कुछ मामूली कमी रह जाती है तो उस पर विचार किया जा सकता है। इस मामले में अंतिम फैसला रक्षा मंत्रालय को लेना है, क्योंकि कॉन्ट्रैक्ट रक्षा मंत्रालय और एचएएल के बीच हुई है। यदि कॉन्ट्रैक्ट में किसी तरह का बदलाव किया जाता है, तो उसकी मंजूरी भी मंत्रालय स्तर पर ही होगी। एचएएल के पूर्व सीएमडी डॉ. डीके सुनील पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि डिजाइन और डेवलपमेंट से जुड़े 1-2 बिंदुओं पर अभी काम बाकी था। माना जा रहा है कि यही कारण मई की बैठक टलने की वजह बना।

प्रस्तावित बैठक में एचएएल को तेजस मार्क-1ए की मेजर, माइनर और अनिवार्य ऑपरेशनल जरूरतों की प्रगति रिपोर्ट पेश करनी है। एचएएल के पूर्व सीएमडी डॉ. डीके सुनील ने पहले बताया था कि 21 एयरक्राफ्ट तैयार हैं और उनका कैट-बी इंजन के साथ परीक्षण भी किया जा चुका है। उन्होंने यह भी बताया था कि पिछले साल दिसंबर में वायुसेना के साथ हुई रिव्यू बैठक में बीवीआर एयर-टू-एयर मिसाइल, लेजर गाइडेड बम, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और रडार इंटीग्रेशन का काम पूरा होने की जानकारी दी गई थी. हालांकि, रडार की परफॉर्मेंस में सुधार समेत कुछ अन्य पहलुओं पर काम बाकी था।

एचएएल द्वारा तैयार किए गए एयरक्राफ्ट का पहले तकनीकी मूल्यांकन होगा, उसके बाद वायुसेना के टेस्ट पायलट उसकी उड़ान भरेंगे। इससे यह तय किया जाएगा कि विमान एएसओआर मानकों पर खरा उतरता है या नहीं। निरीक्षण के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। यदि कोई कमी पाई जाती है, तो एचएएल को उसे दूर करने के लिए कहा जाएगा। इसके बाद ही भारतीय वायुसेना को पहला तेजस मार्क 1ए मिलने का रास्ता साफ होगा। तेजस प्रोग्राम अब तक धीमी गति से आगे बढ़ रहा था, जिसकी मुख्य वजह इंजन की डिलीवरी में देरी भी थी।

मौजूदा सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से भारतीय वायुसेना को 42 फाइटर स्क्वॉड्रन की जरूरत है, लेकिन फिलहाल उसके पास केवल 29 स्क्वॉड्रन हैं। इस कमी को तेजस प्रोग्राम के जरिए पूरा करने की योजना है। वायुसेना पहले ही 40 तेजस विमान शामिल कर चुकी है। एचएएल के साथ 83 एलसीए तेजस मार्क-1ए विमानों की डील हो चुकी है, लेकिन उनकी डिलीवरी अब तक शुरू नहीं हो पाई है। इन 83 विमानों से 4 स्क्वॉड्रन तैयार होंगे। इसके अलावा, 97 अतिरिक्त तेजस मार्क-1ए विमानों की खरीद का समझौता भी हो चुका है, जिनसे 5 और स्क्वॉड्रन बनाए जाएंगे। तेजस के कुल 11 स्क्वॉड्रन में से 2 पहले ही शामिल हो चुके हैं, जबकि 9 स्क्वॉड्रन अभी शामिल होना बाकी हैं।

बालाघाट
सोमवार 18 मई 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

भालू और जंगली सूअर के हमले में एक महिला सहित दो लोग घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के अलग-अलग क्षेत्र में जंगली सूअर और भालू के हमले में एक महिला सहित दो लोग घायल हो गए। दोनों घायल जिनमें मंजू लता पति रमेश हरिनखेडे 40 वर्ष ग्राम एकाटोला पिपरिया थाना वारासिवनी और धनीराम पिता हीरासिंह धुर्वे 33 वर्ष ग्राम अडोरी थाना मलाजखंड निवासी है। जिन्हे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धनीराम धुर्वे ग्राम अडोरी निवासी खेती किसानी और मजदूरी करते हैं।17 मई की सुबह 6:00 बजे धनीराम अपनी पत्नी कालो बाई और गांव के अन्य लोगों के साथ ग्राम मा ी जंगल तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए गए थे 6:30 बजे जब दोनों पति-पत्नी जब अलग-अलग तेंदूपत्ता तोड़ रहे थे तभी भालू ने धनीराम पर हमला कर दिया और उसके दाहिने हाथ की कलाई को पड़कर खींचने लगा था। तभी धनीराम ने भालू एक जबरदस्त पैर मार कर अलग किया। इसी दौरान धनीराम के चिल्लाने पर वहा पता तोड़ रहे गांव के अन्य लोग भी पहुंच गए। जिन्होंने भालू को भगाया। भालू के हमले में धनीराम घायल हो गया था। जो अपनी पत्नी के साथ घर पहुंचा जिसे 108 एंबुलेंस में जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है। इंकाटोला पिपरिया निवासी मंजूलता हरिनखेड़े अपने परिवार के साथ खेती किसानी करती है। 16 मई को सुबह 7:00 बजे मंजू लता गांव के लोगों के साथ अपने गांव का जंगल तेंदूपत्ता तोड़ने गई थी। जब वह 9:30 बजे तेंदूपत्ता तोड़ रही थी। तभी अचानक जंगली सूअर ने उसे पर हमला कर दिया। जंगली सूअर के हमले में मंजूलता वहीं पर गिर गई। जिसके चिल्लाने पर तेंदू पत्ता तोड़ रहे लोग दौड़े और जंगली सूअर को भगाएं जंगली सूअर के हमले में मंजू लता घायल हो गई थी। घायल मंजू लता को गांव के लोगों ने घर लाये। जिसे उसके पति ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया।

तीन साल बाद भी अधूरा पड़ा वैनगंगा का उच्च स्तरीय पुल, डेडलाइन नजदीक फिर भी धीमी रफ्तार

करोडो की लागत से बन रहा 400 मीटर लंबा पुल अब तक नहीं हुआ पूरा, 28 जून 2026 की समय सीमा पर भी मंडराने लगा संकट

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वैनगंगा नदी पर जून 2023 में लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किया गया 400 मीटर लंबा उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य तीन साल बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है। यह पुल क्षेत्र की यातायात सुविधा और लोगों की आवाजाही को आसान बनाने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है, लेकिन निर्माण कार्य की धीमी गति के चलते आम लोगों को अब भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। करीब छह महीने पहले निर्माण एजेंसी की लेटलतीफी को देखते हुए विभाग द्वारा टेंडर निरस्त करने की कार्रवाई की गई थी। इसके बाद निर्माण कंपनी ने अधिकारियों को भरोसा दिलाया था कि 28 जून 2026 तक पुल का कार्य हर हाल में पूरा कर लिया जाएगा। हालांकि मौजूदा स्थिति को देखकर यह दावा अब कमजोर पड़ता नजर आ रहा है। पुल निर्माण स्थल पर अब भी कई पिलर अधूरे दिखाई दे रहे हैं, जबकि काम की रफ्तार भी बेहद धीमी बनी हुई है। डेडलाइन खत्म होने में अब कुछ ही दिन शेष बचे हैं, लेकिन निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति यह संकेत दे रही है कि तय समय सीमा में पुल तैयार होना मुश्किल है।

वैनगंगा नदी पर जागपुर घाट में बन रहा उच्च स्तरीय पुल शुरू से ही धीमी रफ्तार का शिकार बना हुआ है। प्रशासनिक बैठकों में कई बार निर्माण कंपनी को निर्देश दिये गये हैं लेकिन काम की गति नहीं बढ़ सकी। हालत यह है कि लगभग तीन साल बाद भी पुल निर्माण अधूरा पड़ा है और अब तय समय-सीमा में काम पूरा होना लगभग असंभव नजर आ रहा है। दिल्ली के शाहीनबाग स्थित मै. अम्फा इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को पुल निर्माण का ठेका दिया गया था। लगातार देरी के चलते करीब छह महीने पहले कंपनी का टेंडर निरस्त कर दिया गया था, लेकिन बाद में अनुबंध की धारा-12 के तहत इसे फिर से बहाल कर दिया गया। इस निर्णय को लेकर अधिकारियों और निर्माण कंपनी के बीच सांठगांठ के आरोप भी लगे थे। पुनर्बहाली के दौरान कंपनी ने डिजाइन में बदलाव और तय समय में काम पूरा करने का भरोसा दिया था, लेकिन स्थिति में कोई बड़ा सुधार दिखाई नहीं दे रहा। वर्तमान में नदी सूखी हुई है और पुल के गर्डर नदी के भीतर रखे गए हैं, जिन्हें पिलरों पर स्थापित किया जाना है। हालांकि आगामी डेढ़ से दो महीने में बारिश का मौसम शुरू होने वाला है। ऐसे में नदी में जलभराव होने पर निर्माण कार्य रुकना तय माना जा रहा है। इससे स्पष्ट है कि पुल निर्माण एक बार फिर लंबे विलंब की भेंट चढ़ सकता है और क्षेत्रीय लोगों को आवागमन के लिए लंबा चक्कर लगाने की मजबूरी बनी रहेगी। जागपुर घाट पुल निर्माण में देरी को लेकर राजनीतिक दलों से लेकर आम नागरिक तक कई बार प्रशासन और निर्माण एजेंसी को घेर चुके हैं। जनता ने विकास कार्यों को जानबूझकर लटकाने तक के आरोप लगाए, लेकिन हर बार अधिकारियों और कंपनी की ओर से समय पर काम पूरा करने का दावा किया जाता रहा। अब हालात देखकर यह साफ हो गया है कि लोगों को पुल की सौगात के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। बीते दिनों जनवरी में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने जून 2026 तक हर हाल में निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए थे, लेकिन मौजूदा प्रगति इन निर्देशों को जमीन पर पूरा होता नहीं दिखा रही। लोक निर्माण विभाग के सेतु निर्माण संभाग द्वारा बनाए जा रहे इस उच्च स्तरीय पुल की लंबाई लगभग 400 मीटर है। इसकी लागत 19 करोड़ 37 लाख रुपये बताई गई है। पुल निर्माण कार्य 29 जून 2023 को शुरू हुआ था, जबकि इसकी पूर्णता की तिथि 28 जून 2026 निर्धारित की गई है।

सही हैं कि पुल निर्माण में देरी हुई है – अर्जुन सनोडिया

सेतु निर्माण संभाग (पीडब्ल्यूडी) के एसडीओ अर्जुन सनोडिया ने स्वीकार किया कि पुल निर्माण में देरी हुई है। उन्होंने बताया कि कंपनी द्वारा मजदूरों की कमी को देरी का मुख्य कारण बताया जा रहा है। इसी वजह से छह महीने पहले टेंडर निरस्त किया गया था, लेकिन उच्च स्तर से इसे पुनर्बहाल कर दिया गया। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय-सीमा तक काम पूरा होना संभव नहीं दिख रहा है, क्योंकि बारिश के दौरान लगभग चार महीने तक निर्माण कार्य बंद रहेगा। वर्षा समाप्त होने के बाद ठेकेदार का टेंडर दोबारा निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी और शेष कार्य नई कंपनी को सौंपा जा सकता है।

अजब प्रेम की गजब कहानी-लापता नवविवाहित युवती के दस्तयाबी के बाद सामने आई प्रेम कहानी

प्रेम संबंध के चलते एक युवक से सगाई के बाद दूसरे युवक से की थी शादी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र से 12 दिन पहले कॉलेज जाने घर से निकली नवविवाहित युवती के दस्तयाब होने के बाद एक नई प्रेम कहानी सामने आई जो इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। इस युवती ने महज दो माह के भीतर दो युवकों से प्रेम संबंध के चलते जहां एक युवक से सगाई की तो, सगाई के बाद दूसरे युवक से प्रेम सम्बंध बनाकर उसके साथ शादी कर ली और अंत मे उसने अपने पहले प्रेमी के पास लौटने का फैसला कर लिया।

यह युवती खैरलांजी थाना क्षेत्र की ही निवासी है जो लालबर्रा स्थित बीएससी नर्सिंग कॉलेज में पढ़ाई कर रही है। युवती का पिछले छह वर्षों से मुरमाड़ी निवासी विपिन गोंडाने के साथ प्रेम संबंध था। दोनों का प्रेम इतना गहरा था कि परिवारों ने भी उन्हें शादी की सहमति दे दी और सामाजिक रीति-रिवाज से सगाई के बाद 25 मार्च 2026 को विवाह की तारीख भी तय कर दी गई। रिश्तेदारों में शादी के कार्ड वितरण किये जा चुके थे और दोनों के परिवार विवाह की तैयारियों में जुटे गये थे। इसी बीच युवती की जिंदगी में अचानक मोड़ आ गया। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान उसकी नजदीकियां पड़ोसी गांव कच्चेखानी निवासी और सहपाठी हर्ष घरड़े से बढ़ गईं। भावनाओं के उफान में युवती ने ऐसा कदम उठा लिया, जिसने दोनों के परिवारों को हैरान कर दिया। 13 फरवरी 2026 को महाराष्ट्र के चुल्हाड़ स्थित धम्माभिषेक बुद्ध विहार में इस युवती ने हर्ष घरड़े के साथ सामाजिक रीति-रिवाज से विवाह कर लिया।हर्ष के साथ नई जिंदगी शुरू करने वाली इस युवती का मन हालांकि पूरी तरह स्थिर नहीं हो पाया। समय बीतने के साथ उसका संपर्क फिर से पुराने प्रेमी विपिन गोंडाने से होने लगा। दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और पुराना प्रेम फिर जाग उठा। आखिरकार युवती ने हर्ष का घर छोड़ने का फैसला कर लिया। 4 मई को वह अपने ससुराल से कॉलेज जाने का कहकर निकली और विपिन के साथ नागपुर चली गई।जब वह घर नहीं लौटी तो हर्ष घरड़े के परिजन चिंतित हो उठे। उसकी काफी खोजबीन किये, नही मिलने पर उन्होंने खैरलांजी थाना पहुंचकर इस युवती की गुमशुदगी की शिकायत की थी। खैरलांजी थाने में गुम इंसान 22/2026 कायम किया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने साइबर सेल की मदद से तलाश शुरू की और 16 मई को इस युवती को दस्तयाब कर लिया।थाने में जब दोनों पक्ष पहुंचे तो । युवती ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह अब विपिन गोंडाने के साथ ही रहना चाहती है। उसने पुलिस को दिए बयान में स्वीकार किया कि विपिन से उसका प्रेम संबंध वर्षों पुराना था और उसी से शादी तय हुई थी। लेकिन वह भावनात्मक रूप से भ्रमित हो गई थी और हर्ष से विवाह कर लिया। अब उसे अपने फैसले का एहसास है और वह विपिन के साथ जीवन बिताना चाहती है।वहीं विपिन गोंडाने ने भी इस युवती को अपनाने की बात कही। उसने बताया कि दोनों लंबे समय से एक-दूसरे से प्रेम करते थे और परिवारों की सहमति से शादी तय हुई थी। परिस्थितियां अचानक बदल गई थीं, लेकिन अब दोनों साथ रहकर नया जीवन शुरू करना चाहते हैं।युवती के दस्तयाब होने के बाद इनकी प्रेम कहानी अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने यह जरूर दिखा दिया कि भावनाओं में लिया गया एक निर्णय कई जिंदगियों को प्रभावित कर सकता है।

युवती बालिक है उसने अपनी इच्छा से विपिन गोंडाने के साथ रहने की बात कही-थाना प्रभारी दीपक गौतम

खैरलांजी थाना प्रभारी दीपक गौतम ने बताया कि युवती की गुमशुदगी की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने उसे खोजकर दस्तयाब किया। युवती बालिग है और उसने अपनी इच्छा से विपिन गोंडाने के साथ रहने की बात कही है। इसलिए उसके बयान दर्ज कर नियमानुसार उसे उसके इच्छित साथी के साथ भेज दिया गया।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट